THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 82 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.7 2080 शनिवार, 10 जून 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

हेडगेवार से जुड़ा पाठ हटाने पर बवाल

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार क्यों बदलने जा रही पाठ्यसामग्री

बेंगलुरू,9 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक में अब किताब पर राजनीति शुरू हो गई है। राज्य के मंत्री दिनेश गुंडुराव ने कहा है कि सिद्धारमैया सरकार पिछली भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई पाठ्यपुस्तकों से कुछ पाठों को हटाएगी। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार से जुड़ी सामग्री भी शामिल है।

राज्य में सरकार बनाने के बाद कांग्रेस के कई नेताओं ने किताबों में बदलाव के संकेत देने शुरू कर दिए थे। अब इसकी घोषणा ने सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच विवाद का एक विषय बना दिया है। ऐसे में जानना जरूरी है कि कर्नाटक में किताबों को लेकर क्या हो रहा है? किताबों से क्यों हटाया जा रहा हेडगेवार का पाठ? क्या पहले भी उनसे जुड़े विवाद थे? सरकार का क्या कहना है? इस पर भाजपा ने क्या प्रतिक्रिया दी?

कर्नाटक सरकार ने स्कूल की पाठ्यपुस्तक में बदलाव की योजना बनाई है। सरकार आरएसएस संस्थापक से जुड़ा पाठ हटाने पर विचार कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह निर्णय बेंगलुरू में शैक्षिक सुधारों पर एक बैठक में लिया गया था। इस बैठक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और स्कूल शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने भाग लिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कक्षा 10 की कन्नड़ पाठ्यपुस्तक में हेडगेवार पर एक अध्याय इस शैक्षणिक वर्ष से हटा दिया जाएगा। यह अध्याय पिछली भाजपा सरकार द्वारा राज्य के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया था।

किताबों से क्यों हटाया जा रहा हेडगेवार का पाठ

यह निर्णय कर्नाटक में शिक्षा जगत से जुड़े लोगों की एक अपील के हफ्तों बाद आया है। दरअसल, पिछले दिनों शिक्षकों और स्कूल संघों ने नवगठित सरकार से पिछली भाजपा सरकार द्वारा राज्य पाठ्यक्रम की पाठ्यपुस्तकों में किए गए बदलावों को उलटने की मांग की थी।

>14

बजरंग की पत्नी को लेकर बृजभूषण के घर पहुंची दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। भाजपा सांसद और रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन शोषण की चल रही जांच में तेजी से घटनाक्रम बदल रहा है। 9 जून की सुबह अंतर्राष्ट्रीय रेफरी जगबीर सिंह के बयान के बाद खबर आई कि एक महिला पहलवान को लेकर दिल्ली पुलिस डब्ल्यूएफाई के निवर्तमान अध्यक्ष के घर पहुंची। महिला पहलवान के बृजभूषण के घर पहुंचने के बाद अटलकों का बाजार गर्म है।

रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली पुलिस शुक्रवार को बजरंग पूनिया की पत्नी संगीता फोगाट को बृजभूषण शरण सिंह के आधिकारिक आवास पर ले गई ताकि क्राइम सीन रिक्रिएशन किया जा सके, जिसके तहत यौन उत्पीड़न की घटना हुई थी। फोगाट के साथ महिला कांस्टेबल भी थीं। रिपोर्ट के अनुसार बृजभूषण शरण सिंह के घर पर पहले एक पुलिस की गाड़ी पहुंची। इसके थोड़ी देर बाद एक और गाड़ी आई। गाड़ी के शीशे काली फिल्म लगी हुई थी। इसकी वजह से अंदर कौन है यह देख पाना मुश्किल था। गाड़ी घर के अंदर पहुंची तो महिला पहलवान उतरी। वहां 10-15 मिनट गुजारे और वापस निकल जाते हैं। गाड़ी बैक गेट से अंदर घुसी और आगे वाली गेट से बाहर निकली। इसके बाद कयास लगाए जाने लगे कि पुलिस इस तरह क्यों महिला पहलवान को लेकर बृजभूषण के घर पहुंची है।

इससे पहले जानकारी दी थी कि एक ओलंपियन, एक कॉमनवेल्थ गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता रेसलर, एक अंतर्राष्ट्रीय रेफरी और एक राज्य स्तरीय कोच ने दिल्ली पुलिस की जांच में बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ गवाही दी है। उन्होंने तीन महिला पहलवानों के आरोपों की पुष्टि की है। इसके बाद शुक्रवार की सुबह इटरनेशनल रेफरी जगबीर सिंह ने मीडिया में बृजभूषण के खिलाफ बयान दिया।

प्रदर्शनकारी पहलवानों और सरकार के बीच मामले में लंबे समय से चला आ रहा गतिरोध में बुधवार को खत्म हुआ। पहलवान, ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक ने खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात की। इसके बाद वे 15 जून तक अपना विरोध प्रदर्शन रोकने पर सहमत हुए।

सरकार की ओर से आश्वासन दिया गया तबतक दिल्ली पुलिस चार्जशीट दायर करेगी।

वित्तमंत्री की बेटी की शादी में कोई वीआईपी नहीं

सिर्फ करीबी शामिल, दामाद पीएमओ में काम करते हैं

बेंगलुरू, 9 जून (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सादगी से अपनी बेटी परकला वांगमयी की शादी की। विवाह की रस्में उनके बेंगलुरू स्थित घर पर हुईं। शादी समारोह में सिर्फ परिवार के लोग और खास दोस्त ही शामिल हुए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी में किसी नेता या वीआईपी गेस्ट को न्योता नहीं दिया गया था। सीतारमण के दामाद प्रतीक दोषी गुजरात के रहने वाले हैं। वे पीएमओ में ओएसडी हैं। सीतारमण की बेटी परकला और प्रतीक की शादी ब्राह्मण परंपरा से हुई। उड्डुपी अदामारू मठ के संतों ने दोनों को आशीर्वाद दिया और शादी की सभी रस्में कराईं। परकला ने शादी में पिंक साड़ी पहनी, वहीं प्रतीक ने सफेद पंचा और शॉल पहनी। सीतारमण ने मोलकलमुरु साड़ी पहनी थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीतारमण के दामाद प्रतीक प्रधानमंत्री मोदी के खास सहयोगी हैं। वे पीएम ऑफिस में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी हैं। वे 2014 से ही पीएमओ में काम कर रहे हैं।

केदारनाथ में एवलॉन्च, जोशीमठ में पहाड़ से गिरे पत्थर

देहरादुन, 9 जून (एजेंसियां)। वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर उत्तराखंड में अभी भी जारी है। बारिश के साथ लगातार लैंड स्लाइडिंग की घटनाएं सामने आ रही है। इसका असर चारधाम यात्रा और हेमकुंड साहिब यात्रा पर भी पड़ रहा है। बीते दिन केदारनाथ के पास आए एवलॉन्च के बाद से ही यात्रियों में डर का माहौल भी बना हुआ है। मौसम विभाग ने इस बीच अगले 4 दिन येलो अलर्ट जारी रखा है। यानी कि यात्रा करें, लेकिन अपना ख्याल भी रखें।

बता दें कि केदारनाथ धाम में गुरुवार को एक बार फिर एवलॉन्च आया। मंदिर से 4 किलोमीटर दूर चोराबाड़ी ताल की ओर पहाड़ियों में हिमस्खलन हुआ। घटना सुबह की बताई जा रही है। एवलॉन्च आने के बाद लगभग 5 मिनट तक बर्फ का धुआं उठता दिखाई दिया। जिसके बाद श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान लगभग 4 से 5 मिनट तक बस बर्फ के धुआं ही धुआं दिखाई दिया। हालांकि चंद मिनटों के बाद जब बर्फ का धुआं छंटा तो लोगों ने राहत की सांस ली। इसी रास्ते से जून 2013 की आपदा में भी भारी मात्रा में मलबा और पानी आया था। जिसमें कई लोगों की जान चली गई थी। बीते 10 माह में एवलॉन्च की यह पांचवी घटना बताई जा रही है। बीते वर्ष सितंबर-अक्टूबर में भी इसी क्षेत्र में एवलॉन्च आया था। जोशीमठ के पास हेलंग वैली में हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के लिए एनटीपीसी की सुरंग बन रही है। दावा किया जा रहा है कि गुरुवार को घाटी में नीचे किसी निर्माण कार्य के लिए धमाका किया गया, जिसके बाद पहाड़ का एक हिस्सा टूटकर सड़क पर आ गिरा।

शरद पवार-संजय राउत को मिली जान से मारने की धमकी

शिंदे बोले- उनकी सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा जाएगा

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार, शिवसेना उद्धव ठाकरे के सांसद संजय राउत और उनके भाई सुनील राउत को जान से मारने की धमकी मिली है। जानकारी के मुताबिक, शरद पवार को धमकी एक वेबसाइट के जरिए दी गई है। उनकी बेटी और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने पुलिस से मदद मांगी है। वे मुंबई पुलिस कमिश्नर से मिलने भी पहुंचीं थीं। वहीं, उद्धव ठाकरे गुट के विधायक सुनील राउत ने कहा कि संजय राउत और मुझे कल से जान से मारने के फोन आ रहे हैं और सुबह मीडिया से बात नहीं करने के लिए कहा गया है। मुंबई पुलिस आयुक्त और राज्य के गृह मंत्री को घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है।

सुप्रिया सुले ने की यह मांग :

कमिश्नर से मुलाकात के बाद संवाददाताओं को एनसीपी नेता ने बताया कि शरद पवार के नाम से मेरे व्हाट्सएप पर संदेश आया है। उन्हें एक वेबसाइट से धमकी दी गई है और साथ ही संबंधित अकाउंट से भी ऐसे ही संदेश आए हैं। मैं यहां न्याय मांगने आई हूं। मेरी केंद्रीय गृहमंत्री और महाराष्ट्र के गृह मंत्री से मांग है कि ये जो गंदी राजनीति हो रही है, वो रुकनी चाहिए।

अजित पवार ने भाजपा को घेरा :

इस बीच राकांपा के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने कहा कि सौरव पिम्पालकर नामक व्यक्ति ने धमकी भरा संदेश भेजा था, जिसकी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर कहा गया है कि वह भाजपा का समर्थक है।

सीबीआई ने हाथ में ली मणिपुर हिंसा की जांच

एसआईटी का गठन : शाह से मुलाकात के बाद क्या बोले नगा विधायक

नई दिल्ली/इंफाल, 9 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मणिपुर हिंसा के छह मामलों की जांच के लिए डीआईजी रैंक के एक अधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पूर्वोत्तर राज्य के दौरे के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छह प्राथमिकियों की जांच के लिए सीबीआई जांच की घोषणा की थी। इनमें से पांच मणिपुर में हिंसा की कथित आपराधिक साजिश और सामान्य साजिश पर केंद्रित हैं।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्र और राज्य के एक निर्देश पर कार्रवाई करते हुए सीबीआई ने एसआईटी का गठन किया है और मामलों की जांच अपने हाथ में ले ली है। अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतई समुदाय की मांग के विरोध में तीन मई को पहाड़ी जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' आयोजित किया गया था। इसके बाद पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा भड़क उठी थी। एक महीने पहले जातीय हिंसा भड़कने के बाद से अब तक लगभग 100 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और 300 से अधिक घायल हुए हैं। उधर, मणिपुर के नगा विधायकों ने शुक्रवार को कहा कि वे चाहते हैं कि संघर्षग्रस्त राज्य के लिए किए जा रहे किसी भी समाधान से नगा क्षेत्रों के लिए मौजूदा व्यवस्था को बाधित नहीं किया जाना चाहिए। यहां स्वायत्त परिषद मौजूद हैं।

बीजेपी ने पृथक बजट की प्रथा रोककर रेलवे को बर्बाद किया : ममता

कोलकाता, 9 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया कि जिस दिन अलग से रेल बजट पेश करने का चलन बंद हुआ, उसी दिन से भारतीय रेल तबाह हो गई। नरेन्द्र मोदी सरकार ने लगभग 100 वर्षों की प्रथा को समाप्त करते हुए 2017 में रेल बजट का विलय केंद्रीय बजट में कर दिया था। बनर्जी ने संवाददाताओं से कहा, "जब मैं रेल मंत्री थी तो हमारे पास विभिन्न रेलवे विभागों, जैसे वित्त, कर्मचारी कल्याण, सिग्नलिंग, इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल, केलिए कैबिनेट रैंक के छह सचिव रखने का विकल्प था। उन्होंने विभिन्न विभागों के बीच समन्वय में मदद की। आज यह समन्वय समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा, "जिस दिन हमने अलग से बजट पेश करना बंद किया, उसी दिन से भारतीय रेल तबाह हो गई। ऐसा लगता है कि आजकल किसी को भी इन चीजों की परवाह नहीं है।" तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख का यह बयान दो जून को ओडिशा में हुए ट्रेन हादसे के बाद आया है, जिसमें पश्चिम बंगाल के निवासियों सहित 288 लोग मारे गए हैं। बनर्जी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह ट्रेन हादसे के पीछे की सच्चाई को दबाने में लगी है। मणिपुर में अशांति का उल्लेख करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि केंद्र पत्रकारों सहित किसी को भी इस पूर्वोत्तर राज्य का दौरा करने की अनुमति नहीं दे रहा है, ताकि वह सच्चाई को दबा सके। उन्होंने कहा कि मणिपुर और उत्तर प्रदेश में हो रहे अत्याचारों पर चुप रहने के लिए उन्हें (भाजपा को) खुद पर शर्म आनी चाहिए।

मुंबई के चाइना बाजार में लगी भीषण आग

मुंबई, 9 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई से एक बड़ी घटना सामने आ रही है यहाँ झावेरी बाजार स्थित चाइना बाजार में एक इमारत में भीषण आग लग गई है। ये बिल्डिंग 5 मंजिला है। भीतर फंसे व्यक्तियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। दमकल विभाग की 12 से अधिक वाहनों की सहायता से आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। घटना शुक्रवार रात लगभग 1।30 बजे की है। प्राप्त खबर के अनुसार, देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। कुछ सेकेंड में ही इमारत धू-धू कर जलने लगी। हालांकि राहत की बात रही कि अब तक किसी के घायल या हताहत होने की खबर नहीं है। आग कैसे लगी, इसकी तहकीकात स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीम कर रही है। दमकल विभाग ने बताया कि आग लेवल 3 की है। इससे पहले मुंबई के मलाड क्षेत्र में भीषण आग लग गई थी। इस दुर्घटना में एक की मौत हो गई। घटना अप्पा पाड़ा में झुग्गी बस्तियां के पास की है। यहां लगभग 20 सिलेंडर फटने से जबरदस्त ब्लास्ट हो गया था, इसके चलते हजारों घर आग की चपेट में आ गए थे।

कांग्रेस नेता आसिफ जकी और उनके पति पर जानलेवा हमला

भोपाल, 9 जून (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल में नगर निगम में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष शाबिस्ता जकी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि देर रात दो युवकों ने बेसबॉल के बैट से शबिस्ता और उनके पति पर हमला कर दिया। घर के सामने कार पार्किंग की जगह को लेकर विवाद हुआ था। इस हमले में घायल कांग्रेस के कार्यकारी जिलाध्यक्ष आसिफ जकी और शाबिस्ता जकी को चिरायु अस्पताल में भर्ती कराया गया। भोपाल नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष शाबिस्ता जकी वार्ड क्रमांक 24 से पार्षद है और उनका मकान श्यामला हिल्स के पास स्थित है। उनके घर के पास ही श्यामला हिल्स थाने के एक एसआई के बेटे यासिर ने मकान खरीदा है। यासिर ने सड़क पर नो पार्किंग का बोर्ड लगा दिया। इसी बोर्ड को लेकर शबिस्ता जकी का यासिर से विवाद हुआ था।

स्टालिन ने मेत्तूर बांध खोले जाने से पहले गाद निकालने के काम की समीक्षा की

तंजावुर, 9 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम। के। स्टालिन ने कृषि संबंधी कार्यों में सुविधा के लिए 12 जून को स्टेनली जलाशय (सलेम में मेत्तूर बांध) के फाटकों को पारंपरिक तौर पर खोले जाने से पहले यहां अधिकारियों के साथ चर्चा कर तटीय जिलों में गाद निकालने के काम की शुक्रवार को दो दिवसीय समीक्षा शुरू की। मुख्यमंत्री यहां बृहस्पतिवार की रात को चेन्नई से तिरुचिरापल्ली हवाई अड्डा पहुंचे और सड़क मार्ग से तंजावुर के लिए रवाना हुए। यहां पहुंचने के बाद स्टालिन ने तंजावुर जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और गाद निकालने के काम की स्थिति के बारे में जानकारी ली, जिसे अप्रैल में शुरू किया गया था। नगरपालिका प्रशासन मंत्री के। एन। नेहरू के अनुसार, वह जिले में जारी काम का निरीक्षण करेंगे और बाद में तिरुचिरापल्ली का दौरा करेंगे तथा लालगुडी ब्लॉक में कूझैयारू एवं नांथियार में गाद निकालने के काम का निरीक्षण करेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए तिरुचिरापल्ली जिला प्रशासन ने ड्रोन के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है।

जनकपुरी इलाके में अस्पताल में आग लगी, 20 नवजात बच्चों को सुरक्षित निकाला

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में स्थित एक अस्पताल में शुक्रवार तड़के आग लग गई। इस घटना के बाद अस्पताल में तेजी से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया और 20 नवजात शिशुओं को रेस्क्यू किया गया। ये अस्पताल वैशाली कॉलोनी में है। फिलहाल, सभी बच्चे सुरक्षित हैं और उन्हें अन्य अस्पतालों में भेजा गया है। दमकल विभाग के मुताबिक, उन्हें आग लगने की सूचना शुक्रवार देर रात 1.35 बजे मिली, जिसके बाद मौके पर 9 गाड़ियों को भेज गया।

खालिस्तान समर्थक परेड में इंदिरा गांधी की हत्या की सीन

मीनाक्षी लेखी बोलीं- कनाडा में जो हो रहा न संबंधों के लिए ठीक, न कनाडा के लिए- एस जयशंकर

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की 6 जून को निकाली गई परेड के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस परेड में एक झांकी निकाली गई थी, जिसमें भारत की पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या का सीन दिखाया गया। परेड का वीडियो सामने के बाद हंगामा मच गया। भारत सरकार ने कनाडा को तगड़ी लताड़ लगाई है। विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि किसी अपराध का जश्न नहीं मनाया जा सकता है। उन्होंने कनाडा के गवर्नर से इस मामले में एक्शन की मांग की। मीनाक्षी लेखी ने कहा, कोई भी हत्या किसी भी लोकतांत्रिक सरकार में एक अपराध है। अपराध का जश्न नहीं मनाया जा सकता है और इस प्रकार कनाडा में जो कुछ भी हो रहा है, वह कानून और व्यवस्था के दायरे में आता है और सरकार को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए।

इसके पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी इस मामले पर चिंता जताते हुए कनाडा का सख्त संदेश दिया था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इसमें एक बड़ा मुद्दा शामिल है। साफ तौर पर, हम ये नहीं समझ पा रहे हैं कि वोट बैंक की राजनीति की अलावा कोई ऐसा क्यों करेगा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि ये मुद्दा कनाडा की जमीन के इस्तेमाल का है, जो अलगाववादियों, चरमपंथियों और हिंसा की वकालत करने वाले लोगों को दिया जाता है। जयशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि ये दोनों देशों के संबंधों के लिए सही नहीं है और न ही ये कनाडा के लिए ठीक है।

कांग्रेस ने कहा घिनौनी हरकत

इंदिरा गांधी को आपत्तिजनक तरीके से दिखाए जाने की कांग्रेस ने निंदा की। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इसे घिनौनी हरकत बताते हुए विदेश मंत्री जयशंकर से इस मामले में एक्शन की मांग की। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कनाडा की घटना को भारत विरोधी तत्वों का नंगा तांडव कहा। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'चुप्पी' पर सवाल उठाते हुए, उनसे कनाडा के समकक्ष से फोन पर बात कर इस मुद्दे को उठाने की मांग की।

असम में 3.7 तीव्रता का भूकंप तेजपुर से 39 किमी दूर रहा केंद्र

गुवाहाटी, 9 जून (एजेंसियां)। असम में रिक्टर स्केल पर 3.7 तीव्रता का भूकंप आया है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक भूकंप का केंद्र तेजपुर से करीब 39 किलोमीटर दूर था। अभी तक जान-माल के किसी नुकसान की खबर नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक ये भूकंप असम के तेजपुर में शुक्रवार सुबह 10.05 बजे आया और इसका केंद्र 10 किमी। की गहराई पर था। भारत का पूर्वोत्तर हिस्सा भूकंप के प्रति बेहद संवेदनशील क्षेत्रों में पड़ता है। इस क्षेत्र में अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। गुवाहाटी सहित असम के कुछ हिस्सों में 17 अप्रैल को भी दोपहर में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें भी जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ था। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी की वेबसाइट के मुताबिक भूकंप का ये झटका शाम 4 बजकर 52 मिनट पर महसूस किया गया। तब भूकंप का केंद्र कामरूप जिले में था और यह 10 किमी। की गहराई में था। असम की राजधानी और सबसे बड़े शहर गुवाहाटी सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में इस भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इससे पहले 12 फरवरी को असम के नागांव में शाम को 4 की तीव्रता का भूकंप आया था। ये भूकंप शाम 4.18 बजे आया था। असम के अलग-अलग हिस्सों में लगातार भूकंप आने की खबरें सामने आती रही हैं।

जिन्होंने जयशंकर को मंत्री बनाया

वही सबसे पहले देश की राजनीति को विदेश ले गए : कांग्रेस

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस ने विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा राहुल गांधी की आलोचना किए जाने के बाद उन पर पलटवार करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि जिन्होंने जयशंकर को मंत्री पद दिया है, वही देश की राजनीति को सबसे पहले विदेशी धरती पर ले गए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि जयशंकर इस बात को जानते हैं, लेकिन इस बात को स्वीकार नहीं कर करते।उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री जयशंकर ने राहुल गांधी को आड़े हाथों लेते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस नेता को विदेश में भारत की

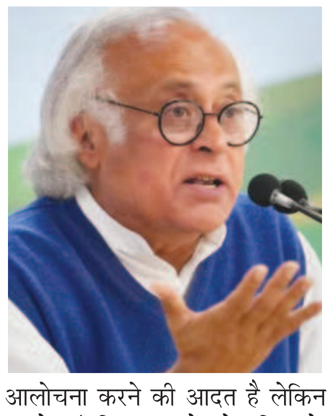

आलोचना करने की आदत है लेकिन अपने आंतरिक मामलों को दुनिया के सामने उठाना देश के हित में नहीं है। नरेन्द्र मोदी सरकार को लेकर कांग्रेस नेता द्वारा अमेरिका में दिये गए बयान के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें इस बात को लेकर कोई समस्या नहीं है कि भारत के भीतर क्या कहा जाता है लेकिन आंतरिक मुद्दों को विदेशों में उठाना उचित नहीं है। जयशंकर के बयान का हवाला देते हुए रमेश ने ट्वीट किया, ''जिन्होंने राष्ट्रीय राजनीति को देश से बाहर ले जाने की परंपरा शुरू की, वह कोई और नहीं, बल्कि वह हैं जिन्होंने आपको मंत्री पद सौंपा। डॉक्टर जयशंकर, आप जानते हैं, लेकिन इसे स्वीकार नहीं कर सकते।"

विस्तारा एयरलाइन्स में महिला यात्री की शिकायत पर सह यात्री गिरफ्तार

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। दिल्ली एयरपोर्ट पर विस्तारा एयरलाइन्स में महिला सह-यात्री की शिकायत पर पुरुष यात्री को गिरफ्तार किया गया है। महिला सह-यात्री ने फ्लाइट क्रू मेंबर को ये कहते हुए शिकायत की कि पुरुष यात्री फोन पर बम की बात कर रहा है। महिला की शिकायत पर क्रू मेंबर ने पुरुष यात्री को सी आईएसएफ के हवाले कर दिया, जहां से दिल्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। सीआईएसएफ ने जब उसके बैग की तलाशी ली तो उसके बैग से नारियल निकला। यूके-941 विस्तारा की ये फ्लाइट दिल्ली से मुंबई होते हुए दुबई जा रही थी। एयरपोर्ट से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यात्री विस्तारा एयरलाइंस की उड़ान संख्या यूके-941 (दिल्ली से मुंबई) से सफर कर रहा था। इसके जरिए वह मुंबई से कनेक्टिंग फ्लाइट के माध्यम से दुबई जाने वाला था। विमान को शाम 4.55 बजे प्रस्थान करना था। अधिकारी ने बताया कि नौकरी के लिए दुबई जा रहा यात्री फोन पर अपनी मां से बात कर रहा था। बातचीत को उसके बगल में बैठी एक महिला सह-यात्री सुन रही थी। यात्री ने कहा कि बम की आशंका पर सीआईएसएफ ने मेरे बैग से नारियल निकाल लिया, लेकिन उसी बैग में रखे गुटखे पर कुछ नहीं कहा।

कुख्यात अपराधियों और वीवीआईपी आरोपियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी हो

सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। माफिया मुख़्तार अंसारी के साथी रहे गैंगस्टर संजीव जीवा की हत्या के बाद सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस याचिका में मांग की गई है कि कुख्यात अपराधियों और वीवीआईपी आरोपियों की कोर्ट में पेशी के बजाए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई की जानी चाहिए। याचिका में कहा गया है कि अगर सुप्रीम कोर्ट ऐसा करने के निर्देश देता है तो निर्दोषों की जान पर आए संकट को रोका जा सकता है और लाखों रुपये के राजस्व की भी बचत हो सकती है, जो इन दुर्दांत अपराधियों और वीवीआईपी आरोपियों की आवाजाही के दौरान खर्च किया जाता है। इतना ही नहीं राज्य सरकार और सुरक्षाकर्मियों की ऊर्जा का भी अन्यत्र उपयोग किया जा सकता है और क़ीमती समय की भी बचत हो सकती है। जनहित याचिका दायर करने वाली याचिकाकर्ता अंजली पटेल ने अपनी याचिका के समर्थन में कई घटनाओं का ज़िक्र भी किया है। इसमें संजीव जीवा की हत्या के अलावा अतीक अहमद और अशरफ़ अहमद की हत्या के अलावा मदनगढ़ कोर्ट कॉम्पलेक्स में गोलीबारी, उत्तर प्रदेश के जौनपुर कोर्ट कॉम्पलेक्स में फ़ायरिंग, आगरा कोर्ट में पुलिस कांस्टेबल पर हमला, हापुड़ कोर्ट कॉम्पलेक्स में सुंदरभाटी गैंग के गुर्गे की गोली मारकर हत्या जैसी तमाम वारदातें शामिल हैं। जनहित याचिका में कहा गया है कि यदि सुप्रीम कोर्ट दुर्दांत अपराधियों और वीवीआईपी आरोपियों की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से करने का निर्देश देता है तो जान-माल और वक़्त बेवजह खर्च नहीं होगा। इसके पहले भी याचिकाकर्ता अंजली पटेल ने दिल्ली की साकेत कोर्ट मे पिछले दिनों एक महिला को गोली मारे जाने की घटना के बाद अदालतों की सुरक्षा कड़ी किए जाने की मांग को लेकर याचिका दाखिल की थी, जिस पर अभी सुप्रीम कोर्ट मे सुनवाई लंबित है।

मूसर सेना की भेंट चढ़ी अवैध शराब की खेप

महिलाओं ने मादक पदार्थ लाने वालों को डंडों से पीटा

सतना, 9 जून (एजेंसियां)। शराब की अवैध तस्करी और पैकारी के खिलाफ सड़क पर उतरी रामनगर क्षेत्र के बड़ा इटमा गांव की महिलाओं ने अवैध शराब की खेप लेकर गांव में पहुंची गाड़ी को पकड़ लिया। उसके साथ आये लोगों की न केवल लाठियों से पिटाई कर दी बल्कि शराब की शीशियों को सड़क पर पटककर नष्ट कर दिया। जानकारी के मुताबिक रामनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बड़ा इटमा में महिलाओं की टोली ने गुरुवार की दोपहर अवैध शराब की खेप लेकर आए बोलेरो वाहन को रोक लिया। उस वाहन की तलाशी लेने पर महिलाओं के हाथ दर्जन पेटियों में बंद अवैध शराब की शीशियां लग गई। महिलाओं ने हाथ में डंडे उठा लिए और ड्राइवर समेत शराब की खेप लेकर आए लोगों की पिटाई शुरू कर दी। महिलाओं का रौद्र रूप देखकर शराब की तस्करी करने वाले बचकर इधर-उधर भागने लगे,

भाजपा विधायक केबी देवा के आवास पर आईईडी से हमला

इंफाल, 9 जून (एजेंसियां)। हिंसाग्रस्त मणिपुर में भारतीय जनता पार्टी की विधायक केबी देवी के आवास पर बाइक सावर दो बदमाशों ने आईईडी बम से हमला किया। हालांकि, इस हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। लेकिन, इस हमले में विधायक के आवास का गेट बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मणिपुर पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि 8 जून को इंफाल पश्चिम के निंगथेमचा करोंग में नौरिया पखंग लक्पा सीट से भाजपा विधायक केबी देवी के आवास पर अज्ञात बदमाशों ने बम से हमला किया है। दोनों बदमाश बाइक से आए थे और भाजपा विधायक के आवास को निशाना बनाते हुए कम तीव्रता का आईईडी बम फेंका दिया। बम फेंकने के बाद बाइक सवार बदमाश मौका-ए-वारदात से फरार हो गए। मणिपुर पुलिस ने बताया कि इस विस्फोट में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, जिस समय यह विस्फोट हुआ, उस वक्त भाजपा विधायक केबी देवी अपने आवास पर मौजूद थीं। जानकारी के मुताबिक, इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। सामने आई सीसीटीवी फुटेज में बाइक सावर दो बदमाश भाजपा विधायक केबी देवी के आवास के बाहर बम फेंकते हुए साफ नजर आ रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने सीटीटीवी फुटेज अपने कब्जे में ले ली और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। पुलिस की मानें वह जल्ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लेंगे। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से मणिपुर में जारी हिंसा पर नियंत्रण पा लिया गया है। बीते 48 घंटों में कोई भी हिंसा की खबर नहीं है और राज्य में स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है। मणिपुर सरकार के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटे में पोरोमपाट थानाअंतर्गत क्षेत्र से 27 हथियार, 245 गोलियां और 41 बम बरामद हुए हैं। वहीं, विष्णुपुर जिले से एक हथियार और दो बम मिले। सुरक्षा सलाहकार ने बताया, अब तक 896 हथियार, 11,763 गोलियां और विभिन्न प्रकार के 200 बम बरामद किए गए हैं। साथ ही, घाटी के पांच जिलों में कर्फ्यू में 12 घंटे की ढील का एलान किया गया है। वहीं, पास के पहाड़ी जिलों में 8 से 10 घंटे की ढील है।

केजरीवाल ने कभी काम नहीं किया और ना ही उनका काम करने का मन है: शाजिया इल्मी

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी से राजनीति शुरू की, फिर विचारों में भेद होने की स्थिति में शाजिया इल्मी ने भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन कर ली। अब वह राजनीति में पूरी तरह से सक्रिय हैं। राजनीतिक बहस के दौरान पार्टी का पक्ष मजबूती से रखने वाले नेता के रूप में उनकी पहचान बन चुकी है। शाजिया इल्मी बीजेपी की तेजतर्रार नेता के रूप में पूरे देश में जानी जाती हैं। राजनीति को लेकर दिल्ली और देश के मुद्दों पर शाजिया ने भारतीय जनता पार्टी में काम करते हुए कैसा लग

रहा है, आप संतुष्ट हैं? स्टार न्यूज चैनल में मैं एंकर थी। अरविंद भाई को पहले से जानती थी। मैं एक सदस्य के तौर पर, इंडिया अगेंस्ट करप्शन का हिस्सा बन गई। वो दिन और आज का दिन, मेरा रास्ता ही बदल गया। मुझे और मेरे फरिश्ते को भी खबर नहीं थी कि वो मूवमेंट, जिसकी मैं अदना सिपाही थी। वो इतना बड़ा हो जाएगा। मेरा पब्लिक लाइफ में इंटरेस्ट है। चाहे वो पत्रकारिता के जरिए हो, शहाफत के जरिए या एक्टिविज्म के जरिए हो। आंदोलन के जरिए या फिर बाकायदा राजनीति के जरिए। विचार नहीं मिले तो मैंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की और जनता की सेवा कर रही हूं। मैं पूरी तरह से संतुष्ट हूं। आम आदमी पार्टी कहती है कि वह विकास करना चाहती है, लेकिन भाजपा की केंद्र सरकार करने नहीं देती। अध्यादेश लाकर अधिकार छीने जाते हैं? उन्होंने कभी काम नहीं किया और ना ही उनका काम करने का मन है। किसी भी चीज को लें, चाहे प्रदूषण हो, पेयजल हो और चाहे बिजली, निगम। बुरी हालत है। हर तरफ घाटा हुआ है सरकार का। इसका फायदा किसने उठाया। केजरीवाल और उनकी राजनीति ने। हम सब टैक्सपेयर हैं, हम लोग केजरीवाल की राजनीति को मदद कर रहे हैं। हमारे पैसे से वो बिजली कंपनियों को पैसे दिए जा रहे हैं।

बंगाल में दर्दनाक सड़क हादसा बस-डंपर में भीषण टक्कर, 40 घायल; 10 की हालत गंभीर

कोलकाता, 9 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के कामारपुकुर में राष्ट्रीय राजमार्ग 7 पर भीषण बस हादसा हो गया। बाइक सवार को बचाने की कोशिश में डंपर और बस में भीषण टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि इस घटना में 40 से अधिक यात्री घायल हो गए। गोघाट थाने को सूचना दी गई। बाद में गोघट थाने की पुलिस आई और घायलों को कामारपुकुर अस्पताल ले गई। लगभग

10 पैसेजेंर की हालत गंभीर बताई जा रही है। शुक्रवार सुबह सात बजे एक यात्री बस और डंपर की आमने-सामने टक्कर हो गई। साथ ही 2 बाइक सवार डंपर के पहिए में फंस गए। घटना आरामबाग-मेदीनापुर स्टेट हाईवे नंबर 7 पर कामारपुकुर में हुई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार यात्री बस बर्दवान से मेचेड़ा स्टेशन जा रही थी। डंपर कमरपुकुर से आरामबाग की ओर आ रहा था। दोनों रफ्तार बहुत ही तेज थी। इस बीच एक बाइक डंपर के नीचे आ गई। बाइक सवार को बचाने की कोशिश में डंपर और बस आपस में भिड़ गये।

बाइक सवार को बचाने की कोशिश में बस और डंपर में भीषण टक्कर

प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि यात्री बस बर्दवान से पूर्वी मिदनीपुर के मेचेदा जा रही थी। कामारपुकुर में कंकाली स्टोर के पास बस तेज रफ्तार में थी। इसी दौरान सामने से आ रहे डंपर से बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। डंपर ने नियंत्रण खो दिया और सड़क के किनारे एक बाइक और इंजन वैन को टक्कर मार दी। स्थानीय निवासियों ने बताया कि सड़क के दोनों ओर पार्किंग के कारण स्टेट हाईवे संकरा होता जा रहा है। ऊपर से कुछ दिन पहले इस सड़क पर स्पीड लिमिट भी लगा दी गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे की यही वजह है। स्थानीय निवासियों ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात को नियंत्रित करने के लिए सख्त कदम उठाए जाने चाहिए।

दुर्घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश, लगाया आरोप

बता दें कि जनवरी के महीने में हुगली जिले के आरामबाग अनुमंडल में एक भयानक हादसा हो गया था। हादसा गोघाट और कोतुलपुर की सीमा पर हल्दी ब्रिज इलाके में हुआ था। यात्री बस और लॉरी की आमने-सामने टक्कर हो गई थी। हादसे में करीब 40 लोग घायल हो गए थे। एक-एक करके 40 लोगों को पहले बचाया गया और स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर 10 लोगों को कामारपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। आज हुए हादसे से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। उनका आरोप है कि सड़क के दोनों ओर पार्किंग होने से स्टेट हाईवे संकरा होता जा रहा है। इस पर स्पीड ब्रेकर लगा दिया गया है। इस कारण हुगली जिले का यह हादसा हुआ है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 10 जून, 2023 3

मेरा हैदराबाद

सुविचार: पसीने की स्याही से जो लिखते हैं अपने इरादों को, उनके मुकद्दर के पन्ने कभी कोरे नहीं हुआ करते

पित्ती ट्रस्ट–अग्रवाल सेवादल की हर सेवा अनुकरणीय : तलसानी

शिविर में रही मरीजों की भारी भीड़, हजारों लोगों ने उठाया सेवा का लाभ

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट तथा अग्रवाल सेवा दल द्वारा मछली प्रसाद के लिए आये हजारों की संख्या में लोगों की सेवा कर भोजन आदि की सेवा प्रदान की। आज यहां सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नुमाईश मैदान में लगे पित्ती ट्रस्ट–सेवादल के शिविर का तेलंगाना के पशुसंवर्धन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने उद्घाटन किया। साथ ही तेलंगाना के गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली ने दीप प्रज्वलन किया। अवसर पर मंत्री ने पित्ती–सेवा दल द्वारा किये जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की।

अवसर पर पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन शरद बी पित्ती ने गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली व तेलंगाना के सभी मंत्रियों और अधिकारियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि गृह मंत्री के सहयोग से ही इस बार भव्य शिविर लगाने का अवसर मिला। अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष बत्तिनी गौड़ परिवार द्वारा दमा रोग के लिए मछली प्रसादम का वितरण आज से किया गया जिसके लिए बाहरी क्षेत्रों से आये लोगों की सेवा पित्ती ट्रस्ट–सेवा दल ने गत 7 जून से ही भोजन की सेवा आरंभ कर दी। शिविर में भोजन की व्यवस्था का लोगों ने लाभ लिया। इस शिविर में दमा रोगियों की सुविधा हेतु मत्स्य प्रसाद ग्रहण करने वालों द्वारा अगले 45 दिनों तक किए जाने वाले परहेज की भोजन सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई। इस शिविर में मेडिकवर अस्पताल के सहयोग से निःशुल्क आपातकालीन चिकित्सा तथा एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध करवाई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के सीकर से दो रोगी ने एम्बुलेंस में ही मछली प्रसादम दिया गया। शिविर में दमा रोगियों तथा उनके परिजनों में पेयजल पैकेट, छाछ, चाय, बिस्किट, उपमा, पोहा, पुलिहोरा, पूरी सब्जी आदि का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है।अजित गुप्ता ने बताया कि तीन दिवसीय शिविर में लगभग एक लाख लोगों में भोजन वितरण की व्यवस्था की गई है। शिविर में पित्ती ट्रस्ट–अग्रवाल सेवा दल के सदस्यों सहित पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड के कर्मचारी तथा अग्र महिला मंच एवं अग्रणी महिला मंच की सदस्याएं अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर में भी अन्य राज्यों से आये बंधुओं ने मछली प्रसाद ग्रहण किया जिसमें सदस्यों ने अपना सहयोग प्रदान किया।

अवसर पर शिविर में पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन तथा सेवा दल के परामर्शदाता शरद ब पित्ती, सेवा दल के संयोजक रतन गुप्ता, विनय सी अग्रवाल, अजित गुप्ता, कैलाश केडिया, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, निखिल राणासरिया, अरुण डाकोतिया, उर्मिला अग्रवाल, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, अजय तुलस्यान, सुमन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

टीएसपीएससी पेपर लीक मामले के आरोपपत्र में 1.63 करोड़ के लेनदेन का खुलासा

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों की खरीद–बिक्री के लिए 1.63 करोड़ रुपये से अधिक का लेन–देन किया गया था। तेलंगाना पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा शुक्रवार को दायर आरोपपत्र में यह जानकारी सामने आई है। सनसनीखेज पेपर लीक मामला सामने आने के करीब तीन महीने बाद एसआईटी ने नामपल्ली क्रिमिनल कोर्ट में प्रारंभिक आरोपपत्र दायर किया।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध और एसआईटी) ए.आर. श्रीनिवास ने कहा कि अब तक मामले के संबंध में 49 आरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि वर्तमान में न्यूजीलैंड में रहने वाला एक व्यक्ति अभी भी फरार है। टीएसपीएससी के सहायक सचिव सत्यनारायण ने 11 मार्च 2023 को एक शिकायत दर्ज कराई थी जिसके बाद बेगम बाजार थाने में मामला दर्ज किया गया। इस मामले को बाद में सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस), हैदराबाद में स्थानांतरित कर दिया गया था, जहां इसे फिर से दर्ज किया गया था।

सीसीएस हैदराबाद में सहायक पुलिस आयुक्त (एसआईटी) पी. वेंकटेश्वरलू को जांच अधिकारी बनाया गया है और उनकी सहायता के लिए एक समर्पित टीम नियुक्त की गई थी। जांच के दौरान पता चला कि एक सहायक अनुभाग अधिकारी (एएसओ) और (पीए) टीएसपीएससी के सचिव के पीए आरोपी नंबर एक पुलिडिंडी प्रवीण कुमार और टीएसपीएससी में सिस्टम/नेटवर्क इंजीनियर के रूप में काम करने वाला आउटसोर्सिंग कर्मचारी आरोपी नंबर दो अटला राजा शेखर ने साजिश रची और गोपनीय अनुभाग के कंप्यूटर तक अनधिकृत पहुंच प्राप्त की, जहां विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों को संग्रहीत और संकलित किया गया था।

अधिकारी ने कहा कि उन्होंने ग्रुप–1 में मंडल लेखा अधिकारी (डीएओ), सहायक कार्यकारी अभियंता (एईई) और सहायक अभियंता (एई) परीक्षा के प्रश्न पत्रों को अपने पेन ड्राइव पर डाउनलोड/कॉपी किया। इसके बाद, उन्होंने इन प्रश्नपत्रों को बिचौलियों के माध्यम से कई उम्मीदवारों के साथ साझा किया ताकि अवैध लाभ कमाया जा सके। गिरफ्तार किए गए लोगों में 16 बिचौलियों की पहचान की गई है।

वे हैं, रेणुका राठौड़, लवद्यवथ धक्या, केतवथ राजेश्वर, केतवथ श्रीनिवास, केतवथ राजेंद्र नाइक, डी. थिरुपथैया, वाई. साई लौकिक, कोस्गी मैबैया, कोसगी भगवंत कुमार, कोंथम मुरलीधर रेड्डी, अकुला मनोज कुमार, कोंथम शशिधर रेड्डी, रामावथ दत्तू, पूला रवि किशोर, गुगुलोथ श्रीनू नाइक और पाओला रमेश।

एसआईटी अधिकारी ने कहा कि इन आरोपियों ने सात उम्मीदवारों (आदि साईंबाबू, पोन्नारी वरुण कुमार, गुनेरेड्डी क्रांति कुमार रेड्डी, अजमीरा पृथ्वी राज, भूक्य महेश, मुदवथ प्रशांत और वदिथ्य नरेश) को एईई प्रश्नपत्र प्रदान किया।

मध्यस्थों ने 13 उम्मीदवारों– कोसगी वेंकट जनार्दन, कोसगी रवि कुमार, रामावथ महेश, मुदवथ शिव कुमार, जाधव राजेश्वर, धनवथ भरत नाइक, पशिकाति रोहित कुमार, गाडे साईं मधु और लोकिनी सतीश कुमार को एई प्रय्नपत्र प्रदान किया।

तेलंगाना स्वास्थ्य विभाग का खुलासा

9 नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों में केंद्र से कोई योगदान नहीं

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) से नौ सरकारी मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी देने में केंद्र की भाजपा नीत सरकार का कोई योगदान नहीं है।

स्वास्थ्य मंत्री, टी हरीश राव के कार्यालय ने कहा कि तेलंगाना सरकार के वित्तीय आवंटन के साथ सभी 9 मेडिकल कॉलेजों को धीरे–धीरे से विकसित किया गया है। नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों के लिए एनएमसी की मंजूरी तेलंगाना राज्य के स्वास्थ्य विभाग की कड़ी मेहनत से मिली है। 9 नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों के निर्माण के लिए कोई वित्तीय योगदान नहीं है या केंद्र में बीजेपी की अगुवाई वाली सरकार से एनएमसी अनुमोदन प्राप्त करने में कोई भूमिका नहीं है, जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कुछ व्यक्तियों द्वारा गलत तरीके से दावा किया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय ने बताया कि एनएमसी एक स्वायत्त निकाय है और 9 सरकारी मेडिकल कॉलेजों को स्थापित करने की मंजूरी नियामक संस्था द्वारा नियुक्त विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा स्वतंत्र रूप से किए गए गहन निरीक्षणों की एक श्रृंखला के बाद ही मिली है।

तेलंगाना स्वास्थ्य विभाग ने कड़ी मेहनत के माध्यम से एनएमसी द्वारा 9 नए मेडिकल कॉलेज शुरू करने के लिए बनाए गए सभी नियमों और विनियमों को पूरा किया है। सभी मानक आवश्यकताओं और एनएमसी विनियमों को पूरा करने के परिणामस्वरूप,तेलंगानाने अपने आप ही अनुमोदन प्राप्त कर लिया है। इस वर्ष, 9 सरकारी मेडिकल कॉलेजों के अलावा, 4 निजी मेडिकल कॉलेजों को भी एनएमसी से हरी झंडी मिली है, जिससे इस आगामी शैक्षणिक वर्ष से तेलंगाना में कुल 13 नए मेडिकल कॉलेज हो गए हैं।

संघ लोक सेवा आयोग

परीक्षा /भर्ती परीक्षण कार्यक्रम - 2024

सं. 22/2/2023 - प.I (ख) - वर्ष 2024 हेतु आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं तथा भर्ती परीक्षणों का कार्यक्रम (कैलेंडर), उम्मीदवारों की जानकारी के लिए प्रस्तुत है। इस वार्षिक कैलेंडर को आयोग की वेबसाइट ((www.upsc.gov.in) पर भी प्रदर्शित किया गया है। इच्छुक व्यक्तियों तथा उम्मीदवारों से अनुरोध है कि इस विज्ञापन की प्रति को सुरक्षित रखें ताकि 2024 के दौरान आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं हेतु आवेदन करने की प्रक्रिया में वे इसका तत्काल संदर्भ ले सकें।

क्रम सं	परीक्षा का नाम	अधिसूचना की तिथि	आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि	परीक्षा शुरू होने की तिथि	परीक्षा की अवधि
1.	संघ लोक सेवा आयोग के भर्ती परीक्षण/ परीक्षा के लिए आरक्षित			13.01.2024 (शनिवार)	2 दिन
2.	इंजीनियरी सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा, 2024	06.09.2023	26.09.2023	18.02.2024 (रविवार)	1 दिन
3.	सम्मिलित भू-वैज्ञानिक (प्रारम्भिक) परीक्षा, 2024	20.09.2023	10.10.2023	18.02.2024 (रविवार)	1 दिन
4.	संघ लोक सेवा आयोग के भर्ती परीक्षण/ परीक्षा के लिए आरक्षित			24.02.2024 (शनिवार)	2 दिन
5.	केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल सहायक कामांडेंट (कार्यकारी) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 2024	29.11.2023	19.12.2023	10.03.2024 (SUNDAY)	1 दिन
6.	संघ लोक सेवा आयोग के भर्ती परीक्षण/ परीक्षा के लिए आरक्षित			09.03.2024 (शनिवार)	2 दिन
7.	राष्ट्रीय रक्षा अकादमी तथा नौसेना अकादमी परीक्षा (I), 2024	20.12.2023	09.01.2024	21.04.2024 (रविवार)	1 दिन
8.	सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (I), 2024				
9.	सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा, 2024	14.02.2024	05.03.2024	26.05.2024 (रविवार)	1 दिन
10.	सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा, 2024 के माध्यम से भारतीय वन सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा, 2024				
11.	भारतीय आर्थिक सेवा / भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 2024	10.04.2024	30.04.2024	21.06.2024 (शुक्रवार)	3 दिन
12.	सम्मिलित भू-वैज्ञानिक (प्रधान) परीक्षा, 2024			22.06.2024 (शनिवार)	2 दिन
13.	इंजीनियरी सेवा (प्रधान) परीक्षा, 2024			23.06.2024 (रविवार)	1 दिन
14.	संघ लोक सेवा आयोग के भर्ती परीक्षण/ परीक्षा के लिए आरक्षित			06.07.2024 (शनिवार)	2 दिन
15.	सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा, 2024	10.04.2024	30.04.2024	14.07.2024 (रविवार)	1 दिन
16.	केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सहायक कमांडेंट) परीक्षा, 2024	24.04.2024	14.05.2024	04.08.2024 (रविवार)	1 दिन
17.	संघ लोक सेवा आयोग के भर्ती परीक्षण/ परीक्षा के लिए आरक्षित			10.08.2024 (शनिवार)	2 दिन
18.	राष्ट्रीय रक्षा अकादमी तथा नौसेना अकादमी परीक्षा (II), 2024	15.05.2024	04.06.2024	01.09.2024 (रविवार)	1 दिन
19.	सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (II), 2024				
20.	सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा, 2024			20.09.2024 (शुक्रवार)	5 दिन
21.	संघ लोक सेवा आयोग के भर्ती परीक्षण/ परीक्षा के लिए आरक्षित			19.10.2024 (शनिवार)	2 दिन
22	भारतीय वन सेवा (प्रधान) परीक्षा, 2024			24.11.2024 (रविवार)	7 दिन
23.	अनुभाग अधिकारी / आशुलिपिक (ग्रेड "ख"/ ग्रेड-I) सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा,	11.09.2024	01.10.2024	07.12.2024 (शनिवार)	2 दिन
24.	संघ लोक सेवा आयोग के भर्ती परीक्षण/ परीक्षा के लिए आरक्षित			21.12.2024 (शनिवार)	2 दिन

नोट : अधिसूचना की तिथियां, परीक्षा/आरटी की शुरुआत और अवधि में परिवर्तन किया जा सकता है, यदि परिस्थितियां ऐसी हों।

CBC 55101/14/0001/2324

सीएम केसीआर ने आईडीओसी का उद्घाटन किया, कई परियोजनाओं का शिलान्यास किया

मंचेरियल, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को यहां एकीकृत जिला अधिकारी परिसर (आईडीओसी) का उद्घाटन किया। भवन के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित समाहरणालय परिसर में विशेष पूजा अर्चना की और पुलिस की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त किया। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के साथ मंत्री प्रशांत रेड्डी, इंद्रकरण रेड्डी और गंगुला कमलाकर, मुख्य सचिव शांति कुमारी, सांसद वेंकटेश नेथा, विधायक बालका सुमन, दिवाकर राव, दुर्गम चिन्नैय्या, जोगू रमन्ना और रेखा नायक भी थे।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने चेन्नूर और प्रधान पल्ली लिफ्ट सिंचाई योजनाओं (सीएलआईएस) का शिलान्यास किया, जिसका निर्माण 1,748 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से किया गया है और मंचेरियल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज का निर्माण 510 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से किया गया है। गोदावरी नदी के पार मंचेरियल और अंतरगाम के बीच एक पुल का निर्माण किया जाना है, जिसकी अनुमानित लागत 164 करोड़ रुपये और 500 करोड़ रुपये की लागत से मंदमरी में एक ऑयल पाम का कारखाना स्थापित करना है। बाद में, मुख्यमंत्री ने विभिन्न पिछड़े समुदायों के कारीगरों और शिल्पकारों के लिए 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता और भेड़ वितरण योजना के दूसरे संस्करण की योजना शुरू की।

CLASSIFIEDS

Flat for rent

Flat for rent in domal–guda st no 06 On second floor 2400sft fully fur–nished 3bhk

Contact 9849065081

Commercial for sale

Commercial Land for sale Opp Serilingampally municipal office 1021 sqy south 200ft Road East 100ft Road west 30ft Road. Ph:9849539003

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

केरल में मॉनसून ने दिया दस्तक, बिहार में भीषण गर्मी जारी, प्रदेश में बारिश को लेकर आया बड़ा अपडेट

पटना, 9 जून (एजेंसियां)। बिहार में पिछले 15 दिनों से लगातार भीषण गर्मी का कहर जारी है। राज्य के कई जिलों में उष्ण लहर और लू की स्थिति बनी हुई है। इस बीच लोगों के लिए राहत की खबर है कि केरल से मॉनसून की शुरुआत हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार केरल में भी एक सप्ताह लेट मॉनसून आया है। बिहार में मॉनसून की मानक तिथि 13 जून थी तो इस हिसाब से 18 से 20 जून तक बिहार में मॉनसून की एंट्री हो सकती है। मौसम विभाग के विशेषज्ञों ने बताया है कि आठ जून को केरल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में मॉनसून ने दस्तक दिया है। मॉनसून का करंट मन्नार की खाड़ी एवं दक्षिण, पश्चिम, मध्य और उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में आगे बढ़ा है। यही कारण है कि बिहार में मॉनसून मानक तिथि 13 जून के बजाय अब एक सप्ताह बाद पहुंचेगा। हालांकि मौसम विभाग ने 11 जून से प्री मॉनसून के तहत उत्तर बिहार के कुछ जिलों में बहुत हल्की वर्षा का अनुमान जताया है।

'दूल्हा-दुल्हन नहीं बनाएंगे संबंध' विदाई से पहले ससुर ने तीन रखी शर्तें

झांसी, 9 जून (एजेंसियां)। झांसी में एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है। जहां दुल्हन की विदाई से ऐन पहले दुल्हन के पिता ने कुछ ऐसी शर्ते रख दी कि दूल्हे को वापस लौटना पड़ा। विदाई के समय दुल्हन के पिता ने तीन शर्ते रख दी जिसे सुनकर सबके होश उड़ गए और दूल्हे ने बारात वापस ले जाने का फैसला लिया। 3 शब्दों में से एक शब्द तो यह भी थी कि दूल्हा और दुल्हन कभी भी शारीरिक संबंध नहीं बनाएंगे। यह पूरा मामला झांसी जिले के बरुआसागर क्षेत्र में आने वाले सिनौरा गांव का है। यहां के रहने वाले मानवेंद्र की शादी गुरसराय में रहने वाली एक लड़की से तय हुई थी। शादी को लेकर मानवेंद्र और उनके घर वाले बेहद खुश थे। हर तरफ तैयारियां चल रही थी। दोनों पक्ष बरुआसागर में बने एक मैरिज हॉल में पहुंचे। शादी की सभी रस्में निभाई गई। जब विदाई का समय आया तो दुल्हन के मुंह बोले पिता ने तीन शर्ते रख दी। इसमें पहली शर्त यह थी कि दूल्हा और दुल्हन कभी भी शारीरिक संबंध नहीं बनाएंगे। दूसरी शर्त यह थी कि दुल्हन अपनी छोटी बहन को अपने साथ ससुराल लेकर जाएगी। तीसरी चौंकने वाली शर्त यह थी कि दुल्हन का मुंह बोला पिता कभी भी उसके ससुराल जा पाएगा और कोई उससे सवाल नहीं पूछेगा। इन तीनों शर्तों को सुनकर दूल्हा मानवेंद्र सकते में आ गया और इन शर्तों को मानने से इनकार कर दिया। इसके बाद दुल्हन ने ससुराल जाने से मना कर दिया और अपने पिता और बहन के साथ वापस लौट गई। अब यह शादी पूरे शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है।

2024 में क्या रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ेंगी सोनिया गांधी

राज्यसभा भेजी जा सकती हैं प्रियंका

बरेली, 9 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी की महासचिव और नेता प्रियंका गांधी की सियासी पारी राज्यसभा के रास्ते जल्द ही शुरू हो सकती है। खबर है कि सोनिया गांधी की मौजूदगी में हुए फैसले में उनको राज्यसभा भेजे जाने की तैयारी पूरी हो चुकी है। वहीं सोनिया गांधी 2024 में गांधी परिवार की पारंपरिक रायबरेली की लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेगी या नहीं इस पर अभी फैसला नहीं हो पाया है। सूत्रों के मुताबिक सोनिया गांधी के साथ हुई पार्टी के बड़े नेताओं की बैठक में यह फैसला लिया गया है कि प्रियंका गांधी 2024 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी बल्कि उनको हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा भेजा जाएगा। पार्टी नेताओं ने कहा कि प्रियंका गांधी किसी एक सीट पर चुनाव लड़ने की बजाए पूरे देश में पार्टी और यूपीए गठबंधन के लिए प्रचार करें। पार्टी नेताओं ने कहा कि प्रियंका को प्रचार के लिए सिर्फ यूपी तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए

बल्कि देश के अन्य भागों में भी जाना चाहिए।

लोकसभा चुनाव में स्टार प्रचारक होंगी प्रियंका गांधी?

वहीं अलग-अलग राज्यों के कई राज्यसभा सांसदों ने इस्तीफा देकर अन्य राज्यों से ताल्लुक रखने वाले नेताओं को भी इसी तरह की पेश-कश की है। इनमें से एक राज्यसभा सांसद ने नाम न छापने की शर्त पर इस बात की पुष्टी की है। पार्टी के ज्यादातर नेताओं का मानना है कि प्रियंका गांधी बड़ी स्टार प्रचारक हो सकती हैं ऐसे में उनको लोकसभा चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। हालांकि कुछ नेताओं की राय थी कि प्रियंका के लोकसभा चुनाव लड़ने से वह एक बड़े चेहरे के तौर पर उभर कर सामने आएंगी। ज्यादातर नेताओं का यह भी मानना है कि कांग्रेस पार्टी को लोकसभा चुनाव में किसी को भी पीएम फेस के तौर पर नहीं पेश करना चाहिए इससे सहयोगी दल ज्यादा भरोसे के साथ यूपीए गठबंधन में शामिल हो सकते हैं।

अमेठी से गांधी परिवार का कौन सदस्य लड़ेगा चुनाव?

कांग्रेस के विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यह तय किया गया है कि नेहरू गांधी परिवार का कोई भी सदस्य इस बार अमेठी सीट से लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ेगा। अमेठी सीट को लेकर परिवार और कांग्रेस पार्टी कि अब कोई खास दिलचस्पी भी नहीं रह गई है। महागठबंधन होने पर कांग्रेस अमेठी की सीट को लेकर प्रभावशाली तरीके से दावेदारी भी नहीं करेगी। ज्यादा संभावना इसी बात की है कि महागठबंधन होने पर कांग्रेस यह सीट सहयोगी दलों के लिए छोड़ सकती है। वहीं सोनिया गांधी के चुनाव लड़ने पर भी अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है, अगर सोनिया इस बार चुनाव नहीं लड़ती हैं तो भी कांग्रेस का ही कोई उम्मीदवार रायबरेली से चुनाव लड़ेगा।

लखनऊ में लावारिस वार्ड की दयनीय स्थिति पर हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान

लखनऊ, 9 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव को डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल और उसके लावारिस वार्ड का दौरा कर मरीजों के ठीक से इलाज नहीं करने के आरोपों की पुष्टि करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति ज्योत्सना शर्मा की अवकाश पीठ ने गुरुवार को एक ज्योति राजपूत द्वारा दायर जनहित याचिका पर आदेश पारित किया। पीठ ने सीएमओ, लखनऊ और सिविल अस्पताल के अधीक्षक को याचिकाकर्ता के आरोपों पर गौर करने, उसके द्वारा भर्ती एक लावारिस मरीज का इलाज सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता के आरोपों को सुनकर कि अस्पताल के अधिकारी और डॉक्टर लावारिस वार्ड में भर्ती छह मरीजों के प्रति पूरी तरह से बेपरवाह थे, जो गंदा और बदबूदार है, पीठ ने कहा, यह बहुत आश्चर्य की बात है कि इतने प्रतिष्ठित अस्पताल में लावारिस वार्ड की स्थिति इतनी दयनीय है, जैसा कि याचिकाकर्ता द्वारा सूचित किया गया है। याचिकाकर्ता ने कहा था कि 29 मई को उसने एक वृद्ध व्यक्ति सूरज चंद्र भट्ट को देखा, जो लकवाग्रस्त अवस्था में कमर से नीचे नग्न अवस्था में था और बार-बार मल त्याग कर रहा था। याचिकाकर्ता ने मेडिकल इमरजेंसी नंबर 108 पर कॉल किया और परित्यक्त व्यक्ति को सिविल अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में ले गया। जब वह अगले दिन अस्पताल गई, तो उसने पाया कि वह उसी स्थिति में था। उसका बिस्तर गंदा था और किसी डॉक्टर ने उसकी जांच तक नहीं की थी। बाद में मरीज को लावारिस वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया, जहां हालात बेहद दयनीय हैं।

लालू ने आडवाणी का रथ रोका था, अब मोदी के साथ नीतीश भी वही करेंगे: तेजस्वी

पटना, 9 जून (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य का सत्तारूढ़ 'महागठबंधन' ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रथ को वैसे ही रोकेगा जैसे उनके पिता लालू प्रसाद ने लाल कृष्ण आडवाणी की रथयात्रा को रोक दिया'' था। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के युवा नेता ने कहा कि विपक्षी दल केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराने के लिए साथ आ रहे हैं। उन्होंने भाजपा पर अतीत में किए गए ''वादों को पूरा करने में विफल'' रहने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब भी भाजपा की ''कमियों को इंगित किया गया तो उसने 'हिंदू बनाम मुस्लिम' को बढ़ावा दिया।' यादव ने राज्य के हथकरघा बुनकर सहकारी संघ द्वारा आयोजित एक समारोह में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''देश सभी समुदायों का है और किसी भी सामाजिक समूह को उसके अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता।'' उन्होंने कहा, ''चाहे हिंदू हों, मुसलमान हों या कोई अन्य धार्मिक समुदाय, सभी ने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी थी।'' उन्होंने कहा, ''हम कुछ लोगों से ऐसी अपमानजनक टिप्पणी सुनते हैं, जिनमें सुझाव दिया जाता है कि मुसलमानों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित किया जाना चाहिए।'' यादव ने कहा, ''लेकिन निश्चिंत रहें, जब तक लालू प्रसाद और नीतीश कुमार जैसे नेता हैं, कोई भी

ऐसा कुछ करने की हिम्मत नहीं कर सकता।' उन्होंने कहा, ''लालू ने लालकृष्ण आडवाणी के रथ को रोक दिया था। अब नीतीश कुमार के नेतृत्व वाला 'महागठबंधन' (मोदी का) रथ रोकेगा।'' उपमुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि भाजपा 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने से डरी हुई है, क्योंकि उसे वहां एकजुट विपक्ष का सामना करना पड़ सकता है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता यादव कुछ भाजपा नेताओं के बयान के बारे में पूछे गये सवाल का जवाब दे रहे थे। कुछ भाजपा नेताओं ने 23 जून को पटना में आयोजित विपक्षी दलों के सम्मेलन को कमतर पेश करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, ''भाजपा यह तय नहीं करेगी कि विपक्षी सम्मेलन का क्या असर होगा। दरअसल वह लोकसभा चुनाव का सामना करने से डरी हुई है। वह हाल में हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में विधानसभा चुनाव हार गयी है। उसे राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा जैसे राज्यों में एक के बाद एक हार दिखाई दे रही है।'' उल्लेखनीय है कि बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जद यू) के प्रमुख नीतीश कुमार लोकसभा चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का मुकाबला करने के लिए 'एकजुट विपक्ष' की तरफदारी करते आ रहे हैं। उन्होंने पिछले साल भाजपा से नाता तोड़ लिया था। यादव और जद यू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह 'लल्लन' ने बुधवार को घोषणा की थी कि विपक्षी दलों का सम्मेलन 23 जून को होगा, जिसमें राहुल गांधी, ममता बनर्जी और सीताराम येचुरी जैसे विभिन्न नेता भाग लेने को राजी हो गये हैं। यादव ने कहा कि 23 जून की बैठक में 'करीब 15 राजनीतिक दलों' का प्रतिनिधित्व होगा। हालांकि जब उनसे भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के संस्थापक और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''हमने उनसे अब तक बात नहीं की है।'' उल्लेखनीय है कि पिछले साल राजग से नीतीश के बाहर आने के कुछ ही समय बाद राव पटना आये थे और उन्होंने राष्ट्रीय एकता की कुमार की पैरोकारी पर मुहर लगायी थी। हालांकि इस बात की आशंका है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री किसी ऐसे गठबंधन का हिस्सा होंगे, जिसमें कांग्रेस होगी। तेलंगाना में कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है। हालांकि, हाल में बीआरएस ने इस बात का पर्याप्त संकेत दिया कि 'एकजुट विपक्ष' का हिस्सा बनने के बजाय वह 'तेलंगाना मॉडल' पर चलेगी।

नवंबर से राम मंदिर के लिए विदेशी चंदे की संभावना

अयोध्या, 9 जून (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर परिसर के निर्माण की निगरानी कर रहे मंदिर ट्रस्ट को नवंबर से एनआरआई अकाउंट्स के माध्यम से विदेशी धन हासिल करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) से मंजूरी मिलने की उम्मीद है। एनआरआई जो मंदिर में अपना योगदान देना चाहते हैं, उन्हें इसके औपचारिक उद्घाटन से पहले ऐसा करने का अवसर मिलेगा। ट्रस्ट देश के विभिन्न हिस्सों में बसे तीर्थयात्रियों और लोगों के योगदान के माध्यम से एक महीने में 1 करोड़ रुपये से अधिक की राशि एकत्र कर रहा है। हालांकि, ट्रस्ट देश के बाहर से दान स्वीकार करने में असमर्थ है, क्योंकि इसे अभी तक विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) पंजीकरण प्राप्त नहीं हुआ है। अयोध्या में ट्रस्ट के कैंप कार्यालय के प्रभारी प्रकाश कुमार गुप्ता ने कहा, सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और आवश्यक दस्तावेज तैयार कर लिए गए हैं। हमें उम्मीद है कि नवंबर में गृह मंत्रालय से मंजूरी मिल जाएगी और हम अन्य देशों से दान स्वीकार करना शुरू कर देंगे। गुप्ता ने कहा कि विदेशों में बसे भारतीय रोजाना इसके बारे में पूछते हैं कि वो कब चंदा दे सकेंगे। उन्होंने कहा, लेकिन हम उन्हें कुछ समय इंतजार करने के लिए कहते हैं। मंजूरी मिलने के बाद हम वेबसाइट पर विवरण अपडेट करेंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने मई में एफसीआरए पंजीकरण के लिए आवेदन किया था। सूत्रों ने कहा कि आम तौर पर पंजीकरण आवेदनों को संसाधित करने में छह महीने लगते हैं और इसलिए ट्रस्ट 30 नवंबर तक मंजूरी मिलने की उम्मीद कर रहा है। ट्रस्ट का एनआरआई या एफसीआरए अकाउंट दिल्ली के संसद मार्ग में एसबीआई की मुख्य शाखा में खोला जाएगा। उत्तर प्रदेश में 694 एफसीआरए पंजीकृत संगठन हैं जिनमें से आठ वर्तमान में अयोध्या-फैजाबाद में सक्रिय हैं और विदेशी फंड प्राप्त करते हैं। मंदिर का अधिकांश निर्माण कार्य 30 नवंबर तक पूरा हो जाएगा, जनवरी 2024 के लिए निर्धारित लॉन्च से पहले आने वाले योगदान का उपयोग तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं में सुधार करने के लिए किया जाएगा।

पूर्व कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान का समाजवादी पार्टी से हो गया मोहभंग? लग रहीं अटकलें

लखनऊ, 9 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले सभी पार्टियों ने अपने कील कांटे दुरुस्त करने शुरू कर दिए हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी में शामिल होने वाले भाजपा के पूर्व विधायक और यूपी के पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान का सपा से मोहभंग हो गया है। बीजेपी के सूत्रों की माने तो वह जल्द ही बीजेपी खेमे में उनकी वापसी हो सकती है।

विधानसभा चुनाव में सपा में शामिल हुए थे दारा सिंह चौहान

दरअसल 63 वर्षीय दारा सिंह चौहान मऊ जिले के घोसी से सपा विधायक हैं। वह योगी 1.0 सरकार में मंत्री थे, लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले बगावत कर दी और दो अन्य मंत्रियों, स्वामी प्रसाद मौर्य और धर्म सिंह सैनी के साथ सपा में शामिल हो गए थे।

बीजेपी में वापसी की कवायद में जुटे हैं दारा

सूत्रों की माने तो दारा सिंह चौहान 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी में संभावित वापसी के लिए भाजपा नेताओं के साथ बातचीत कर रहे हैं। कयास यह भी लगाए जा रहे हैं कि बीजेपी उन्हें घोसी संसदीय सीट से मैदान में उतार सकती है। बीजेपी 2019 के चुनाव में सपा समर्थित बसपा उम्मीदवार अतुल कुमार सिंह से हार गई थी। चौहान ने घोसी संसदीय सीट से 2009 में बसपा के टिकट पर जीत दर्ज की थी।

बीजेपी में सही समय पर होगी दारा सिंह चौहान की वापसी

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने पुष्टि करते हुए कहा कि दारा सिंह चौहान की भाजपा में उचित समय पर वापसी की अंतिम रूपरेखा तैयार की जा रही है। ओबीसी के बीच नोनिया उप-जाति से आने वाले दारा को पूर्वी यूपी, खासकर मऊ, आजमगढ़ और गाजीपुर में काफी प्रभाव रखने के लिए जाना जाता है।

कई दलों में रह चुके हैं पूर्व मंत्री दारा

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि चौहान राजनीतिक पैंतरेबाज़ी के लिए जाने जाते हैं। अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत बसपा से की। उन्हें 1996 में राज्यसभा भेजा। इसके बाद वे सपा में शामिल हो गए, जिसने उन्हें 2000 में संसद के उच्च सदन में भेज दिया। चौहान 2007 में बसपा में लौट आए जब पार्टी प्रमुख मायावती यूपी में सत्ता में आई। वह 2009 के लोकसभा चुनावों में घोसी से चुने गए थे। वास्तव में, मायावती ने उन्हें लोकसभा में पार्टी का नेता नियुक्त किया था।

2014 में बीजेपी के हरिनारायण से हार गए थे दारा

चौहान हालांकि 2014 के आम चुनावों में भाजपा के हरि नारायण राजभर से हार गए। बाद में वह 2015 में भाजपा में शामिल हो गए थे। 2017 के विधानसभा चुनावों में मधुबन विधानसभा सीट से जीते और यहां तक कि उन्हें वन और पर्यावरण मंत्री के रूप में योगी कैबिनेट में शामिल किया गया।

पूर्व मंत्री धर्म सिंह भी बीजेपी के सम्पर्क में

इसके अलावा पूर्व मंत्री धर्म सिंह सैनी ने भी भगवा संगठन में अपनी वापसी के लिए भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ परोक्ष बातचीत की थी। विशेषज्ञों ने कहा कि बीजेपी पूर्वी यूपी क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए प्रयास कर रही है, जिस पर सपा और बसपा सहित क्षेत्रीय दलों की नजर है। ओम प्रकाश राजभर की अगुआई वाली एसबीएसपी भी बीजेपी के साथ गठबंधन की तैयारी में जुटी हुई है।

अदरक और टमाटर हुआ महंगा, जानें आज का भाव

लखनऊ, 9 जून (एजेंसियां)। यूपी में सब्जियों के दाम में तेजी बरकरार है। अदरक के भाव की बात करें तो 2 सप्ताह में 30 से 45 फीसदी तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। थोक व्यापारी गोविंद बिहारी के मुताबिक महीने से आवक प्रभावित हो रही है। इसके चलते थोक भाव 30-40 रुपये प्रतिकिलो से 80- 90 रुपए तक पहुंच गए। वहीं फुटकर में अदरक का भाव 150 से 180 रुपये किलो है। आढ़तियों ने बताया कि मंडी में इस साल पिछले साल की तुलना में अदरक की आवक दस फीसदी कम हुई है। कुछ दिनों के बाद से नई अदरक आना शुरू हो जाएगी। उसके बाद भाव स्थिर हो जाएंगे। वहीं टमाटर पिछले दो महीनों से 10-12 रुपये किलो के भाव से मिल रहा था। पिछले एक दो दिन से टमामट भी महंगा हो गया है। मण्डी में टमाटर 15 से 16 रुपये किलो के भाव से बिक रहा है। टमाटर, मिर्च, कद्दू, लौकी समेत कुछ और सब्जियां लोकल किसान ला रहे हैं।

लखनऊ में सब्जियों के दाम

हरी मिर्च-	40	रुपये	किलो
अदरक-	90	रुपये	किलो
फूल गोभी-	8	रुपये/प्रति	पीस
टमाटर-	16	रुपये	किलो
कटहल-	5	रुपये	किलो
पालक-	10	रुपये	किलो
गाजर-	8	रुपये	किलो
आलू-	12	रुपये	किलो
घुइयां-	15	रुपये	किलो
लहसुन-	80	रुपये	किलो
प्याज-	15	रुपये	किलो
नींबू-	80	रुपये	किलो
भिंडी-	20	रुपये	किलो
तोराई-	15	रुपये	किलो
कद्दू-	5	रुपये	किलो
लौकी-	6	रुपये	किलो
सेम-	20	रुपये	किलो
परवल-	50	रुपये	किलो
करेला-	40	रुपये	किलो
धनिया-	60	रुपये	किलो
शिमला-	12	रुपये	किलो
खीरा-	6	रुपये	किलो
अरबी-	55	रु	किलो

बींस- 25 रुपये किलोमण्डी में आलू की कीमतों में भी 2 रुपये किलो के भाव का इजाफा हुआ है। इस समय आलू 12 रुपये किलो बिक रहा है। वहीं नींबू और लहसुन 80 रुपये किलो बिक रहें है। तरोई, भिंडी के दाम आसमान से जमीन पर आ गए हैं। 40 रुपये किलो बिकने वाली तरोई अब 15 रुपये किलो में बिक रही है। वहीं 50 रुपये किलो बिकने वाली भिंडी 20 रुपये किलो में बिक रही है। करेला, परवल की आवक कम है और डिमांड अधिक होने के कारण इनके दाम बढ़ गये हैं।

ट्यूशन टीचर की काली करतूत, नोट्स देने के बहाने छात्रा से की दरिंदगी

अश्लील वीडियो बना बार-बार कमरे पर बुलाता

पटना, 9 जून (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी से गुरु-शिष्य के रिश्तों को शर्मसार करनेवाला मामला सामने आया है। ट्यूशन पढ़ाने के नाम पर एक शिक्षक ने नाबालिग छात्रा को हवस का शिकार बनाया। इतना ही वो अश्लील वीडियो बनाकर छात्रा को ब्लैकमेल करने लगा। आरोप है कि वीडियो वायरल करने की धमकी देकर शिक्षक ने छात्रा के साथ कई बार गलत काम किया। घटना के बाद से पीड़िता काफी डरी सहमी रहती थी। मां को बेटी को डरा-सहमा देख संदेह हुआ। उसने पूछताछ की तो उसने आपबीती बताई। जिसके बाद मां के होश उड़ गए। पीड़िता को साथ लेकर मां एसके पुरी थाने पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी शिक्षक शशिकांत यादव को गिरफ्तार कर लिया है। वह मूल रूप से रोहतास का रहने वाला है। उसके खिलाफ दुष्कर्म और पॉस्को एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। गुरुवार को उसे जेल भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि छात्रा अपने दोस्तों के साथ शिक्षक से ट्यूशन पढ़ने जाती है। इसी बीच आरोपी ने उसके साथ पहचान बढ़ाई। कुछ दिन पूर्व शिक्षक नोट्स देने के बहाने उसे कुर्जी स्थित किराये के घर में ले गया और छात्रा के साथ गलत काम किया। शिक्षक ने पीड़िता की अश्लील वीडियो और कुछ तस्वीरें खींच लीं। वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए वह छात्रा को कमरे पर बुलाने लगा। आरोपी ने छात्रा को उसके पिता और भाई को जान से मारने की धमकी दी।

मैडम का गुस्सा हाई है! रिश्वत के आरोप में तिलमिलाईं, तोड़ा ईंट-भट्टा मालिक का फोन

बागपत, 9 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बागपत की एक महिला अधिकारी पर गम्भीर आरोप लगाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि जांच के नाम पर लेबर विभाग की टीम ने ईट भट्टा मालिक से रिश्वत मांगी और वहां वीडियो बना रहे व्यक्ति से मोबाइल छीनकर तोड़ दिया। जिसमें सहायक श्रमायुक्त विनीता सिंह लाइव कैमरे में मोबाइल तोड़ते हुए दिखाई दे रही हैं साथ ही वो गाली गलौच करते हुए भी नज़र आई। वही विनीता सिंह का कहना है कि ईट भट्टा मालिक ने उनके साथ अभद्रता की है। मामला बागपत जनपद के रमाला थाना क्षेत्र का है। यहां रहने वाले उपेंद्र उर्फ बिट्टू कुमार का एक ईंट भट्ठा है। बिट्टू कुमार ने डीएम बागपत को एक लिखित शिकायत दी है जिसमें उन्होंने श्रम आयुक्त और उनकी टीम पर गम्भीर आरोप लगाते हुए लिखा है कि उनके ईंट भट्टे पर काम करने वाले कुछ मजदूरों ने पेशगी की रकम

को एडवांस में ले लिया और उसके बाद काम करने से मना कर दिया। इसी बाबत कुछ लोगों ने मजदूरों को ईट भट्टे पर बंधुआ बनाने की शिकायत उच्चाधिकारियों से कर दी। जिसकी जांच हेतु श्रम विभाग की एक टीम उनके भट्टे पर पहुंची। इस दौरान उन्हें ईट भट्टे पर कोई भी मजदूर बंधुआ नहीं मिला, शिकायत गलत पाई गई।बिट्टू कुमार ने शिकायत में कहा है कि आरोप निराधार होने के बाद भी सहायक श्रम आयुक्त अपने कर्मचारियों के जरिए रिश्वत मांगने लगी और जांच के नाम पर उससे एक लाख रुपये की मांग की गई। जिसमे 15 हज़ार रुपये उसने कर्मचारियों को तभी मौके पर दे दिए, बाकी 85 हज़ार रुपये दो दिन इंतज़ाम कर बाद में देने की बात कही गयी। जिसका सीसीटीवी फुटेज भी पीड़ित भट्टा मालिक ने मीडियाकर्मियों को दिया है। वही आरोप ये भी है कि बाकी रकम न देने पर सहायक श्रमायुक्त ने भट्टा मालिक के खिलाफ एक मुकदमा दर्ज करा दिया है। इस मामले में उन्होंने डीएम बागपत से अधिकारी के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की मांग की है। वही इस मामले में ईंट भट्टा मालिक ने ये भी बताया कि उनका 35 मजदूरों पर करीब पांच लाख 39 हज़ार 916 रुपये बकाया है जो उन्होंने उनसे पेशगी के तौर पर एडवांस ले रखा है। उक्त मामले में हुई शिकायत की जांच के नाम जब अधिकारी उनके ईट भट्टे पर गए तो वहां सहायक श्रमायुक्त विनीता सिंह ने उनके साथ अभद्रता की।

यूपी की लुटेरी पुलिस: बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे पर व्यापारी से कोतवाल, एसआई और सिपाही ने लूटी थी 50 किलो चांदी

औरैया, 9 जून (एजेंसियां)। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर बुधवार को सराफा कारोबारी के साथ हुई लूट के मामले में पुलिस के हाथ कुछ सुराग लगे। कानपुर-इटावा हाईवे पर लगे सीसीटीवी फुटेज को आधार बनाकर तफ्तीश की गई। साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम के हाथ सफलता लगी। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर पुलिस कर्मी बनकर चार लोगों ने बांदा के कारोबारी की कार रोककर चांदी से भरे दो थैले लूट लिए थे। कार चालक को अपने साथ ले जाकर 15 किमी दूर छोड़ा था। कारोबारी की तहरीर पर मामला दर्ज करने के बाद पुलिस ने एसओजी की तीन टीमें गठित कर मामले की तफ्तीश शुरू की। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपितों तक पहुंचने में लग गई। बताते चलें कि बांदा जिले के छोटी बाजार खिन्नी नाका निवासी मनीष सोनी उर्फ सागर बुधवार की रात कार से मामा के लड़के रवि सोनी, भाभी सोनाली सोनी व उनकी बेटी आशी के साथ बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से औरैया जा रहे थे। चालक जगनंदन पाल कार चला रहा था। भोर के समय बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किमी 244 व 245 के बीच दारोगा व सिपाही की वर्दी पहने दो युवकों ने रोक लिया।

गंगा जमुना स्कूल पर ओवैसी बोले

इनको मुसलमान और हिजाब से नफरत, गृहमंत्री ने किया पलटवार

भोपाल, 9 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दमोह स्कूल मामले में असदुद्दीन ओवैसी की एंट्री हो गई है। ओवैसी ने गंगा जमुना स्कूल पर कार्रवाई पर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इनको मुसलमान और हिजाब दोनों से नफरत है। वहीं, ओवैसी के बयान पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पलटवार करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में धर्मांतरण के प्रत्येक कुचक्र को कुचल दिया जाएगा। दमोह के गंगा जमुना स्कूल पर कार्रवाई के मामले में असदुद्दीन ओवैसी का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि स्कूल के पोस्टर में बच्चियों ने स्कार्फ पहना था, जिसे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तुरंत हिजाब समझ लिया। साथ ही कहा कि हम स्कूल में जबरन हिजाब नहीं पहनने देंगे। ओवैसी ने कहा कि कलेक्टर ने अपनी रिपोर्ट दी कि यह सब गलत है। ऐसा कुछ नहीं है। उनको कह दिया कि तुमने गलत रिपोर्ट दी है। ओवैसी ने कहा कि इनको मुसलमान और बच्चियों के हिसाब पहनने दोनों से नफरत है।

आप कबाब में हड्डी क्यों बनते हो

ओवैसी ने लव जिहाद पर कहा कि मध्य प्रदेश में सांसद साध्वी प्रज्ञा के कहने पर एक लड़की को द केरल स्टोरी फिल्म दिखाई गई। उस फिल्म को देखने के बाद लड़की अगले ही दिन अपने प्रेमी के साथ भाग। ओवैसी ने कहा कि यह इश्क का मामला है भाई, आप सब कबाब में हड्डी क्यों बनते हो।

विदेश जाने की भी पड़ताल की जाएगी

ओवैसी के बयान पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि मध्य प्रदेश में धर्मांतरण के प्रत्येक कुचक्र को कुचल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ओवैसी ने दमोह के स्कूल के मामले में कितनी लंबी तकरीर की है। साक्षी या श्रद्धा के संबंध में एक शब्द नहीं बोला। यहीं जेहादी मानसिकता है। दमोह स्कूल के मामले में एसपी को सारे बिंदुओं की जांच के निर्देश दिए है। उनके विदेश जाने की भी पड़ताल की जाएगी।

ओबीसी आरक्षण का लाभ ले रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी

बंगाल में बड़े पैमाने पर पिछड़ों का धर्मांतरण - राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग का दावा

कोलकाता, 9 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग (ओबीसी) ने पश्चिम बंगाल में ओबीसी आरक्षण को लेकर समीक्षा कराने का फैसला लिया है। आयोग के अनुसार, देश के विभिन्न राज्यों में ओबीसी आरक्षण को लेकर मची होड़ के बीच पश्चिम बंगाल में बड़े पैमाने पर हिन्दुओं का धर्मान्तरण करवाकर मुसलमान बना दिया गया हैं। यही नहीं, बंगाल सरकार ने बांग्लादेश से आए मुस्लिमों को भी ओबीसी आरक्षण सूची में शामिल कर दिया है। यानी, रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुसलमान भी भारत में पिछड़ों को मिलने वाले आरक्षण का लाभ ले रहे हैं। दरअसल, ओबीसी आयोग की टीम इस साल फरवरी में बंगाल दौरे पर गई थी। इस दौरान जांच में ये हैरान कर देने वाले तथ्य सामने आए हैं। आयोग को यह जानकारी राज्य की संस्था कल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआरआई) से प्राप्त हुई है। इसके अनुसार, प्रदेश में ओबीसी आरक्षण को दो हिस्सों में विभाजित किया गया है। इसमें कुल 179 जातियों को ओबीसी लिस्ट में शामिल किया गया है। इसमें ए वर्ग में अति पिछड़ों को रखा गया है। इसमें 89 में से 73 मुस्लिम और केवल 8 हिंदू जातियां हैं।

वहीं बी श्रेणी में पिछड़ी जातियों को रखा गया है, इसकी सूची में कुल 98 जातियां है, जिसमें 53 हिंदू और 45 मुस्लिम जातियां हैं। यानी बंगाल में कुल 179 पिछड़ी जातियों में से 118 जातियां तो मुस्लिमों की ही है, बाकी ६१ पिछड़ी जातियां हिन्दुओं की है। इससे सवाल उठने लगा है कि, जिस इस्लाम में जातिवाद न होने का दावा किया जाता है, वो भारत में अति पिछड़ी जाति श्रेणी में हिन्दुओं (8) से भी अधिक पिछड़े (मुस्लिम 73) कैसे हो गए हैं ? क्या ये लाभ उन्हें और रोहिंग्या-बांग्लादेशियों को सरकारों द्वारा वोट बैंक की लालच में दिया गया है ? क्योंकि, बीते कई चुनावों में हमने देखा है कि, मुस्लिम समुदाय एकतरफा और एकमुश्त होकर वोट करता है।

ओबीसी आयोग के अनुसार, पश्चिम बंगाल सरकार ने कई वर्गों को केंद्रीय सूची में शामिल करने के लिए भी अनुशंसा भेजी है। इसमें राज्य ने आयोग को प्रस्ताव भेजा है। आयोग के अनुसार, पंजाब ने भी ओबीसी आरक्षण बढ़ाने के लिए आग्रह किया है। पंजाब में इसे 12 से 25 फीसदी कर दिया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश सरकार ने यादवों को भी ओबीसी सूची में शामिल करने की सिफारिश की है। गुरुवार को राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग (ओबीसी) के अध्यक्ष हंसराज अहीर ने जानकारी दी है कि पूरे देश के राज्यों से ऐसी सिफारिशें आ रही हैं।

एफबी पर लड़की से दोस्ती

10 एकड़ जमीन का सौदा यूं हो गई मठ के स्वामी के साथ 35 लाख की ठगी

बेंगलुरु, 9 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु में मौजूद कम्बालू मठ स्वामी को एक लड़की ने 35 लाख रुपये का चूना लगा दिया। स्वामी चन्नवीरा शिवाचार्य की फेसबुक के जरिए लड़की से मुलाकात हुई थी। दोनों पिछले तीन साल से संपर्क में थे। उसने स्वामी चन्नवीरा से कहा था कि वह मठ के लिए 10 एकड़ जमीन दिलवा देगी। लड़की की बातों में आए चन्नवीरा शिवाचार्य ने 35 लाख रुपये उसके अकाउंट में जमा करा दिए। बाद में उन्हें खुद को ठगे जाने का पता चला। मामले में पुलिस केस दर्ज करा दिया गया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है एजेंसी की खबर के अनुसार, बेंगलुरु के ग्रामीण इलाके नेलमंगला तालुक में कम्बालू मठ मौजूद है। मठ के स्वामी का नाम चन्नवीरा शिवाचार्य हैं। सामने आया कि साल 2020 में फेसबुक पर उनकी मुलाकात वर्षा नाम की लड़की से हुई थी। तभी से दोनों संपर्क में थे। वर्षा को स्वामी चन्नवीरा शिवाचार्य ने 500 रुपये दिए थे। इसके बाद वर्षा स्वामी से कहा कि वह मठ के लिए 10 एकड़ जमीन दिलवा देगी। स्वामी उसकी बातों में आ गए। कुछ दिनों पहले वर्षा ने स्वामी चन्नवीरा शिवाचार्य को फोन किया और कहा कि वह जमीन के कागज लेकर उनके पास आ रही थी, इसी दौरान कुछ लोगों ने उसके साथ मारपीट कर दी और वह घायल हो गई है। वर्तमान में एमएस। रमैया अस्पताल में भर्ती है। वर्षा ने स्वामी से पैसे भेजने को कहा, बातों में आकर स्वामी चन्नवीरा शिवाचार्य ने 35 लाख रुपये वर्षा के अकाउंट में जमा करा दिए। जब स्वामी को कुछ शक हुआ तो उन्होंने अपने स्तर पर वर्षा के बारे में पता लगाया। तब उन्हें पता चला कि वर्षा ने उनसे झूठ बोला और 35 लाख रुपये ठग लिए हैं। इसके बाद स्वामी ने डबासपेट पुलिस थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

'पैरा मिलिट्री फोर्स, हर बूथ पर सीसीटीवी', बंगाल में पंचायत चुनाव के ऐलान पर बीजेपी पहुंची कोर्ट

कोलकाता, 9 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव का ऐलान हो गया है. राज्य में 8 जुलाई को एक ही चरण में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराए जाएंगे. इस ऐलान पर राज्य में प्रमुख विपक्षी दल बीजेपी भड़क गई है और इसके खिलाफ कलकत्ता कोर्ट पहुंच गई है.

बीजेपी ने एक चरण में चुनाव कराए जाने पर आपत्ति दर्ज कराई है और राज्य के चुनाव में पैरा मिलिट्री फोर्स की मांग की है. याचिका में बिना ऑल पार्टी मीटिंग चुनाव आयुक्त के चुनाव तारीखों के ऐलान पर सवाल उठाया गया है. वहीं, तारीखों के ऐलान को बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी ने 'लोकतंत्र की हत्या' कहा है. बीजेपी ने राज्य में हिंसा के इतिहास को देखते हुए एक चरण में चुनाव कराए जाने को समझ से परे बताया है. पार्टी हाईकोर्ट में चुनाव के दौरान केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती की मांग की है. पार्टी नेता सुवेंदु अधिकारी ने सुरक्षा की चिंता को लेकर एक ट्वीट भी किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि एक चरण में चुनाव कराए जाने को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है. उन्होंने कहा, अगर चुनाव के दौरान हिंसा भड़कती है और किसी की मौत होती है तो इसके लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य चुनाव आयुक्त राजीव सिन्हा जिम्मेदार होंगे. राज्य के नवनियुक्त निर्वाचन आयुक्त राजीव सिन्हा ने गुरुवार (8 जून) को पंचायत चुनाव की तारीख की घोषणा की. उन्होंने बताया कि 8 जुलाई को होने वाले चुनाव के लिए 9 जून से नामांकन शुरू होगा,

जो 15 जून तक किया जा सकेगा. नाम वापसी 20 जून तक होगी. 70,000 सीट के लिए सिर्फ 7 दिनों में नामांकन होना है. बीजेपी ने प्रक्रिया के लिए दिए गए समय को अपर्याप्त बताया है. बीजेपी ने पूरे प्रदेश में एक साथ नामांकन को लेकर भी सवाल उठाया है. बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को ट्वीट कर लिखा, नामांकन कल शुक्रवार यानी 9 जून से शुरू हो रहा है. 15 जून आखिरी तारीख है. 10 और 11 जून को वीकेंड है यानी कोई भी काम नहीं होगा. पश्चिम बंगाल में पिछली बार के पंचायत चुनाव में जमकर हिंसा हुई थी. बीजेपी इस बार चुनाव में सभी बूथों पर सीसीटीवी की मांग की है.

रूपवास में ग्रामीणों ने गौ तस्करों पर किया पथराव

गोवंश से भरे एमपी नंबर के दो ट्रक पकड़े

भरतपुर, 9 जून (एजेंसियां)। भरतपुर जिले के रूपवास थाना इलाके में कुछ गौ तस्कर आवारा गोवंश को ट्रक में भरकर लेकर जा रहे थे, लेकिन उन्हें ग्रामीणों ने देख लिया। ग्रामीणों ने गौ तस्करों पर पथराव कर दिया। जिस पर गौ तस्कर ट्रकों को छोड़कर फरार हो गए। दोनों ट्रकों में 6-6 गोवंश भरे हुए थे। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना देकर मौके पर बुलाया और पुलिस ने दोनों ट्रकों को जब्त कर लिया। घटना भरतपुर जिले के रूपवास थाना इलाके के ओडेल जाट गांव की है। रात करीब 10 बजे कुछ गौ तस्कर दो ट्रकों में आवारा गोवंश को भर रहे थे। तभी आसपास के ग्रामीणों ने गौ तस्करों को देख लिया और मौके पर काफी ग्रामीण इकट्ठे हो गए। ग्रामीणों ने गौ तस्करों पर पथराव कर दिया तो गौ तस्कर वहां से अपनी जान बचाकर भाग निकले। गौ तस्कर दोनों ट्रकों को वहीं छोड़ गए। दोनों ट्रकों में 6-6 गोवंश भरे हुए थे। घटना के बाद ग्रामीणों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। ट्रकों में चंबल की बजरी भी भरी हुई थी। पुलिस ने दोनों ट्रकों को जब्त कर लिया। दोनों ट्रक मध्यप्रदेश नंबर के हैं। फिलहाल पुलिस फरार गौ तस्करों की तलाश कर रही है।

अवैध खनन मामलाः ईडी ने बिहार व झारखंड में 27 जगहों पर की छापेमारी

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने झारखंड के धनबाद और हजारीबाग, और कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में अवैध खनन मामले में हाल ही में पटना (बिहार) में ब्रॉडसन कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड और आदित्य मल्टीकॉम प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स और अन्य सहयोगियों से जुड़े 27 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया. ईडी ने कंपनियों और उनके निदेशकों के खिलाफ बिहार पुलिस द्वारा दर्ज विभिन्न एफआईआर के आधार पर पीएमएलए जांच शुरू की. ब्रॉडसन कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड और आदित्य मल्टीकॉम प्राइवेट लिमिटेड और उनके निदेशकों के खिलाफ खनन प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए

ट्रांसजेंडर चला रहा था हनीट्रैप गैंग

धोखे से इंजीनियर को फंसाया, किया ब्लैकमेल, एक गलती से पहुंचा हवालात

ग्वालियर, 9 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हनीट्रैप में फंसा कर लोगों को ब्लैकमेल करने वाली एक शातिर गैंग को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। खास बात यह है कि इस गेम को ऑपरेट करने वाला मास्टरमाइंड ट्रांसजेंडर है। हनी ट्रैप गैंग शातिराना तरीके से किसी बिजनेसमेन, बड़े अफसर को फंसाती थी, फिर उनके साथ युवतियों के अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का काम करते थे। ग्वालियर के इंजीनियर को अश्लील वीडियो के जरिए ब्लैकमेल कर रही इस गैंग के तीन सदस्य पुलिस की गिरफ्त में आ गए हैं। पूछताछ के बाद इस गैंग से कई और खुलासे होने की उम्मीद है। ग्वालियर के डीडी नगर इलाके में रहने वाले केमिकल इंजीनियर हनी ट्रैप गैंग का शिकार हो गए। इंजीनियर के मोबाइल पर 15 मई को एक अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने अपना नाम गुड़िया राठौर बताया। इस युवती ने इंजीनियर को अपनी बातों के जाल में फंसा कर दोस्ती कर ली और फिर 31 मई को उससे मिलने के लिए दाल बाजार इलाके में बुलाया। इंजीनियर पहुंचा तो युवती उसे लेकर एक मकान में पहुंची। यहां पहले से मौजूद एक और अन्य युवती गलत काम करने लगी। बस 5 मिनट बाद ही 2 और युवक कमरे में आ धमके और उन्होंने इंजीनियर से उसका मोबाइल छीन लिया। फिर इस युवती के साथ इंजीनियर का आपत्तिजनक वीडियो बना लिया।

मणिपुर में जल्द बहाल होगी इंटरनेट सेवा

याचिका पर तत्काल सुनवाई से एससी का इनकार

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में बीते महीने हिंसा भड़कने के बाद इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई थी। इंटरनेट सेवाएं बहाल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। हालांकि, अदालत ने इस पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। मणिपुर मानवाधिकार आयोग (एमएचआरसी) ने भी राज्य सरकार से इंटरनेट सेवाओं की बहाली पर विचार करने को कहा है।

मणिपुर के दो निवासियों ने दायर की याचिका

इंटरनेट सेवाएं शुरू करने के लिए मणिपुर के दो निवासियों चोंगथम विक्टर सिंह और मायेंगबाम जेम्स की ओर से याचिका दायर की गई थी। अदालत ने राज्य में बार-बार इंटरनेट बंद किए जाने के खिलाफ याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की अवकाश पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय पहले से ही इसी तरह के मुद्दे पर विचार कर रहा है।

10 जून तक बढ़ा प्रतिबंध

मणिपुर सरकार ने मंगलवार को इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध 10 जून तक बढ़ा दिया। आयुक्त (गृह) एच ज्ञान प्रकाश द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि ब्रॉडबैंड सहित मोबाइल डेटा सेवाओं का निलंबन 10 जून की दोपहर तीन बजे तक बढ़ा दिया गया है। राज्य में तीन मई को हिंसा भड़कने के बाद से इंटरनेट सेवा निलंबित कर दी गई थी।

भारत की एक्ट ईस्ट नीति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगाः जयशंकर

उधर, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि मणिपुर में संघर्ष देश का आंतरिक मुद्दा है। इसका भारत की 'एक्ट ईस्ट पालिसी' पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। 'एक्ट ईस्ट पालिसी' का उद्देश्य द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय स्तरों पर जुड़ाव के माध्यम से एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ रणनीतिक संबंध विकसित करना है, जिससे उत्तर पूर्वी क्षेत्र के राज्यों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान की जा सके।

नाबालिग पहलवान ने की झूठी शिकायत

बृजभूषण सिंह बोले- 15 तारीख को फाइल होगी चार्जशीट, तब बोलूंगा

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर नाबालिग पहलवान द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोप में ट्विस्ट आया है। पहलवान के पिता ने कहा है कि उनकी बेटी ने गुस्से में बृजभूषण के खिलाफ आरोप लगाए थे। पहलवान के पिता ने कहा कि उनकी बेटी ने जानबूझकर बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न की झूठी पुलिस शिकायत दर्ज कराई थी। इस संबंध में पूछे पाने पर बृजभूषण सिंह ने शुक्रवार को कहा, पूरा मामला कोर्ट के संज्ञान में है। सरकार ने आश्वासन भी दिया है कि 15 तारीख तक चार्जशीट फाइल होगी। चार्जशीट फाइल होने दीजिए। बोलना उचित होगा तो बोला जाएगा। अभी मुझे नहीं लगता है कि कुछ बोलना चाहिए। नाबालिग पहलवान की शिकायत के आधार पर दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। बृजभूषण के खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोप को लेकर पहलवान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पहलवानों की मांग है कि बृजभूषण को गिरफ्तार किया जाए। नाबालिग के पिता के बयान से बृजभूषण सिंह के खिलाफ केस काफी हद तक कमजोर हुआ है। नाबालिग पहलवान के पिता ने बताया है कि उनकी बेटी 2022 में लखनऊ में खेले गए अंडर -17 एशियाई चैम्पियनशिप ट्रायल के फाइनल में हार गई थी। इसके चलते वह भारतीय टीम में शामिल नहीं हो पाई थी। इस गुस्से में पहलवान ने बृजभूषण के खिलाफ आरोप लगाए। पिता ने कहा कि वह फाइनल में रेफरी के फैसले के कारण गुस्से में था। रेफरी के चलते उसकी बेटी की एक साल की मेहनत बेकार चली गई थी।

लड़कियों का 17 साल की उम्र से पहले बच्चे को जन्म देना आम था : अदालत

अहमदाबाद, 9 जून (एजेंसियां)। गुजरात उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने गर्भपात की अनुमति के लिए दायर नाबालिग बलात्कार पीड़िता की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा है कि एक समय युवावस्था में लड़कियों की शादी होना और उनके 17 साल की उम्र से पहले संतान को जन्म देना आम बात थी। न्यायमूर्ति समीर दवे ने संकेत दिया कि अगर लड़की और भ्रूण दोनों स्वस्थ हैं, तो हो सकता है कि इस याचिका को स्वीकृति न प्रदान की जाए। उन्होंने सुनवाई के दौरान मनुस्मृति का भी जिक्र किया। बलात्कार पीड़िता की आयु 16 साल, 11 महीने है और उसके गर्भ में सात महीने का भ्रूण पल रहा है। पीड़िता के पिता ने गर्भपात की अनुमति के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, क्योंकि गर्भावस्था की अवधि 24 सप्ताह से ज्यादा हो गई है। इस अवधि के पार हो जाने के बाद अदालत की अनुमति के बिना गर्भपात नहीं कराया जा सकता है। बुधवार को पीड़िता के वकील ने मामले की जल्द सुनवाई की अपील की और कहा कि लड़की की आयु के कारण परिवार चिंचित है। न्यायमूर्ति दवे ने कहा कि चिंता इसलिए है, क्योंकि हम 21वीं सदी में जी रहे हैं। उन्होंने पीड़िता से कहा, अपनी मां या दादी से पूछिए। (शादी के लिए) अधिकतम आयु 14-15 होती थी और लड़कियां 17 साल की उम्र से पहले बच्चे को जन्म दे दिया करती थीं। यही नहीं, लड़कियां लड़कों से पहले परिपक्व हो जाती हैं। आपने भले ही नहीं पढ़ी होगी, लेकिन आप एक बार मनुस्मृति पढ़िए। न्यायाधीश ने वकील से कहा कि चूंकि, प्रसव की संभावित तिथि 16 अगस्त है, इसलिए उन्होंने अपने कक्ष में विशेषज्ञ चिकित्सकों से सलाह-मशविरा किया है। उन्होंने कहा, अगर भ्रूण या लड़की के किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित होने की बात सामने आती है, तभी यह अदालत (गर्भपात की अनुमति) पर विचार कर सकती है। लेकिन अगर दोनों स्वस्थ हैं, तो अदालत के लिए इस तरह का आदेश पारित करना मुश्किल होगा।

जिस स्कूल में रखे गए 250 शव

वहां जाने से डरे टीचर्स और स्टूडेंट्स, गिराई गई इमारत

बालासोर, 9 जून (एजेंसियां)। ट्रेन हादसे को एक हफ्ता बीत चुका है लेकिन आज भी लोग इससे सहमे हुए हैं. ये हादसा इतना भीषण था कि कि देखते ही देखते लाशों का अंबार लग गया. इतनी बड़ी संख्या में मौते हुए थीं कि शवों को रखने के लिए अलग-अलग जगह ढूंढनी पड़ीं. ऐसे में लाशों को रखने के लिए आसपास की सरकारी इमारतों का इस्तेमाल भी किया गया. इन्हीं इमारतों में से एक था 65 साल पुराना स्कूल जहां बालासोर रेल हादसे में मारे गए लोगों के कुछ शव रखे गए थे. बहानागा नोडल हाई स्कूल को अस्थाई तौर पर मुर्दाघर बनाए जाने से बच्चों और शिक्षकों ने हंगामा खड़ा कर दिया था. उन्होंने स्कूल में घुसने से मना कर दिया था. उनके इस फैसले से स्कूल गिराकर नई इमारत बनाने पर विचार किया जाने लगा. शुक्रवार को इस दिशा में कदम उठाते स्कूल को गिरा दिया गया है.

नई इमारत बनने के बाद होगी पूजा

स्कूल की मैनेजिंग कमेटी के सदस्य राजग्राम मोहापात्रा ने कहा कि जिन कमरों में शवों को रखा गया था, उन्हें अच्छे से साफ किया गया लेकिन इसके बावजूद बच्चों के माता-पिता उन्हें स्कूल भेजने को तैयार नहीं हुए. ऐसे में अब स्कूल गिराया जा रहा है. नई बिल्डिंग तैयार होने के बाद पुजारी को बुलाकर जगह को पवित्र किया जाएगा ताकी बच्चे बिना डरे स्कूल आ सकें. बता दें, ये स्कूल रेल हादसे वाली जगह से सिर्फ 500 मीटर दूर है. स्कूल गर्मियों की छुट्टियों के लिए बंद था. 2 जून को हुए रेल हादसे के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान ट्रेन से निकाले जा रहे शवों को रखने के लिए कोई जगह चाहिए थी. ऐसे में इसके लिए बहानागा नोडल हाई स्कूल का इस्तेमाल किया गया. छुट्टियों के बाद स्कूल 16 जून से दोबारा खोला जाना था लेकिन बच्चों और शिक्षकों ने स्कूल आने से मना कर दिया. यहां शव रखे जाने से वह बुरी तरह डरे हुए थे. जानकारी के मुताबिक इस स्कूल में 250 शव रखे गए थे. इसके लिए 6 क्लास रूम और एक हॉल का इस्तेमाल किया गया था. बाद में यहां से शवों को बालासोर और भुवनेश्वर के अस्पतालों में शिफ्ट कर दिया गया. शवों को हटाने के बाद स्कूल को पूरी तरीके से सैनिटाइज भी किया गया लेकिन इसके बावजूद बच्चे और शिक्षक स्कूल के अंदर जाने से डर रहे थे. उन्हें लग रहा था कि शवों को स्कूल में रखने से ये जगह हॉन्टेड हो गई है. ऐसे में अब स्कूल की इमारत को गिराकर नई इमारत बनाई जा रही है.

ओडिशा में दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस के एसी कोच में लगी आग, यात्रियों में मची अफरातफरी

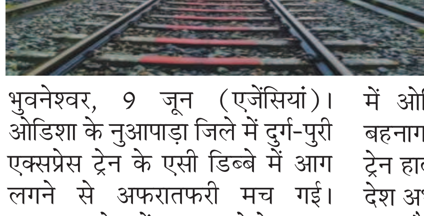

भुवनेश्वर, 9 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के नुआपाड़ा जिले में दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस ट्रेन के एसी डिब्बे में आग लगने से अफरातफरी मच गई। अचानक कोच में आग लगने के कारण यात्रियों में दहशत का माहौल हो गया। गनीमत ये रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। ईस्ट कोस्ट रेलवे ने घटना पुष्टि करते हुए कहा कि शाम खरियार रोड स्टेशन पर आग का पता चला जब उसमें से धुआं निकल रहा था। घटना ट्रेन के बी3 कोच में हुई।

मौका रहते है सभी यात्रियों को ट्रेन से उतार लिया गया और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। रेलवे की ओर से कहा कि घर्षण और ब्रेक के अधूरे रिलीज के कारण ब्रेक पैड में आग लग गई। आग ब्रेक पैड तक ही सीमित थी। कोई नुकसान नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार, एक घंटे से भी कम समय में समस्या को ठीक कर लिया गया और ट्रेन रात 11 बजे स्टेशन से रवाना हुई। इस बीच घटना के कारण यात्रियों में अफरातफरी मच गई और अधिकांश यात्री ट्रेन से उतर गए। यह हादसा ऐसे समय में हुआ है जब हाल ही में ओडिशा के बालासोर जिले के बहनागा बाजार स्टेशन पर एक बड़ा ट्रेन हादसा हुआ था।

देश अभी तक इस हादसे को भुला नहीं पाया है और हादसे में घायल लोगों का इलाज अभी तक चल रहा है।ऐसे में एक बार ओडिशा में ही एक ओर ट्रेन में हादसा होने के कारण लोगों में डर का माहौल है। बता दें कि 2 जून को बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद 288 लोगों की मौत हो गई और 1,100 से अधिक लोग घायल हो गए। तीन ट्रेनों के भीषण हादसे के बाद इसकी सीबीआई जांच सरकार द्वारा कराई जा रही है। मामले में कई मृतकों के शव अभी भी पहचान के लिए बाकी है क्योंकि घटना इतनी भयानक थी कि परिजन अपने घरवालों के शवों को पहचान तक नहीं पा रहे हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 10 जून- 2023

अदालत भी सुरक्षित नहीं

यूपी की राजधानी लखनऊ में एक अपराधी की कोर्ट परिसर में ही उस समय हत्या कर दी गई जब वह पेशी पर आया था। इस लोमहर्षक हत्याकांड से समूचे प्रदेश में दहशत का माहौल है। लखनऊ के कैसरगंज स्थित एक अदालत कक्ष में ही वकील के वेश में आए हमलावर ने कुख्यात अपराधी और माफिया मुख्तार अंसारी के करीबी रहे संजीव माहेश्वरी पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस गोलीबारी में दो पुलिसकर्मियों समेत एक डेढ़ साल की बच्ची और उसकी मां को भी गोली लगी। जिनका इलाज चल रहा है। बच्ची का हालचाल जानने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद अस्पताल पहुंचे। कडे कानून व्यवस्था के दौर से गुजर रहे उत्तर प्रदेश में हर कुछ दिन बाद कोई न कोई खौफनाक मंजर सामने आ जाता है। जबकि सरकार का दावा होता है कि वहां अपराधियों और अपराध पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है और आपराधिक तत्त्व डर के मारे यूपी छोड चुके हैं या फिर जेल में हैं। बता दें कि जघन्य अपराधों से संबंधित किसी घटना पर आम प्रतिक्रिया कानून-व्यवस्था और उस पर हो रही कार्रवाई को लेकर ही होती है। आमतौर पर यही माना जाता है कि लुंज-पुंज पुलिस महकमा अपना इकबाल बुलंद करने में नाकाम रहा है, इसलिए अपराधियों ने ऐसी हिम्मत करने की हिमाकत की है। जब सबसे सुरक्षित माने जाने वाली जगहों पर भी हत्या जैसे गंभीर अपराधों का सिलसिला ही शुरू हो जाए तो समूची कानून व्यवस्था पर उंगली उठना स्वाभाविक है। सवाल बडा सवाल तो यही है कि जब किसी कुख्यात अपराधी के मामले पर सुनवाई हो रही हो तो भी इस दौरान अदालत में सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम इतना ढीला-ढाला कैसे छोड दिया गया था कि हत्या जैसे संगीन अपराध को अंजाम दिया गया। बीते कुछ सालों में ज्यादातर संवेदनशील जगहों या परिसरों में प्रवेश के पहले जरूरी जांच-पड़ताल की व्यवस्था जरूरी कर दी गई है। मेटल डिटेक्टर और अन्य आधुनिक यंत्रों के जरिए व्यक्ति को ऊपर से नीचे तक जांचा-परखा जाता है कि कहीं उसके पास कोई अवांछित या घातक हथियार तो नहीं है! इसके बाद भी हैरानी की बात यह है कि एक सिरफिरा वकील का वेश बना कर न सिर्फ अदालत परिसर में, बल्कि अदालत के कक्ष तक में घुस जाता है, और उसके पास मौजूद पिस्तौल जैसे हथियार के बारे में किसी को भनक तक नहीं लगती है। अदालत कक्ष में भी लोगों को तब पता चलता है जब गोलीबारी शुरू हो जाती है। एक ओर तो सरकार यह दावा करते नहीं थकती कि उसने सभी संवेदनशील जगहों पर अच्च स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर रखी है वहीं दूसरी ओर दूसरी ओर सबसे ज्यादा सुरक्षित मानी जाने वाली अदालतें तक असुरक्षित और खतरनाक हो गई हैं। ऐसे में आम आदमी के प्रति अदालत व कानून व्यवस्था को लेकर क्या धारणा बन रही होगी, आसानी से समझा जा सकता है। यह कहने में भी कोई संकोच नहीं है कि लखनऊ के अदालत परिसर में इस तरह की हत्या की कोई अकेली या पहली घटना नहीं है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ही पिछले कुछ समय के दौरान कई ऐसे वाकये सामने आ चुके हैं, जिनमें आपराधिक गिरोहों ने लक्ष्य बना कर किसी आरोपी पर गोलीबारी की और उसे मौत के घाट उतार दिया। कभी किसी गवाह पर सरेआम जानलेवा स्तर तक गोलियां चला कर बुरी तरह घायल कर दिया गया। दिल्ली में रोहिणी और साकेत के अदालत परिसर में सरेआम गोलीबारी की घटना ज्यादा पुरानी नहीं है। सवाल है कि जिस आधुनिक दौर में अपराध पर काबू पाने के लिए सीसीटीवी या आधुनिक तकनीकों की मदद लेने और ऐसी वारदात होने के हालात से मुक्ति दिलाने के दावे किए जा रहे हैं, उसमें किसी संकरी या सन्नाटे वाली जगहों के बजाय सरेआम सड़कों पर या अदालत परिसर तक भी जघन्य अपराधों के पांव कैसे फैलते जा रहे हैं? बता दें कि अदालत परिसर में किसी भी व्यक्ति के प्रवेश करने से पहले जांच की जो व्यवस्था है, उसमें कई तरह की खामिया नजर आती हैं। इसी का लाभ उठा कर अपराधी घातक हथियार लेकर वकील के वेश में अदालत कक्ष तक में घुस जाता है और हत्या जैसे अपराध को भी आसानी से अंजाम देने में कामयाब हो जाता है। अब तक जो हुआ वह अच्छा तो नहीं हुआ लेकिन भविष्य में ऐसा न हो इसे लेकर गंभीर रूप से चेत जाने की जरूरत है।

पाकिस्तान में एटमी हथियार के बदले रोटी का सौदा

संजीव ठाकुर

स्वतंत्रता के बाद पाकिस्तान अब ऐतिहासिक,अभूतपूर्व वित्तीय कंगाली के दौर से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री नवाज शरीफ हर तरफ से सत्ता में आने के बाद निराशा के गर्त में डूब चुके हैं1 पूरी दुनिया के देशों से घूम घूम कर कर्ज मांगने के बाद भी उन्हें फूटी कौड़ी नहीं मिल पाई है पाकिस्तानी जनता रोजी रोटी बिजली पानी के संकट से गुजर रही है और देश में हाहाकार मचा हुआ है। आम जनता विद्रोह पर उतर आई है। पाकिस्तान अपनी गलत नीतियों के कारण दुनिया में अकेला पड़ गया है। आवाम के सामने रोजी-रोटी का संकट पैदा हो गया और इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड, सऊदी अरेबिया, तुर्की, ईरान ,इराक तथा उसके सबसे बड़ा हिमायती देश चीन ने भी पाकिस्तान को किसी भी तरह के कर्ज देने से इनकार कर दिया है1 पाकिस्तान के अंदरूनी हालात बड़े विचित्र किंतु सत्य की स्थिति में आ चुके हैं वहां स्थिति अराजक हो गई है ।पाकिस्तान के अंदरूनी हालात प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नियंत्रण से बाहर होकर अब सेना के जनरल असीम मुनीर के हाथों में आ गई है1 सेना पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को राष्ट्रद्रोह और मानव हत्या के जुर्म कभी भी गिरफ्तार कर फांसी दे सकती है। पाकिस्तानी इतिहास में भी जनरल जिया उल हक ने 1974 तत्कालीन प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो इसी आरोप में 1979 मैं फांसी पर लटका दिया था वही इतिहास जनरल असीम मुनीर भी दोहराने पर आमादा है। क्योंकि यह तो तय है कि यदि पाकिस्तान में आम चुनाव कराए जाएं तो इमरान की लोकप्रियता के मद्देनजर उनका सत्ता में आना लगभग तय है। इन परिस्थितियों में वर्तमान सरकार और सेना दोनों इमरान और इमरान की पार्टी को समूल नष्ट करना चाहते हैं1 पाकिस्तान की कंगाली दूर करने के लिए आई एस आई के करीबी और राजनीतिक विश्लेषक जैद हामिद ने एक फार्मूले का सुझाव दिया है उन्होंने कहा है कि तुर्की और सऊदी अरेबिया को पाकिस्तान सरकार को एटमी हथियार यानी परमाणु बम बेच देना चाहिए उन्होंने कहा परमाणु हथियार तुर्की और सऊदी अरेबिया तथा अन्य अरब देश बम खरीदने को तैयार हो जाएंगे और प्रति परमाणु बम 20 अरब डालर की कमाई हो सकती है 5 परमाणु बम पाकिस्तान किन देशों को बेच देता है तो उसे 100 अरब डालर की कमाई हो जाएगी और उसे कर्ज़ लेने के लिए दर-दर की खाक नहीं छाननी पड़ेगी, पाकिस्तान का वित्तीय संकट इसे आसानी से दूर किया जा सकता है गजवा के हिन्द के नाम से धमकी देने वाले जैद हामिद पाकिस्तान को यहां तक सलाह दे दी है कि परमाणु बमों के साथ अपने परमाणु मिसाइल भी बेच देने चाहिए जिससे पाकिस्तानी जनता को रोटी नमक तो मिल ही सकता है ।पत्रिका बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट के हवाले से बताया गया की पाकिस्तान के पास वर्तमान में 165 वारहेड का जखीरा उपलब्ध है और 5 वारहेड की कीमत 25 अरब डॉलर की गई है इस तरह 20 वारहेड बेचने से पाकिस्तान को $100 की आसानी से कमाई हो सकती है उसे दर-दर दरवाजे दरवाजे कर्ज मांगने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

महासागरों में फैलता प्रदूषण बना चिंता का विषय

हाल के वर्षों में महासागरों में बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बनता जा रहा है। अरबों टन प्लास्टिक का कचरा हर साल महासागरों में समा जाता है। आसानी से विघटित नहीं होने के कारण यह कचरा महासागरों में जस का तस पड़ा रहता है। अकेले हिंद महासागर में भारतीय उपमहाद्वीप से पहुंचने वाली भारी धातुओं और लवणीय प्रदूषण की मात्रा प्रतिवर्ष करोड़ों टन है। महासागर हमारी पृथ्वी पर न सिर्फ जीवन के प्रतीक हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी प्रमुख भूमिका अदा करते हैं। पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से माना जाता है, जिनमें असीम जैव विविधता का भंडार समाया है। पृथ्वी का लगभग सत्तर प्रतिशत भाग महासागरों से घिरा है। पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का लगभग सत्तानबे प्रतिशत जल महासागरों में समाया हुआ है। महासागरों की विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अगर पृथ्वी के सभी महासागरों को एक विशाल महासागर मान लिया जाए तो उसकी तुलना में पृथ्वी के सभी महाद्वीप एक छोटे द्वीप से प्रतीत होंगे। हर साल आठ जून को दुनिया भर में विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। 1987 में ब्रंटलैंड की एक रिपोर्ट में टिप्पणी की गई थी की विश्व के जो महासागर हैं, उन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी रिपोर्ट से प्रेरित होकर कनाडा ने विश्व महासागर दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। 1992 में कनाडा के इंटरनेशनल सेंटर फार ओशन डेवलपमेंट ने इस दिवस को मानाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के एक सम्मेलन पृथ्वी सम्मेलन में रखा था। आठ जून 2009 को पहला विश्व महासागर दिवस मनाया गया। इसके बाद से हर साल आठ जून को विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व महासागर दिवस के अवसर पर दुनिया भर में महासागर से जुड़े विषयों पर विभिन्न आयोजन किए जाते हैं, जो महासागर के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के प्रति जागरूकता पैदा करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। आज जब विश्व की कुल जनसंख्या का तीस प्रतिशत तटीय क्षेत्रों में निवास करता है तो ऐसी स्थिति में महासागर उनके लिए खाद्य पदार्थों का प्रमुख स्रोत साबित हो सकते हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से महत्त्वपूर्ण होने के कारण महासागर अत्यंत उपयोगी हैं। पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व यहां उपस्थित वायुमंडल और महासागरों जैसे कुछ विशेष कारकों के कारण ही संभव हो पाया है। अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ ही महासागर अपने अंदर और आसपास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रों को पनाह देते हैं, जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु और वनस्पतियां पनपती हैं। महासागर खाद्य पदार्थों का एक प्रमुख स्रोत होने के कारण हमारी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी की मदद से महासागरों से पेट्रोलियम सहित अनेक महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों को निकाला जा रहा है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन सहित अनेक मौसमी घटनाओं को समझने के लिए समुद्रों का अध्ययन भी महत्त्वपूर्ण है। पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति महासागरों में ही हुई है। आज भी महासागर जीवन के लिए आवश्यक परिस्थितियों को बनाए रखने में सहायक हैं। महासागर पृथ्वी के एक तिहाई से अधिक क्षेत्र में फैले हैं। इसलिए महासागरीय पारितंत्र में थोड़ा-सा परिवर्तन पृथ्वी के समूचे तंत्र को अव्यवस्थित करने का सामर्थ्य रखता है। वर्तमान में मानवीय गतिविधियों का प्रभाव समुद्रों पर भी दिखाई देने लगा है। महासागरों के तटीय क्षेत्रों में दिनों-दिन प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। जहां तटीय क्षेत्र, विशेष कर नदियों के मुहानों पर सूर्य के प्रकाश की पर्याप्त उपलब्धता के कारण अधिक जैव-विविधता वाले क्षेत्रों के रूप में पहचाने जाते थे, वहीं अब इन क्षेत्रों के समुद्री जल में भारी मात्रा में प्रदूषणकारी तत्त्वों के मिलने से वहां जीवन संकट में हैं। तेलवाहक जहाजों से तेल के रिसाव के कारण और समुद्री जल के मटमैला होने पर उसमें सूर्य का प्रकाश गहराई तक नहीं पहुंच पाता है, जिससे वहां जीवन को पनपने में परेशानी होती है और उन स्थानों पर जैव-विविधता भी प्रभावित होती है। हाल के वर्षों में महासागरों में बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बनता जा रहा है। अरबों टन प्लास्टिक का कचरा हर साल महासागरों में समा जाता है। आसानी से विघटित नहीं होने के कारण यह कचरा महासागरों में जस का तस पड़ा रहता है। अकेले हिंद महासागर में भारतीय उपमहाद्वीप से पहुंचने वाली भारी धातुओं और लवणीय प्रदूषण की मात्रा प्रतिवर्ष करोड़ों टन है। विषैले रसायनों के रोजाना मिलने से समद्री जैव विविधता भी प्रभावित होती है। लेकिन वायु और अन्य प्रकार प्रदूषण के बरक्स समुद्र के इस कदर प्रदूषित होते जाने को लेकर उसी अनुपात में चिंता नहीं दिखाई देती। जबकि विषैले रसायनों के कारण समुद्री वनस्पति की वृद्धि पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने वाले परितंत्रों में महासागर की उपयोगिता को देखते हुए यह आवश्यक है कि हम महासागरीय पारितंत्र के संतुलन को बनाए रखें। तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा। अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ ये समुद्र अपने अंदर और आसपास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रों को पनाह देते हैं, जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव और वनस्पतियां पनपती हैं। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में स्थित मैंग्रोव जैसी वनस्पतियों से संपन्न वन समुद्र के अनेक जीवों के लिए नर्सरी का काम करते हुए विभिन्न जीवों को आश्रय प्रदान करते हैं। महासागरों में पृथ्वी का सबसे विशालकाय जीव ह्वेल से लेकर सूक्ष्म जीव भी मिलते हैं। एक अनुमान के अनुसार केवल महासागर के अंदर करीब दस लाख जलीय जीवों की प्रजातियां उपस्थित हो सकती हैं। गौरतलब है कि प्रशांत महासागर पृथ्वी पर सबसे बड़ा महासागर है। पृथ्वी की सतह का यह लगभग तीस प्रतिशत हिस्सा है। इस महासागर की गहराई पैंतीस हजार फुट और इसका आकार त्रिभुज की तरह का है। प्रशांत महासागर में करीब पच्चीस हजार द्वीप हैं। अटलांटिक महासागर क्षेत्रफल और विस्तार की दृष्टि से दुनिया का दूसरे सबसे बड़ा महासागर है। इसके पास पृथ्वी का इक्कीस प्रतिशत से अधिक भाग है। अटलांटिक महासागर का आकार अंग्रेजी के अंक आठ यानी 8 की संख्या के जैसा है। इस महासागर की कुछ वनस्पतियां खुद से चमकती हैं, क्योंकि यहां सूर्य की रोशनी नहीं पहुंचती। हिंद महासागर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा महासागर है। यह धरती का लगभग चौदह प्रतिशत हिस्सा है। हिंद महासागर को रत्नसागर नाम से भी जाना जाता है। हिंद महासागर इकलौता ऐसा महासागर है, जिसका नाम किसी देश के नाम पर रखा गया है। अंटार्कटिका महासागरों में चौथा सबसे बड़ा महासागर है। इसको आस्ट्रल महासागर के नाम से भी जाना जाता है। इस महासागर में आइसबर्ग यानी पहाड़ की तरह दिखते बर्फ के विशालकाय टुकड़े तैरते हुए देखे जाते हैं। अंटार्कटिका की बर्फीली जमीन के अंदर चार सौ से भी अधिक झीलें हैं। आर्कटिक महासागर पांच महासागरों में सबसे छोटा और उथला महासागर है। इसे उत्तरी ध्रुवीय महासागर भी कहते हैं। सर्दियों में यह महासागर पूर्णतः समुद्री बर्फ से ढका रहता है। हम सांस लेने के लिए जिस आक्सीजन का प्रयोग करते हैं, उसकी दस फीसद मात्रा हमें समुद्र से ही प्राप्त होती है। समुद्र में मौजूद सूक्ष्म बैक्टीरिया या जीवाणु आक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं जो पृथ्वी पर मौजूद जीवन के लिए बेहद जरूरी है।

हजूरसाहिब की धरती से अमित शाह क्या संदेश देंगे?

रविंदरसिंह मोदी

भारत के केंद्रीय गृहमंत्री और भारतीय जनता पार्टी सर्वसक्षम नेता श्री अमित शाह तारीख 10 जून की शाम पवित्र नगरी हजूर साहिब, नांदेड़ में एक भव्य जनसभा को संबोधित करेंगे. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की बतौर प्रधानमंत्री नौ वर्षों के कार्यकाल का लेखाजोखा उनके द्वारा जनसभा में प्रस्तुत किया जायेगा. जनसभा में उपस्थित होने से पूर्व गृहमंत्री अमित शाह तखत सचखंड श्री हजुरसाहिब गुरुद्वारा में नतमस्तक होंगे. अमित शाह की सभा को लेकर जहाँ भारतीय जनता पार्टी के खेमे में उत्साह छाया हुआ दिखाई पड़ रहा हैं, वहीं विपक्षी पार्टियां सभा को लेकर काफी सतर्कता बरत रहीं हैं. सवाल यहीं उठ रहा है कि, आखिर श्री अमित शाह श्री गुरु गोबिंदसिंघजी महाराज की पवित्र भूमि से क्या संदेश जारी कर सकते हैं? महाराष्ट्र का नांदेड़ जिला कर्नाटक और तेलंगाना की सीमा पर स्थित है. क्षेत्रफल में बड़ा और सोलह तहसीलों के समावेशवाला यह जिला बहुभाषी लोगों की आवाजाही से सक्रिय रहता है. गोदावरी, आसना और पेनगंगा नदियों की शीतल लहरों से स्पर्शित नांदेड़ जिला अक्सर राजनीतिक सरगर्मियां से सराबोर रहता हैं. इस जिले ने चार बार मुख्यमंत्री पद का निर्वाहन भी किया था. नांदेड़ जिले की राजनीति में प्रारंभ से ही कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अशोकराव चव्हाण के परिवार का दबदबा रहा है. अशोकराव चव्हाण के पिता स्व. शंकरराव चव्हाण महाराष्ट्र के दो बार मुख्यमंत्री रहें थे और उन्होंने केंद्र सरकार में भी बतौर गृहमंत्री और अन्य पदों पर कार्य किया था. वर्तमान में अशोकराव चव्हाण कांग्रेस पार्टी के सूत्र संचालन कर रहें हैं और अटकलें तेज है कि शीघ्र ही उन्हें कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया जायेगा. भारतीय जनता पार्टी के लिए नांदेड़ में जनसभा का आयोजन इसलिए भी अहम है कि यहाँ पिछले लोकसभा चुनाव (वर्ष 2019) में भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रतापराव पाटिल चिखलीकर ने सर्वसक्षम नेता अशोकराव चव्हाण को मात देकर सांसद पद प्राप्त किया था. पिछले चुनाव में अशोकराव चव्हाण की हार से राज्य ही नहीं आपितु देशभर में कांग्रेस पार्टी के लिए नकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ था. पिछले चुनावों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नांदेड़ जिले में कांग्रेस पार्टी की शक्ति फिफ्टी - फिफ्टी जैसी रह गईं हैं. अमित शाह भी इसी बात का लाभ उठाने का प्रयत्न यहाँ करेंगे इसमें कोई दोराय नहीं हैं. नांदेड़ जिले की वर्तमान समस्याएं क्या है इस विषय में भारतीय जनता पार्टी और विशेषकर गृहमंत्री अमित शाह को ध्यान देना होगा. पहली समस्या यह है कि नांदेड़ के श्री गुरु गोबिंदसिंघजी हवाईअड्डे पर विगत दो वर्षों से जनता के लिए हवाई सेवाएं ठप पड़ी हैं. पूर्व में हजुरसाहिब नांदेड़ के लिए गुरु की नगरी अमृतसर साहिब, चंडीगढ़, दिल्ली और मुंबई से हवाई सेवा संचालित थीं. बड़ी संख्या में तीर्थयात्री, पर्यटक और जनता द्वारा हवाई सेवा का लाभ उठाया जा रहा था. लेकिन इस समय सभी फ्लाइट बंद है, कारण कोई बता नहीं रहा हैं. नांदेड़ के हवाई अड्डे पर नाईट लैंडिंग की सुविधाएं उपलब्ध हैं. करोड़ों की राशि खर्च कर हवाई अड्डे का निर्माण किया गया था. यह वास्तु आज बेकार पड़ी नज़र आ रहीं हैं. यह स्थिति कब तक चलेगी. दूसरी समस्या रेल सेवा को लेकर है. पिछले 30 वर्षों में हजुरसाहिब नांदेड़ से पंजाब के लिए दो रेलगाड़िया ही चलीं हैं. दक्षिण मध्य रेल झोन अंतर्गत सचखंड एक्सप्रेस और श्री गंगानगर एक्सप्रेस यह गाड़िया दौड़ रहीं हैं. लेकिन इन रेलगाड़ियों में यात्रियों को काफी दिक्कतें प्रस्तुत होती हैं. दोनों रेलगाड़िया दक्षिण मध्य रेल विभाग की होने के कारण मध्य और उत्तर प्रदेश में रेलवे मेंटेनेंस पर ध्यान नहीं दिया जाता हैं. यात्री और प्रवासियों की बढ़ रहीं संख्या को देखते हुए उत्तर रेलवे झोन से भी हजुरसाहिब नांदेड़ के लिए अकोला - पूर्णा मार्ग से नई रेल गाड़ी शुरू होनी चाहिए. वहीं नांदेड़ से बीदर (कर्नाटक) रेलमार्ग मार्ग निर्माण के लिए अतिरिक्त राशि का प्रावधान किया जाना चाहिए. भारतीय जनता पार्टी द्वारा महामार्ग निर्माण पर बहुत सराहनीय कार्य किया जा रहा है. सिख समाज की एक प्रलंबित मांग पर अमित शाह ध्यान केंद्रित करें यह अपेक्षा है. विगत कई वर्षों से यह मांग की जा रही हैं कि, श्री गुरु गोबिंदसिंघजी महाराज के पंजाब स्थित तखत श्री दमदमा साहिब से आगरा होते हुए हजुरसाहिब नांदेड़ पहुंचने के मार्ग को 'श्री गुरु गोबिंदसिंघजी राष्ट्रीय महामार्गर' नामकरण किया जाए. उम्मीद की जा रहीं है कि श्री शाह इस विषय पर भाष्य करेंगे. भारतीय जनता पार्टी के सन्मुख सिख जगत से जुड़ी सबसे अहम मांग यह है कि नांदेड़ स्थित तखत सचखंड गुरुद्वारा बोर्ड संस्था से सरकारी हस्तक्षेप तुरंत बंद किया जाए. भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं वर्तमान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा महाराष्ट्र विधानसभा में वर्ष 2015, फरवरी माह में तखत सचखंड बोर्ड संस्था के कानून 1956 में अनावश्यक रूप से संशोधन करवाकर संस्था पर प्रधान चुनने का सिख समाज का लोकतान्त्रिक अधिकार सरकाराधीन कर लिया गया था. इस विषय में स्थानीय सिखों के साथ साथ देशभर के सिखों में रोष का वातावरण बन गया था और आज भी इस विषय में सिख समाज नाराज है. कलम ग्यारह नामक आंदोलन उसी विषय का द्योतक है. गुरुद्वारा बोर्ड के कानून में संशोधन करवाने की सिख संगत की कभी कोई मांग नहीं थीं. भाजपा द्वारा सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था में इस तरह से हस्तक्षेप कहाँ तक योग्य है क्या इसका जवाब श्री अमित शाह दें पाएंगे? अब उस विषय को भी स्पर्श करते है जो भारतीय जनता पार्टी के लिए सबसे बड़ी बेचैनी का विषय है. आपके स्मरण में होगा कि कांग्रेस पार्टी के नेता राहूल गांधी ने 'भारत जोड़ो' यात्रा के दौरान नांदेड़ जिले में पूर्ण शक्ति के साथ प्रदर्शन किया था. नांदेड़ में भारत जोड़ो यात्रा को मिली सफलता और मीडिया में उस यात्रा का समालोचन शीर्ष पर छा जाना भाजपा के लिए भी चुनौती प्रस्तुत करना था. दूसरे यह कि तेलंगाना से सक्रिय हुईं बीआरएस पार्टी की सक्रियता पर अंकुश कसने के लिए भी भाजपा के लिए नांदेड़ की जनसभा कारगर साबित हो सकती हैं. आगामी वर्ष 2024 में लोकसभा के चुनाव होने हैं।

कमाल की चोरी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

कुछ चीज़ें खरीदने तक सवारी करने योग्य रहती हैं। बाद में पता ही नहीं चलता कि वह हम पर सवारी कर रही हैं या हम उन पर। आज को बाइक चोरी हुए आठ साल बीत गए। उम्मीद और शीशा कभी भी टूट सकता है। न जाने हम किस कांक्रिट के बने थे कि पिछले आठ साल से उसी के बारे में सोचते रहते। वह क्या है न कि कमाकर खरीदी गई ईंट फोकट के ताजमहल से कहीं अधिक कीमती होती है। धुंधली ही सही उसकी याद बनी रही। मानो यह घटना मस्तिष्क पटल पर पेंसिल से नहीं सीडी मार्कर से लिख दी गई हो। जो मिटने का नाम ही नहीं ले रही थी। फिर एक दिन बिन जड़ के पेड़ और बिन हाथों के ताली बजाने वाली खबर आई। डाकिया गुम हुई बाइक का एक चालान थमा गया। यह चालान ठीक वैसा ही था जैसे खाए कोई स्वाद बताए कोई। फिर भी एक बात की दाद देनी पड़ेगी कि आठ साल में केवल एक चालान! हो न हो चलाने वाले का हाथ एकदम साफ है। समझ नहीं आ रहा था कि चलाने वाले की तारीफ़ करूँ या जाकर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराऊँ। कुछ देर सोचा और पहुंच गया पुलिस थाने चालान लेकर। चालान देखकर पुलिस भौंचक्का रह गई। उन्होंने चीज़ों को लूटते, चोरी होते या फिर गायब होते हुए देखा है। मिलते हुए बहुत कम बार देखा है। बाइक चुराने वाले को पुलिस थाने में बुलाया गया। वैसे थाने में किसी को बुलाया नहीं जाता बल्कि पकड़कर या घसीटकर लाया जाता है। चूंकि चुराने वाला पुलिस वाला ही था, सो उसे बाइक के साथ बुलाया गया। थाने की चारदीवारी में अपनी बाइक को देख खुशी का ठिकाना न रहा। सोचा आज अपने साथ ले जाऊँगा। तभी जैसे लगा कि बाइक मुझसे कुछ कहना चाहती है। मैं 'हम दिल दे चुके सनम' फिल्म के अजय देवगन की तरह ऐश्वर्या रूपी बाइक की बातें सुनने लगा। वह कहती रही – जानते भी हो पेट्रोल की कीमत क्या है! क्या इतना महंगा पेट्रोल मुझ पर खर्च सकते हो? मैं उस पुलिस वाले के साथ बहुत खुश हूँ। उसके एक महीने की ऊपरी कमाई तुम्हारे साल भर की कमाई से कहीं अधिक है। उसके रौब से ही पेट्रोल बंक वाले मेरी टंकी भर देते हैं। हर समय मुझे चमकाने के लिए कोई न कोई तैयार रहता है। वह मुझे किसी चीज की कमी नहीं होने देता। यदि तुम मुझसे सच्चा प्यार करते हो तो मुझे अपने साथ ले जाने की बजाय उस पुलिस वाले को ही सौंप दोगे। यह सुन मैं एक क्षण के लिए अवाक रह गया। लेकिन दूसरे ही क्षण थानेदार के पास पहुँचा और अपना केस वापस ले लिया। मैंने चोर पुलिस वाले से इतना भर कहा कि कोई भी चीज हैसियत वाले के पास ही होनी चाहिए। यह बाइक आपके पास ही चमचमा सकती है। बस मेरी आपसे इतनी सी विनती है कि इस पर फिर कभी चालान का बदचलन दाग न लगे। वैसे मैं उसका उतना ख्याल नहीं रख पाऊँगा जितना आप रख सकते हो। पुलिस वाला खुशी-खुशी बाइक लेकर चला गया। उस दिन मुझे एक बात और समझ में आई कि सभी फिल्में सभी लोग नहीं देखते। नहीं तो उसे सलमान खान बनने में देर नहीं लगती और न ही हम 'बाइक' दे चुके सनम! कहलाते।

शिवाजी की धरती महाराष्ट्र में क्यों 'जिंदा' है औरंगजेब की मानसिकता?

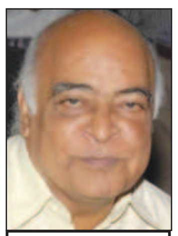

अशोक भाटिया

यह हैरानी और विडंबना है कि स्वतंत्र और संप्रभु भारत में भी औरंगजेब के 'फैन क्लब' हैं । सोशल मीडिया पर उसके नाम के समूह सक्रिय हैं और वे लगातार पोस्ट लिख रहे हैं लेकिन यह पराकाष्ठा है और अस्वीकार्य भी है कि देश में एक तबका आज भी औरंगजेब को अपना 'नायक' मानता है। अदालतों के भीतर की बहस के दौरान ऐसी दलीलें दी जा रही हैं- औरंगजेब क्रूर और निर्दयी नहीं था। वह आक्रांता भी नहीं था। ऐसी दलीलों पर हैरानी होती है और हंसी भी आती है। हम सांप्रदायिक सौहार्द के पक्षधर हैं और हमारा संविधान भी यही सिखाता है, लिहाजा संप्रदाय के नाम पर भडक़ाए गए दंगों और हिंसक उपद्रवों पर टिप्पणी करने से हम परहेज करते हैं लेकिन महाराष्ट्र के कोल्हापुर, अहिल्या नगर आदि इलाकों में, औरंगजेब के महिमा-मंडन और आपत्तिजनक जुमलों के मद्देनजर जो सांप्रदायिक तनाव भडक़ा, उसकी भर्त्सना की जानी चाहिए।

औरंगजेब का कालखंड बीते 300 साल से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है लेकिन कुछ लोग आज भी उसे जिंदा रखे हैं। 21वीं सदी के भारत में औरंगजेब क्यों और किस तरह प्रासंगिक है? मुगल बादशाहत को खत्म हुए सदियां बीत चुकी हैं। ब्रिटिश साम्राज्य की चूलें भी हमने हिला दी और आज हम एक आजाद मुल्क हैं।

इतिहास में मुर्दों को जिंदा रहने दें और अतीत को दर्ज करते रहें लेकिन औरंगजेब को 'देश का बाप' मानने और प्रचारित करने का औचित्य क्या है? मुगल बादशाहों ने अपनी ही जमात पर भी खूब जुल्म ढाए थे। औरंगजेब कितना मानवीय अथवा क्रूर था, उसका एक ही उदाहरण पर्याप्त है।

उसने सिखों के नवें गुरु तेगबहादुर जी का सिर धड़ से अलग करवा दिया था। उसी स्थान पर शीशगंज गुरुद्वारा बना है लेकिन हमारी गुलाम मानसिकता देखिए कि पास में ही 'औरंगजेब रोड' भी बनी है। औरंगजेब ने हमारे प्राचीन देश पर करीब 50 साल हुकूमत की। उस दौरान कितने मंदिर तोड़े होंगे, कितनी हत्याएं की होंगी, इसका ठोस, प्रामाणिक इतिहास उपलब्ध नहीं है लेकिन औरंगजेब, बाबर, अकबर, जहां गीर, शाहजहां सरीखे बादशाहों को आज भी स्मरण करने का औचित्य क्या है? क्या उन्होंने हिंदुस्तान के गौरव और गर्व के लिए ऐसा कोई योगदान दिया था। यह भी एक विडम्बना है कि अलग – अलग राजनीतिक दलों द्वारा अपने दल के हित को देख कर राजनीतिक बयानबाजी , रैलिया . बंद का योजना किया जा रहा है . उन्हें समझ लेना चाहिए कि रैलियों में झूठी लाल डायरी और कागज़ के टुकड़ों को लहराकर चुनाव नहीं जीता जा सकता. कागज़ की पर्ची से इमरान खान भी अपनी कुर्सी नहीं बचा पाया- ताजा उदाहरण है. तो निश्चित ही यह कुर्सी की राजनीतिक लड़ाई को अलग रखने का वक्त है. पक्ष-विपक्ष के नेता सच्चाई को देखकर जिस तरह मुंह मोड़ रहे हैं- उन्हें नहीं पता कि 'अनुवांशिकी विश्वयुद्ध' विश्व में सबसे खतरनाक नतीजे पर है जिसके आगे बर्बादी के अलावा कुछ और हो ही नहीं सकता. ईरान अफगानिस्तान इसका बड़ा सबूत हैं. पाकिस्तान और बांग्लादेश की स्थितियों पर परदा डालकर बात करने की जरूरत वहां के जनसांख्यिकीय बदलाव ने बहुत पहले ही ख़त्म कर दी है. श्रीलंका ने उसे अपनी तरह से डील करना चाहा और दुष्परिणाम सामने हैं. इन सबमें म्यांमार का मॉडल है जो हमारा कभी नहीं होना चाहिए.

पाकिस्तान और बांग्लादेश की स्थितियों पर परदा डालकर बात करने की जरूरत वहां के जनसांख्यिकीय बदलाव ने बहुत पहले ही ख़त्म कर दी है. श्रीलंका ने उसे अपनी तरह से डील करना चाहा और दुष्परिणाम सामने हैं.

हमारा मॉडल संविधान और क़ानून है. भारत का हीरो औरंगजेब की बजाय शिवाजी ही रहें, इसके लिए संविधान और क़ानून का डर और सम्मान दोनों जरूरी है.

डर या सम्मान का ज्यादा और कम होना भी बुरा है. कॉमन सिविल कोड के लिए सर्वश्रेष्ठ समय है. सवाल है कि सत्तालोलुप नेता तैयार हैं क्या?

शमी के पेड़ की जड़ को हाथ में बांधने से दूर होगा शनि दोष

हर पेड़ और पौधे का एक स्वतंत्र चरित्र होता है। अपने विभिन्न प्रभावों के कारण पौधे का रूप, रंग, सुगंध, फल और फूल सभी विभिन्न ग्रहों से जुड़े हुए हैं। वास्तु शास्त्र में कई ऐसी चीजें बताई गई हैं, जिनके करने और ना करने से हमारे जीवन पर उसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव पड़ते हैं। हरे पौधे और पेड़ हमारे जीवन में आशा और सुंदरता की भावना लाते हैं। संकटमोचन मंदिर के पंडित उदय पाण्डेय की मानें तो कुछ पौधे हमारे घरों में सौभाग्य और समृद्धि ला सकते हैं। शमी भी ऐसा ही एक पौधा है।

शमी की जड़ का महत्व

शमी पेड़ की लकड़ी को यज्ञ की वेदी के लिए पवित्र माना जाता है। वहीं शमी के पेड़ का संबंध शनि देव से माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार, जो लोग नीलम रत्न धारण नहीं कर सकते वो लोग शमी की जड़ हाथ में बांध सकते हैं। जिसका फल भी व्यक्ति को नीलम के बराबर ही प्राप्त होगा और शनि दोष, साढ़ेसाती से जल्द छुटकारा मिलेगा। शमी को गणेश जी का प्रिय पेड़ माना जाता है। इसलिए भगवान गणेश की आराधना में शमी

के पेड़ की पत्तियों को अर्पित किया जाता है।

इस हाथ में बांध सकते हैं जड़

पटना के ज्योतिषाचार्य ऋषि कुलश्रेष्ठ की मानें तो ज्योतिष शास्त्र अनुसार, वृष राशि, मिथुन राशि, कन्या राशि, तुला राशि, मकर राशि और कुंभ राशि के लोग शमी की जड़ अपने हाथ में बांध सकते हैं। वहीं जन्मकुंडली में अगर शनिदेव शुभ में विराजमान हैं, तो भी शमी की जड़ बांध सकते हैं। संकटमोचन मंदिर के पंडित उदय पाण्डेय बताते हैं कि जिस जातक की कुंडली में शनि का दुष्प्रभाव होता है, वे जातक भी शमी की जड़ को हाथ में बांध सकते हैं। इसे जहां महिलाएं बांए हाथ में तो पुरुष दाएं हाथ में बांध सकते हैं।

इस विधि से धारण करें शमी की जड़

उदय पाण्डेय की मानें तो शमी की जड़ घर पर लाने के बाद सबसे पहले इसे गंगाजल से शुद्ध कर लें। इसे काले कपड़े में बांध लें। शमी के पेड़ की जड़ को शनिवार या शनि नक्षत्र के दिन शाम के समय हाथ में बांध सकते हैं। इसको बांधने के बाद शनि देव के बीज मंत्र ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः का 108 बार जाप करें और फिर इसे किसी ब्राह्मण से बंधवा लें।

वास्तु शास्त्र का प्रयोग कर घर में लगाएं पेड़-पौधे

वास्तु शास्त्र का प्रयोग घर में फूल और पेड़ लगाने के लिए भी किया जाता है। जब आप अपने घर में एक पेड़ लगा रहे हैं, तो पौधों का भी वास्तु देखना आवश्यक होता है, क्योंकि वास्तु के अनुसार पेड़ पौधे लगाने के साथ घर की ऊर्जा भी प्रभावित होती है।

आषाढ़ माह की कालाष्टमी आज

हर महीने कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर कालाष्टमी मनाने की परंपरा चली आ रही है। 10 जून 2023, शनिवार को आषाढ़ मास में कालाष्टमी पड़ रही है। कालाष्टमी व्रत के दिन बाबा काल भैरव की विधिवत पूजा अर्चना किए जाने के बारे में बताया गया है। बाबा काल भैरव को काशी के कोतवाल के रूप में भी जाना जाता है। शिवालयों और मठों में इस दिन बड़े ही धूमधाम से पूजा आयोजित की जाती है और भगवान शिव के रूप में इस दिन काल भैरव का आह्वान कर उनकी पूजा की जाती है। बाबा काल भैरव की पूजा पूरे मन से करने से भक्त के दोष, पाप और कष्टों का नाश होता है। इसके अलावा घर में किसी भी तरह की नकारात्मक शक्तियों और भूत-प्रेत का भय भी दूर होता है। पूजा करने वाले व्यक्ति के आत्मविश्वास में भी बढ़ोत्तरी होती है। बाबा काल भैरव की किन विधियों के द्वारा पूजा की जा सकती है आइए जानते हैं।

कालाष्टमी 2023 तिथि

10 जून, दिन शनिवार को दोपहर 02 बजकर 01 मिनट पर आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि शुरू हो रही है और 11 जून की दोपहर 12 बजकर 05 मिनट पर यह तिथि खत्म हो रहा है। कालाष्टमी व्रत के दिन रात के समय बाबा काल भैरव की पूजा की जाने की मान्यता है ऐसे में इस माह की कालाष्टमी जोकि 10 जून 2023, शनिवार को पड़ रही हैं रात के समय पूजा करने के अनेक लाभ होंगे।

कालाष्टमी पूजा विधि -कालाष्टमी व्रत के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठें और स्नान कर लें।

बाबा काल भैरव के मंदिर जाएं या घर में उनके चित्र को विधिवत स्थापित करें।

साथ में भगवान भोलबाबा, मां पार्वती, गणेशजी के चित्र भी लगाएं।

विधि-विधान से करें पूजा

पूजा के समय घर के मंदिर में दीप जलाएं और आरती कर भगवान को भोग चढ़ाएं।

बाबा काल भैरव का ध्यान करें और गंगाजल को हाथ में लेकर व्रत संकल्प करें।

दूध, दही धूप, दीप और भोग काल भैरव को अर्पित करें।

पूजा में उड़द दाल अर्पित करें और सरसों का तेल भी अर्पित करें।

कालाष्टमी व्रत करने का महत्व

बाबा काल भैरव भगवान शिव के रौद्र माने गए हैं। भैरव यानी भय को हरा देने वाला और जगत की रक्षा कर्ता। कालाष्टमी के दिन व्रत और पूजा करने से हर एक भय से बाबा काल भैरव भक्त को मुक्त करते हैं। साथ ही शत्रुओं से भी पीछा छूट पाता है।

सफलता मिलने पर अपने कर्तव्य भूलें नहीं अपने वादे निभाने से पीछे ना हटें

कुछ लोग होते हैं जो थोड़ी सफलता मिलने पर ही अपने कर्तव्य भूल जाते हैं। यहीं वे सबसे बड़ी भूल कर देते हैं। उन्हें यह बात पता होनी चाहिए कि उन्हें सफलता तभी मिली है जब उन्हें अपने कर्तव्यों का निर्वहन ठीक प्रकार से किया है। रामचरित मानस के अनुसार सीता की खोज करते-करते राम और लक्ष्मण पहले हनुमान से मिले। हनुमान ने उनकी मुलाकात सुग्रीव से कराई। सुग्रीव को उसके बड़े भाई बाली ने अपने राज्य से निकाल दिया था। उसकी पत्नी रोमा को भी अपने पास ही रख लिया। राम ने सुग्रीव को मदद का भरोसा दिलाया। राम ने अपना वादा निभाया। राम ने बाली को मार कर किष्किंधा का राजा सुग्रीव को बना दिया। सुग्रीव को बरसों बाद राज्य और स्त्री का संग मिला। वो पूरी तरह राज्य को भोगने और स्त्री सुख में लग गया। तब वर्षा ऋतु भी शुरू हो चुकी थी। भगवान राम और लक्ष्मण एक पर्वत पर गुफाओं में निवास कर रहे थे। वर्षा ऋतु निकल गई। आसमान साफ हो गया। राम को इंतजार था कि सुग्रीव आएंगे और सीता की खोज शुरू हो जाएगी। लेकिन सुग्रीव पूरी तरह से राग-रंग में डूबे हुए थे। उन्हें यह याद भी नहीं रहा कि भगवान राम से किया वादा पूरा करना है। जब बहुत दिन बीत गए तो राम ने लक्ष्मण को सुग्रीव के पास भेजा। लक्ष्मण ने सुग्रीव पर क्रोध किया तब उन्हें अहसास हुआ कि विलासिता में आकर सुग्रीव को अपने वचन भूलने और विलासिता में भटकने के लिए सबसे सामने शर्मिंदा होना पड़ा, माफी भी मांगनी पड़ी। इसके बाद सीता की खोज शुरू की गई।

यह प्रसंग सिखाता है कि थोड़ी सी सफलता के बाद अगर हम कहीं ठहर जाते हैं तो मार्ग से भटकने का डर हमेशा ही रहता है। कभी भी छोटी-छोटी सफलताओं को अपने ऊपर हावी ना होने दें। अगर हम छोटी या प्रारंभिक सफलताओं में उलझ कर रह जाएंगे तो कभी बड़े लक्ष्यों को हासिल नहीं कर पाएंगे।

मारुति के रूप में पैदा हुए थे बजरंगबली, कैसे पड़ा हनुमान नाम?

हनुमान जी सभी भक्तों के बेहद प्रिय हैं। भक्त उनकी पूजा पाठ कर आनंदित महसूस करते हैं। खासकर हनुमान जयंती पर भक्तों में एक खासा उत्साह देखा जाता है। हर साल चैत्र पूर्णिमा पर हनुमान जयंती मनाई जाती है। इस बार यह 6 अप्रैल को है। ऐसे में हम आपको हनुमान जी से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें बताने जा रहे हैं। जैसे बजरंगबली का नाम आखिर हनुमान कैसे पड़ा? इसके पीछे एक रोचक कहानी है।

ऐसे पड़ा मारुति का नाम हनुमान

हनुमान जी को शिवजी की 11वां रुद्रावतार माना जाता है। उनके कुल 108 नाम है। इसमें हनुमान और मारुति भी शामिल है। जन्म के समय उनका नाम मारुति हुआ करता था। ये नाम उन्हें उनकी माता अंजनि ने दिया था। उनके पिता का नाम वानरराज केसरी था। हनुमान जी जन्म से बड़े नटखट स्वभाव के थे। उन्हें खेलना कूदना और मस्ती करना बड़ा पसंद था। उन्हें खाने पीने का भी बड़ा शौक था। हनुमान जी जब छोटे थे तो बचपन में एक दिन उन्हें बहुत तेज भूख

लगी। ऐसे में वह खाने की तलाश में निकल पड़े। उन्हें दूर एक लाल रंग का गोला दिखाई दिया। वह उड़ते हुए इसके पास गए और गोले को अपने मुंह में निगल लिया।

ऐसा करते ही पूरे संसार में अंधेरा छा गया। दरअसल उन्होंने सूर्यदेव को फल समझकर निगल लिया था। अब सभी देवी देवता मारुति के पास पहुंचे। उनसे सूर्यादेव को बाहर निकालने को कहा।

जब इन्द्रदेव ने तोड़ी मारुति की हनु (ठोड़ी)

हनुमान जी बाल हठ पर अड़े रहे। उन्होंने किसी की बात नहीं मानी। यह देख इन्द्रदेव को बड़ा गुस्सा आया। उन्होंने अपना वज्र उठाया और मारुति पर प्रहार कर दिया। इससे मारुति की हनु यानी ठोड़ी थोड़ी टूट गई, जिसके बाद से उनका नाम हनुमान पड़ गया। इस कहानी का जिक्र आपको हनुमान चालीसा में भी पढ़ने को मिलता है।

तो इस तरह मारुति हनुमान बन गए।

वैसे हनुमान जी के मारुति के अलावा और भी कई नाम हैं। इनमें बजरंगबली, पवनपुत्र समेत 108 नाम शामिल हैं। आज हम इन सभी नामों पर एक नजर डालेंगे। आप चाहें तो अपने बच्चों का नामकरण भी इन नामों के आधार पर कर सकते हैं। यह 108 नाम इस प्रकार हैं।

हनुमान जी के 108 नाम

1.भीमसेन सहायकृते
2. कपीश्वराय
3. महाकायाय
4. कपिसेनानायक
5. कुमार ब्रह्मचारिणे
6. महाबलपराक्रमी
7. रामदूताय
8. वानराय
9. केसरी सुताय
10. शोक निवारणाय
11.अंजनागर्भसंभूताय
12. विभीषणप्रियाय
13. वज्रकायाय
14. रामभक्ताय
15.लंकापुरीविदाहक
16. सुग्रीव सचिवाय
17. पिंगलाक्षाय
18. रिमर्कटमर्कटाय
19. रामकथालोलाय
20. सीतान्वेणकर्त्ता
21. वज्रनखाय
22. रुद्रवीर्य
23. वायु पुत्र
24. रामभक्त
25. वानरेश्वर
26. ब्रह्मचारी
27. आंजनेय
28. महावीर
29. हनुमत
30. मारुतात्मज
31. तत्वज्ञानप्रदाता
32. सीता मुद्राप्रदाता
33. शोकवह्निकक्षेत्रे
34. र्वमायाविभंजन
35. सर्वबन्धविमोत्र
36. रक्षाविध्वंसकारी
37. परविद्यापरिहारी
38. परमशौर्यविनाशय
39. परमंत्र निराकर्त्रे
40. परयंत्र प्रभेदकाय
41. सर्वग्रह निवासिने
42. सर्वदुःखहराय
43. सर्वलोकचारिणे
44. मनोजवय
45. पारिजातमूलस्थाय
46. सर्वमूत्ररूपवते
47. सर्वतंत्ररूपिणे
48. सर्वयंत्रात्मकाय
49. सर्वरोगहराय
50. प्रभवे
51. सर्वविद्यासम्पत
52. भविष्य चतुरानन
53. रत्नकुण्डल पाहक
54. चंचलद्वाल
55. गंधर्वविद्यात्त्वज्ञ
56. कारागृहविमोक्त्री
57. सर्वबंधमोचकाय
58. सागरोत्तारकाय
59. प्रज्ञाय
60. प्रतापवते
61.बालार्कसदृशनाय
62. शग्रीवकुलान्तक
63. लक्ष्मण प्राणदाता
64. महाद्युतये
65. चिरंजीवने
66. दैत्यविघातक
67. अक्षहन्त्रे
68. कालनाभाय
69. कांचनाभाय
70. पंचवक्त्राय
71. महातपसी
72. लंकिनीभंजन
73. श्रीमते
74. सिंहिकाप्राणहर्ता
75. लोकपूज्याय
76. धीराय
77. शूराय
78. दैत्यकुलान्तक
79. सुरारर्चित
80. महातेजस
81. रामचूड़ामणिप्रदाय
82. कामरूपिणे
83. मैनाकपूजिताय
84. मार्तण्डमण्डलाय
85. विनितेनन्द्रिय
86. रामसुग्रीव सन्धात्रे
87. महारावण मर्दनाय
88. स्फटिकाभाय
89. वागधीक्षाय
90. नवव्याकृतपंडित
91. चतुर्बाहवे
92. दीनबन्धवे
93. महात्मने
94. भक्तवत्सलाय
95.अपराजित
96. शुचये
97. वाग्मिने
98. दृढ़व्रताय
99. कालनेमि प्रमथनाय
100. दान्ताय
101. शान्ताय
102. प्रसनात्मने
103. शतकण्ठमदापहते
104. योगिने
105. अनघ
106. अकाय
107. तत्त्वगम्य
108. लंकारि

शनि देव हैं लोगों के सच्चे मित्र उनकी कृपा पाने का ये है अचूक रास्ता

शनि देव को लोग क्रूर ग्रह मानते हैं, किंतु ऐसा नहीं है। शनि देव तो न्यायाधीश हैं और मित्रवत न्यायाधीश हैं। वह मनुष्यों के गलती करने पर सुधरने का पूरा मौका देते हैं, किंतु यदि व्यक्ति फिर भी नहीं मानता है तो उसे दंड देने में वह किसी भी तरह का संकोच नहीं करते हैं। मनुष्यों के गलती करने पर शनि देव के संकेत किसी को भी अच्छे नहीं लगते हैं।

शास्त्रों में भी कहा गया है कि हितं मनोहारी च दुर्लभ वचः अर्थात हितकारी वचन कभी भी मधुर नहीं हो सकते हैं और मित्र भी वही सच्चा है, जो हमारी कमियों को मजबूती के साथ बता सके। संत कबीर दास जी ने तो इस बारे में कहा ही है कि निंदक नियरे राखिए आंगन कुटि छवाए यानी निंदा करने वाले को अपने ही घर के आंगन में रखना चाहिए। शनि देव भी ऐसे ही सच्चे मित्र की तरह व्यवहार करते हैं। हम राजी से माने तो ठीक है, वरना शनि देव तो दंड देकर भी सुधार करवा देते हैं। जब किसी व्यक्ति की कुंडली में शनि की साढ़े साती चलती है, तब शनि देव व्यक्ति के बीते काल के कर्मों का अवलोकन करने लगते हैं। एक तरह से वह ऑडिट करते है और ऑडिट में यदि किसी तरह की गड़बड़ी पकड़ में आई तो उस गलती के अनुसार, सजा मिलने भी तय है। व्यक्ति के जिस तरह के कर्म होते हैं, शनि देव उसके कर्मों के अनुसार ही उसका फल प्रदान करते हैं। वह कठोर और परिश्रमी हैं। यूं तो शनि देव सूर्य के पुत्र हैं, किंतु पुत्र होने के बाद भी सूर्य देव और शनि के बीच शत्रुता पूर्ण संबंध माना जाता है। हालांकि, शत्रु शब्द उचित नहीं है, क्योंकि पिता और पुत्र कभी भी शत्रु नहीं हो सकते हैं। हां वैचारिक मतभेद के कारण उनका स्वभाव विपरीत है, जिसे लोग शत्रुवत समझते हैं। शनि को प्रसन्न करने के लिए आपको सदैव कठोर परिश्रम करना होगा।

ऑफिस की इस दिशा में बनी खिड़की चमकाएगी किस्मत

नौकरी या बिजनेस करने वाले लोग अक्सर अपना ज्यादा से ज्यादा समय ऑफिस में ही बिताते हैं। इसलिए ऑफिस का माहौल हमारे जीवन में बहुत महत्व रखता है। वास्तु शास्त्र में ऑफिस से जुड़े कुछ नियम बताएं गए हैं। अगर ऑफिस में बैठने की व्यवस्था, दिशा आदि ठीक हो तो व्यक्ति दिन दोगुनी रात चौगुनी तरक्की करने लगता है। काम के नए अवसर मिलने लगते हैं, ऑफिस के कर्मचारी खुश रहते हैं। आइए जानते हैं वास्तु के अनुसार कैसा होना चाहिए ऑफिस।

वास्तु के अनुसार ऐसा हो ऑफिस

- वास्तु शास्त्र के अनुसार ऑफिस में बैठने की दिशा सही होनी बहुत जरूरी है। अगर आप बिजनेस में तरक्की चाहते हैं तो ध्यान रखें कि जहां बैठते हों वहां आपके कंधे का बगल में, पीठ के पीछे खिड़की नहीं होना चाहिए। वास्तु में कहते हैं कि इससे तरक्की रुक जाती है।
- वास्तु जानकारों का कहना है कि ऑफिस में उत्तर दिशा में एक खिड़की बनाना शुभ होता है। इस दिशा में खिड़की बनाने से सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। वहीं शास्त्रों उत्तर दिशा को धन के देवता कुबेर की दिशा माना जाता है। इसलिए इस दिशा में खिड़की बनाने से कुबेर देव की कृपा बनी रहती है और कभी पैसों की कमी नहीं होती।
- वास्तु शास्त्र के अनुसार जहां आप आपके बैठते हैं वहां से गली नहीं दिखाई देनी चाहिए। ऐसा होने से तरक्की में बाधा आती है।
- वास्तु शास्त्र के अनुसार ऑफिस कभी भी दक्षिण, पश्चिम, उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पश्चिम में नहीं होना चाहिए। यह अशुभ माना जाता है इससे बिजनेस में परेशानियां आती रहती है।
- वास्तु शास्त्र के अनुसार ऑफिस का रिसेप्शन हमेशा पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में होना चाहिए और बैठने वाला मुंह उत्तर या पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। कहते हैं इससे नए अवसर प्राप्त होते हैं।
- वास्तु शास्त्र के अनुसार ऑफिस में कर्मचारियों की सीट ऐसी जगह होना चाहिए। जहां काम करते हुए कर्मचारियों का मुंह उत्तर-पूर्व दिशा में हो। इससे बिजनेस में प्रगति होगी।

गोमेद धारण करने से शेयर बाजार सट्टा और लॉटरी में लाभ

वैदिक ज्योतिष अनुसार हर ग्रह का अपना एक प्रतिनिधि स्टोन होता है। जिसको धारण करके उस ग्रह के शुभ प्रभाव को बढ़ाया जा सकता है। यहां हम बात करने जा रहे हैं गोमेद रत्न के बारे में जिसका संबंध राहु ग्रह से माना जाता है। मान्यता है जो व्यक्ति गोमेद रत्न को धारण करता है उसका शेयर बाजार, सट्टा और लॉटरी में लाभ हो सकता है। साथ ही गोमेद रत्न धारण करने से अज्ञात भय खत्म होता है। आइए जानते हैं गोमेद रत्न धारण करने की विधि और लाभ...

ये लोग कर सकते हैं धारण

गोमेद रत्न को वृष, मिथुन, कन्या, मिथुन और कुंभ राशि के जातक धारण कर सकते हैं। साथ ही अगर किसी व्यक्ति की जन्मकुंडली में राहु छठे, आठवें या लग्न भाव में स्थित हो तो भी गोमेद धारण कर सकते हैं। वहीं राहु ग्रह अगर कुंडली में उच्च या शुभ स्थित हो तो भी गोमेद धारण किया जा सकता है। लेकिन गोमेद के साथ माणिक्य यो मोती धारण नहीं करें। अन्यथा नुकसान हो सकता है। वहीं अगर राहु की महादशा चल रही हो तो भी गोमेद रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद धारण करने से मिलते हैं ये लाभ

वैदिक ज्योतिष अनुसार गोमेद धारण करने से राहु दोष से मुक्ति मिलती है। वहीं अगर आप राजनीति से जुड़े हुए हैं तो भी गोमेद धारण कर सकते हैं। साथ

ही जो लोग शेयर बाजार, सट्टा और लॉटरी में धन का निवेश करते हैं, उनके लिए भी गोमेद धारण करना शुभ हो सकता है। गोमेद को धारण करने से एकाग्रता बढ़ती है और अनद्रिा की समस्या से मुक्ति मिलती है।

इस विधि से करें धारण

गोमेद को बाजार से कम से कम 7 से सवा 8 रत्ती का धारण करना चाहिए। साथ ही गोमेद को शनिवार के दिन स्वाती, आर्दा व शतभिषा नक्षत्र में धारण करना शुभ रहता है। वहीं अगर धातु की बात करें तो गोमेद को अष्टधातु या चांदी में धारण कर सकते हैं। वहीं अंगूठी धारण करने से पहले सबसे पहले गोमेद की अंगूठी को गंगाजल, दूध, शहद के मिश्रित घोल में एक रात के लिए रख दें। इसके बाद ओम रां रावे नमः मंत्र का एक माला जप करें और मध्यमा उंगली में धारण करें। वहीं अंगूठी धारण करने के बाद राहु ग्रह से संबंधित दान निकालकर किसी मंदिर के पुजारी को देकर आएं।

महिलाओं पर बयान देकर बुरे फंसे शाहिद कपूर, 'कबीर सिंह' से हुई तुलना

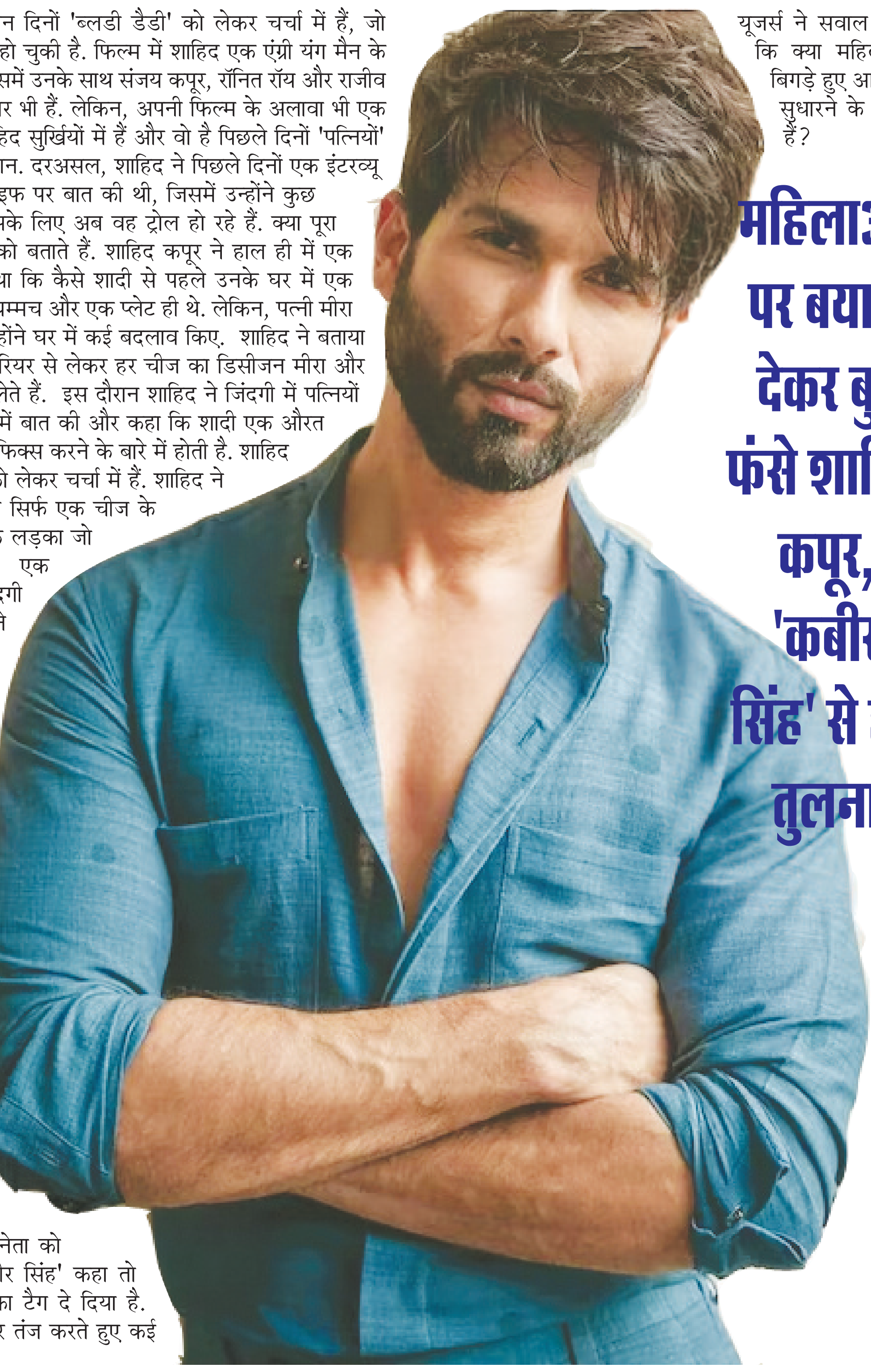

शाहिद कपूर इन दिनों 'ब्लडी डैडी' को लेकर चर्चा में हैं, जो ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है. फिल्म में शाहिद एक एंग्री यंग मैन के किरदार में हैं और इसमें उनके साथ संजय कपूर, रॉनित रॉय और राजीव खंडेलवाल जैसे स्टार भी हैं. लेकिन, अपनी फिल्म के अलावा भी एक चीज को लेकर शाहिद सुर्खियों में हैं और वो है पिछले दिनों 'पत्नियों' पर दिया उनका बयान. दरअसल, शाहिद ने पिछले दिनों एक इंटरव्यू में अपनी मैरिड लाइफ पर बात की थी, जिसमें उन्होंने कुछ ऐसा कह दिया जिसके लिए अब वह ट्रोल हो रहे हैं. क्या पूरा माजरा चलिए आपको बताते हैं. शाहिद कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया था कि कैसे शादी से पहले उनके घर में एक समय पर सिर्फ दो चम्मच और एक प्लेट ही थे. लेकिन, पत्नी मीरा के आने के बाद उन्होंने घर में कई बदलाव किए. शाहिद ने बताया कि अब घर के इंटीरियर से लेकर हर चीज का डिसीजन मीरा और वह साथ मिलकर लेते हैं. इस दौरान शाहिद ने जिंदगी में पत्नियों के किरदार के बारे में बात की और कहा कि शादी एक औरत के एक आदमी को फिक्स करने के बारे में होती है. शाहिद अपने इसी बयान को लेकर चर्चा में हैं. शाहिद ने कहा था कि, 'शादी सिर्फ एक चीज के बारे में होती है. एक लड़का जो बिगड़ा होता है, एक लड़की उसकी जिंदगी में उसे फिक्स करने के लिए आती है.' उन्होंने आगे कहा कि एक लड़के की पूरी की पूरी जिंदगी फिक्स होने और बेहतर बनने की जर्नी के बारे में होती है और जिंदगी इसी का नाम है. बस फिर क्या था, शाहिद कपूर के इस बयान को लेकर सोशल मीडिया पर बवाल मच गया है. कई यूजर्स ने अभिनेता को रियल लाइफ 'कबीर सिंह' कहा तो कई मैन चाइल्ड का टैग दे दिया है. शाहिद के बयान पर तंज करते हुए कई यूजर्स ने सवाल उठाया है कि क्या महिलाएँ सिर्फ बिगड़े हुए आदमियों को सुधारने के लिए होती हैं?

'किस' तो दूर की बात, हमारे समय में 'सीता' बनी एक्ट्रेस को गले तक नहीं लगाते थे, भड़कीं दीपिका चिखलिया?

कृति सेनन इन दिनों एक कॉन्ट्रोवर्सी के चलते चर्चा में हैं. अभिनेत्री इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'आदिपुरुष' के प्रमोशन में जुटी हैं, जिसमें वह 'माता सीता' के किरदार में दिखाई देंगी. इस किरदार में कृति खूब जंच रही हैं, लेकिन हाल ही में कुछ ऐसा हो गया कि वह ट्रोल्स के निशाने पर आ गईं. वजह थे फिल्म के डायरेक्टर ओम राउत. दरअसल, कृति सेनन से हाल ही में फिल्म के डायरेक्टर ओम राउत जब मंदिर परिसर में मिले तो उन्होंने अभिनेत्री को गले लगाया और फिर 'किस' कर लिया, ये पूरा वीडियो कैमरे में भी कैद हो गया और जैसे ही यह सामने आया, सोशल मीडिया पर बवाल मच गया. यूजर्स ने इसे धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला वाकया बताते हुए अभिनेत्री को ट्रोल करना शुरू कर दिया.

कृति सेनन और ओम राउत के इस वीडियो पर मचे बवाल पर अब रामानंद सागर की 'रामायण' में 'माता सीता' का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री दीपिका चिखलिया ने भी प्रतिक्रिया दी है. दीपिका चिखलिया ने एक चैनल से बातचीत में इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी और उन्होंने भी कृति सेनन और ओम राउत के वीडियो की निंदा की है. दीपिका का इस पूरे मुद्दे पर क्या कहना है, आइये जानते हैं.

कृति और ओम राउत के वीडियो पर बात करते हुए दीपिका चिखलिया कहती हैं- 'मुझे लगता है कि आज कल के स्टार्स के साथ एक बहुत बड़ी दिक्कत है और वो ये कि वे ना तो किरदार में घुसते हैं और ना ही इसके इमोशन को समझ पाते हैं. उनके लिए रामायण महज एक फिल्म होगी.

शायद ही इन स्टार्स ने इस फिल्म में अपनी आत्मा को झोंका होगा. कृति आज की जनरेशन की अभिनेत्री हैं. आज के समय में किसी को गले लगाना या किस करना एक स्वीट जेस्चर माना जाता है. उन्होंने कभी खुद को सीता समझा ही नहीं होगा.'

दीपिका आगे कहती हैं- 'ये सिर्फ और सिर्फ इमोशन की बात है. मैंने सीता जी के किरदार को जीया है. लेकिन, आज की अभिनेत्रियां इसे सिर्फ एक रोल समझती हैं. फिल्म खत्म होने के बाद उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता. हमारे सेट की बात करें तो तब किसी की इतनी भी हिम्मत नहीं थी कि वह हमारा नाम तक लेकर पुकार सके. जब हम सेट में अपने किरदार में होते थे तो सेट पर कई लोग तो आकर पैर छूने लगते थे. वो दौर ही अलग था.'

'उस समय हमें एक्टर समझा ही नहीं जाता था. हमें तो लोग भगवान ही समझ बैठे थे. तो किसी को किस करना तो बहुत दूर की बात, हम किसी को गले तक नहीं लगा सकते थे. आदिपुरुष की रिलीज के बाद सारे एक्टर अपने दूसरे प्रोजेक्ट में बिजी हो जाएंगे. शायद ऐसा भी हो कि वे अपने किरदार को ही भूल जाएं, लेकिन हमारे समय में ऐसा नहीं था. हमें तो भगवान की तरह ही ट्रीट किया जाने लगा था. ऐसा लगता था, जैसे हम सच में भगवान हैं और ऊपर से आए हैं. यही वजह है कि हमने कभी कुछ ऐसा नहीं किया, जो लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाए.'

अनुराग कश्यप उठाते हैं बेटी के मंगेतर का खर्च? लोगों ने किया सवाल, तो छलक आया आलिया का दर्द

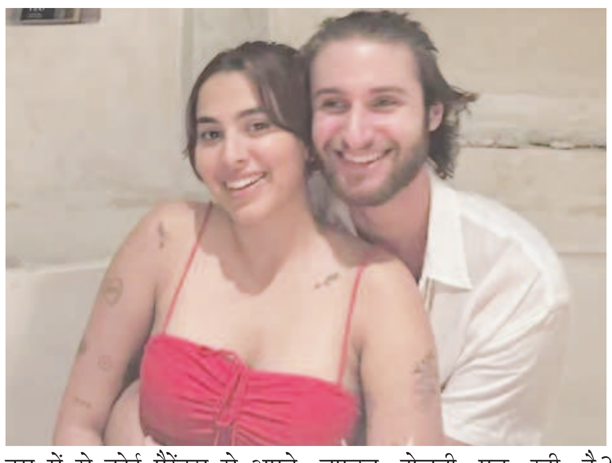

अनुराग कश्यप की बेटी आलिया कश्यप ने पिछले महीने बाली (इंडोनेशिया) में अपने ब्वॉयफ्रेंड शेन से सगाई कर ली थी. उन्होंने ब्वॉयफेंड के साथ अपने रिश्ते पर एक विस्तार से व्लॉग बनाया है, जिसमें वे प्रपोज और 22 साल की उम्र में सगाई करने के निर्णय पर खुलकर बात कर रही हैं. वीडियो के कमेंट सेक्शन में एक यूट्यूब यूजर ने तंज कसते हुए पूछा, 'वह क्या काम करते हैं? वह आपके पिता के पैसों पर जीते हैं. अच्छा है.' आलिया कश्यप ने ट्रोल्स को करारा जवाब देते हुए मंगेतर के पेशे के बारे में बताया.

आलिया कश्यप के जवाब से लगता है कि वे लोगों के इस तरह के सवालों वे तंग आ चुकी थीं, इसलिए उन्होंने जवाब देना जरूरी समझा. वे लिखती हैं, 'जब वे 15 साल के थे, तब से खुद की कंपनी चला रहे हैं. वे 17 साल की उम्र से आर्थिक रूप से पूरी तरह स्वतंत्र हैं. हम में से कोई पैरेंट्स से अपने खर्चों के लिए पैसे नहीं लेता है. मुझे समझ नहीं आता कि आपके जैसे लोगों में क्यों इतनी नफरत भरी हुई है?'

आलिया ने व्लॉग में अपने फैंस के सवालों के जवाब दिए. स्टारकिड से एक फैन ने पूछा कि क्या आपको 22 साल की उम्र में सगाई करने की वजह से लोगों की नफरत झेलनी पड़ रही है? आलिया ने कहा, 'यह मेरी जिंदगी है. अगर हम तैयार हैं, तो तैयार हैं. हम काफी वक्त से इस पर बात कर रहे हैं. हम बीते 6 महीनों से एक-साथ रह रहे हैं. हम 3 सालों से साथ हैं. जानती हूं कि मैं इस रिश्ते में बहुत खुश हूं. वे मेरे सोलमेट हैं.'

आलिया कश्यप ने कुछ वक्त पहले सगाई की तस्वीर शेयर करके मंगेतर के नाम लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखा था, 'आप मेरी जिंदगी का प्यार हैं. शुक्रिया यह बताने के लिए कि एक सच्चा प्यार कैसा होता है. आपको 'हां' कहना सबसे आसान काम था. मैं आपके साथ पूरी जिंदगी गुजारने का और इंतजार नहीं कर सकती. मैं आपको हमेशा प्यार करूंगी मंगेतर.' आलिया के मंगेतर ने भी इंस्टाग्राम पर सगाई की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'आप वह पहली शख्स हैं, जिसे मैं आपके मिलने से पहले हर दिन खोजता रहा था. जब मैंने आपसे पहली बार बात की थी, मुझे तुरंत आभास हो गया कि मेरे दिल में बसने वाली लड़की तुम हो. तुम मेरी सबसे अच्छी दोस्त हो, मेरी मंगेतर हो और मेरा प्यार हो.' बता दें कि आलिया कश्यप, अनुराग कश्यप की पहली पत्नी और फिल्म एडिटर आरती बजाज से उनकी बेटी हैं.

भोजपुरी सिंगर बाबुल बिहारी की गंदी हरकत, 13 साल की बच्ची से रेप, ऑनलाइन डाली थी आपत्तिजनक तस्वीरें, गिरफ्तार

'केकर बाप के डर', 'बंसी के साली सपनवा में आती है' जैसे कई भोजपुरी गानों को अपनी आवाज दे चुके भोजपुरी सिंगर अभिषेक उर्फ बाबुल बिहारी मुश्किलों में फंस गए हैं. बाबुल बिहारी के नाम से फेमस हो चुके भोजपुरी सिंगर को पुलिस ने नाबालिग के साथ रेप करने के आरोप में गिरफ्तार किया है. सिंगर पर बच्ची से रेप के साथ ही उसकी आपत्तिजनक तस्वीरों को सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का भी आरोप लगा है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. बाबुल बिहारी पर लगे इन आरोपों के बाद से फैंस हैरान हैं.

भोजपुरी सिंगर अभिषेक उर्फ बाबुल बिहारी पर लगा ये रेप का आरोप दो साल पुराना है. आरोप है कि सिंगर ने दो साल पहले राजीव नगर इलाके में रहने के दौरान एक 13 साल की बच्ची बहला-फुसलाकर एक होटल में ले गया और वहां बच्ची के साथ उसने दुष्कर्म किया. इतना ही नहीं, बच्ची की आपत्तिजनक तस्वीरें भी लीं.

वायरल हुईं तस्वीरें, तब खुली पोल

आरोप है कि घटना के बाद नाबालिग ने आरोपी से दूरी बना ली और उसके बारे में किसी को नहीं बताया. लेकिन जब दो साल बाद तस्वीरें जब भोजपुरी सिंगर ने पोस्ट की तो इस काली करतूत का पर्दाफाश हो गया. पीड़िता के परिवार ने जब इन तस्वीरों को जब देखा तो उन्होंने बच्ची से पूछताछ की. तब पीड़िता ने उस घटना के बारे में सारी जानकारी दी.

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

घटना की जानकारी के बाद पीड़ित बच्ची के माता-पिता पुलिस के पास पहुंचे और दो साल पहले की इस घटना को बताते हुए मामला दर्ज कराया. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की है.

इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया. रिपोर्ट्स की मानें तो बाबुल को शहर की एक अदालत में पेश किया गया था, जिसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. बता दें कि भोजपुरी सिंगर की उम्र महज 21 साल है.

क्या सोनाक्षी सिन्हा भी जल्द बनेंगी दुल्हन? फ्लॉप एक्टर ने किया इजहार, खुलकर लिखा-आई लव यू

शत्रुघ्न सिन्हा के घर क्या जल्द शहनाईयां बजने वाली हैं? क्या 'रामायण' की लाडो विदा होने वाली है? क्या शत्रुघ्न सिन्हा भी धर्मेंद्र, अमिताभ बच्चन और अनिल कपूर जैसे स्टार्स की लिस्ट में शामिल होने जा रहे हैं? स्टार्स की लिस्ट समझे या नहीं... नहीं समझे तो आपको बताते हैं कि आखिर हम किस लिस्ट की बात कर रहे हैं. धर्मेंद्र और अमिताभ जैसे कई स्टार्स अपने बच्चों की शादी कर ससुर बन गए हैं, लेकिन इस लिस्ट में अभी तक शत्रुघ्न सिन्हा का नाम एड नहीं हुआ है, लेकिन अब लगता है कि ये दिन जल्द आने वाला है. क्योंकि उनकी लाडली सोनाक्षी सिन्हा से खुलमखुला एक एक्टर ने दिल की बात कर अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर दिया है.

शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी सोनाक्षी सिन्हा 36 साल की हो गई हैं. उनका 36वां जन्मदिन हाल ही में गुजरा है. इस बर्थडे पर उनके रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड जहीर इकबाल ने अपने इश्क को खुल्लमखुल्ला कबूल किया, जिसके बाद से चर्चाएं तेज हो गईं कि शत्रुघ्न सिन्हा का दामाद को बॉलीवुड का ये फ्लॉप एक्टर ही बनने वाला है.

दो हिंट के बाद फैंस को शादी की उम्मीद

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल पिछले काफी समय से साथ हैं. दोनों को अक्सर एक-दूसरे का साथ सपॉर्ट किया जाता रहा है. दोनों के डेटिंग की खबरें पिछले काफी समय से हैं, लेकिन दोनों ने इस रिश्ते को चुप्पी बनाई हुई है. लेकिन दो जहीर इकबाल के प्यार के इजहारनामे और सलमान खान की बहन अर्पिता के 'भाभी' कहने के बाद फैंस ये उम्मीद कर रहे हैं कि मुस्लिम फ्लॉप एक्टर जहीर इकबाल जल्द सोनाक्षी सिन्हा के हमसफर बनने वाले हैं.

खास पोस्ट कर ऑफिशियल किया रिश्ता!

अपने रिश्ते पर अभी तक चुप्पी साधने वाले जहीर इकबाल ने सोनाक्षी सिन्हा के 36वें बर्थडे पर अपने प्यार के लिए खास पोस्ट किया. खुलेआम उन्होंने आई लव यू लिखकर साफ कर दिया ये रिश्ता दोस्ती से बढ़कर है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों की पहली मुलाकात सलमान खान ने करवाई थी, जिसके बाद दोनों की दोस्ती शुरू हुई थी.

जहीर ने खुलकर लिखा- आई लव यू

जहीर ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना... तुम हमेशा मेरा सहारा ले सकती हो. तुम बेस्ट हो. दहाड़ती रहो और हमेशा उड़ते रहो. तुम पूरी दुनिया देखो, जैसे किसी ने न देखी हो, हमेशा जलपरी जैसी जिंदगी गुजारो. हमेशा खुश रहो. आई लव यू.' उन्होंने अपने नोट का अंत हैशटैग 'परफेक्ट' के साथ किया. इस पोस्ट पर रिएक्शन देते हुए, सोनाक्षी ने कई दिल वाले इमोजी ड्रॉप किए हैं. सोनाक्षी और जहीर इससे पहले भी सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के लिए प्यार जताते नजर आ चुके हैं.

कौन हैं जहीर इकबाल?

जहीर इकबाल ज्वैलर्स की फैमिली से बिलॉन्ग करते हैं. इनके पिता इकबाल रत्नासी बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के खास दोस्त हैं. इसी वजह से सलमान ने जहीर को 2019 में फिल्मों में लॉन्च भी किया था. उनकी डेब्यू फिल्म का नाम 'नोटबुक' था, जो फ्लॉप रही. यह फिल्म हॉलीवुड फिल्म 'टीचर्स डायरी' का अडॉप्शन थी. इसके बाद वह सोनाक्षी के साथ 'डबल एक्स एल' में नजर आए. ये फिल्म भी उनकी फ्लॉर रही. सोनाक्षी के साथ रिलेशनशिप से पहले जहीर का नाम 2014 में आई फिल्म 'लेकर हम दीवाना दिल' फेम दीक्षा सेठ के साथ जोड़ा गया था. इसके बाद जहीर का नाम सना सईद के साथ जुड़ा. सना फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' में नजर आ चुकी हैं, हालांकि जहीर ने कभी इसके बारे में खुलकर बात नहीं की है.

पहली फिल्म, रणबीर कपूर थे हीरो और सुपरस्टार डायरेक्टर, फिर भी पलट गई थी सोनम कपूर की किस्मत

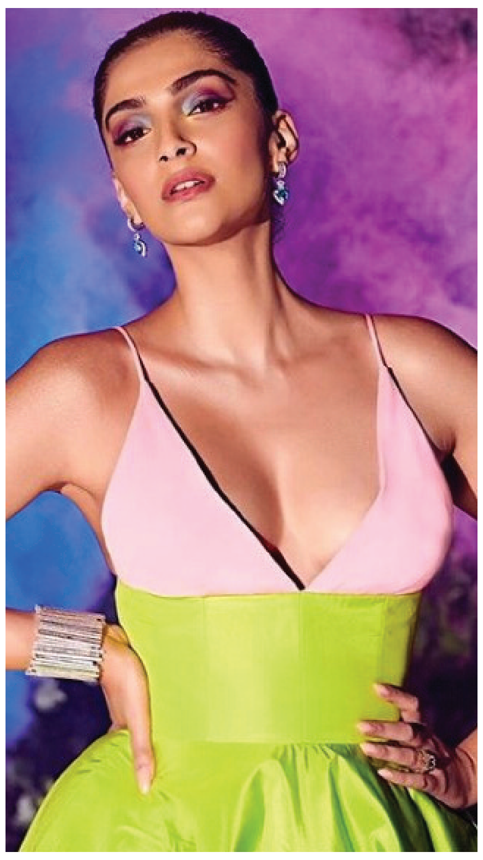

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर आज अपना जन्मदिन मना रही हैं. सोनम कपूर ने इंडस्ट्री में डेढ़ दशक पूरे कर लिए हैं. अपने समय से स्टार रहे अनिल कपूर के बेटी सोनम कपूर ने 2007 में बॉलीवुड के शानदार और सुपरहिट डायरेक्टर संजय लीला भंसाली की फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी. सांवरिया फिल्म में सोनम कपूर अपने को स्टार रणबीर कपूर के साथ नजर आईं थीं. हालांकि सोनम की डेब्यू फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी.

हालांकि सोनम कपूर ने भी हार नहीं मानी और कड़ी मेहनत करती रहीं. डेब्यू फिल्म के बाद ही सोनम कपूर डेल्ही-6 में अभिषेक बच्चन के साथ नजर आईं. इस फिल्म में सोनम कपूर को काफी पॉपुलरिटी मिली और स्टार बन गईं. इसके बाद 2010 में इमरान खान के साथ फिल्म 'आई हेट लवस्टोरी' में सोनम कपूर ने लोगों का दिल जीता और स्टेब्लिश हीरोइन बन गईं.

24 से ज्यादा फिल्मों में कर चुकी हैं काम

सोनम कपूर ने अपने डेढ़ दशक के करियर में 24 फिल्मों में काम किया है. इनमें से कई शानदार फिल्मों में सोनम कपूर ने अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीता है. 2013 में आई फिल्म रांझणा में सोनम कपूर का किरदार काफी पसंद किया गया. 2013 में ही एथलीट मिल्खा सिंह पर बनी फिल्म 'भाग मिल्खा भाग' में भी सोनम कपूर ने कमाल कर दिया. सोनम ने खूबसूरत और प्रेम रतन धन पायो में भी शानदार काम किया है. अब तक सोनम बॉलीवुड की कई सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुकी हैं.

लंबे समय से हिट फिल्म का इंतजार

2018 में आई फिल्म संजू सुपरहिट फिल्म में सोनम नजर आईं थीं. इसके बाद सोनम की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पा रही हैं. सोनम कपूर बीते साल मां बन गईं हैं. सोनम ने 2018 में दिल्ली के बिजनेसमैन आनंद अहूजा से शादी की थी. शादी के 4 साल बाद सोनम ने बीते साल अगस्त में अपने बेटे वायु को जन्म दिया है. सोनम कपूर अब अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करती हैं. सोनम कपूर के जन्मदिन पर उनके फैन्स ने भी उन्हें बधाई दी है. सोनम कपूर मां बनने के बाद फिर से पर्दे पर लौटने की तैयारी कर रही हैं.

खेल मंत्री प्लेयर्स से बोले- 'टेंशन लेना नहीं देना है', जानें उन्होंने क्यों कहा ऐसा?

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि 'टेंशन लेना नहीं, टेंशन देना है।' उनके इस बयान के बाद एक बार तो लोग एक दूसरे की ओर देखते रह गए, लेकिन तुरंत ही खेल मंत्री ने कहा कि उनका आशय यह है कि देश के खिलाड़ी बिना कोई तनाव लिए खूब अच्छी तरह खेलें और देश के लिए ज्यादा से ज्यादा मेडल जीतें। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाड़ी दबाव मुक्त होकर अपना खेल खेल सकें, इसके लिए केंद्र सरकार के स्तर पर विशेष प्रयास किये जा रहे हैं।

स्पेशल ओलंपिक भारत के विशेष खिलाड़ियों को बर्लिन ओलंपिक के लिए रवाना करने के लिए आयोजित सेंड ऑफ सेरेमनी को संबोधित करते हुए खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि वर्तमान सरकार ने खेल का बजट तीन गुना कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी स्वयं खेल को बहुत अधिक प्राथमिकता देते हैं और यही कारण है कि देश खेल के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पहले खिलाड़ियों को बहुत दबाव झेलना पड़ता था, लेकिन सरकार ने इनकी समस्याओं को दूर कर इन्हें दबाव मुक्त किया है। इससे खिलाड़ी दबाव मुक्त होकर खेल रहे हैं और खूब मेडल जीतें। इस ओलंपिक के लिए सरकार ने सात करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब विकलांग शब्द के लिए 'दिव्यांग' शब्द का प्रयोग करने की सलाह दी थी, तो यह केवल एक शब्द का परिवर्तन नहीं था, बल्कि यह एक सोच और मानसिकता का बदलाव था, जिसका उद्देश्य दिव्यांग लोगों को भी समाज में सम्मान और अधिकार दिलाना है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की उसी सोच का परिणाम दिखाई पड़ रहा है कि दिव्यांग खिलाड़ियों को भी आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने का अवसर दिया जा रहा है।

स्पेशल ओलंपिक भारत की चैयरपर्सन मल्लिका नड्डा ने कहा कि बर्लिन में आयोजित हो रहे इस खेल महाकुंभ में देश के 198 स्पेशल खिलाड़ी भाग लेंगे। 23 राज्यों से आये इन खिलाड़ियों को 58 विशेष कोच का मारदर्शन प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि इस खेल उत्सव का सबसे बड़ा उद्देश्य 'सबको हिस्सेदारी और किसी को इनकार नहीं' के सिद्धांत को आगे बढ़ाना है, जो यह बताता है कि ये स्पेशल बच्चे भी समाज में उसी सम्मान और प्यार के अधिकारी हैं जो समाज के किसी अन्य व्यक्ति को प्राप्त होता है। उन्होंने समाज के उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया जो इन स्पेशल बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं।

घर के बाहर पहले टेस्ट में ही फेल हुए कप्तान रोहित
टीम चयन से लेकर फील्ड सेटिंग तक सब कुछ फ्लॉप

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में दो दिन का खेल हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने दो दिन में ही बढ़त ले ली है और भारत पर हार का खतरा मंडरा रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 469 रन बनाए और इसके जवाब में टीम इंडिया 151 रन पर पांच विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही है। भारत अभी भी ऑस्ट्रेलिया के स्कोर से 318 रन पीछे हैं। अब अजिंक्य रहाणे और श्रीकर भरत से बड़ी पारी की उम्मीद है।

इस मैच में भारतीय टीम पहले दिन ही पिछड़ गई थी, जब ऑस्ट्रेलिया ने तीन विकेट पर 327 रन बना लिए थे। इसके बाद कंगारू टीम 469 रन बनाने में सफल रही। रोहित शर्मा इस मैच में पहली बार भारत से बाहर किसी टेस्ट मैच में कप्तानी कर रहे हैं और दो दिन में ही उनकी कप्तानी पर सवाल खड़े होने शुरू हो गए हैं। रोहित ने इस मैच में कई गलतियां की हैं, जिससे दिग्गज खिलाड़ी भी नाराज हैं।

टीम चयन में चूक

इस मैच में रोहित शर्मा ने रविचंद्रन अश्विन को टीम में नहीं रखा और उनका यह फैसला भारतीय टीम पर भारी पड़ गया। डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ के खिलाफ अश्विन का रिकॉर्ड बेहद शानदार है। अश्विन टेस्ट क्रिकेट में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज भी हैं और ऑस्ट्रेलिया की टीम में बाएं हाथ के पांच बल्लेबाज हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ अश्विन का रिकॉर्ड और भी बेहतर है। इसके बावजूद रोहित ने अश्विन को टीम में शामिल नहीं किया और ऑस्ट्रेलियाई टीम 469 रन बनाने में सफल रही। इसमें बाएं हाथ के बल्लेबाजों ने 259 रन का योगदान दिया। स्टीव स्मिथ ने भी 121 रन बनाए, जो अश्विन के पसंदीदा शिकार हैं।

फील्ड सेटिंग में कमी

भारतीय गेंदबाजों ने इस मैच में अच्छी शुरुआत की थी। 76 रन पर ऑस्ट्रेलिया के तीन विकेट गिर गए थे। इसके बाद स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड ने 285 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को बेहतर स्थिति में पहुंचा दिया। सौरव गांगुली ने इस दौरान रोहित की फील्ड सेटिंग पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि रोहित ने फील्ड नहीं सेट की थी। इसी वजह से ट्रेविस हेड को आसानी से रन मिलते रहे और उन्होंने स्मिथ के साथ 285 रन की साझेदारी की।

गेंदबाजी में बदलाव

रोहित शर्मा ने इस मैच में अपने गेंदबाजों से लंबे-लंबे स्पेल कराए। इससे गेंदबाज थक गए, क्योंकि आईपीएल में दो महीने खेलने के बाद सभी खिलाड़ी पहले से ही काफी थके हुए थे। इसका असर यह हुआ की भारतीय गेंदबाजों में वह धार नजर नहीं आई और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आसानी से उन्हें खेलते रहे। रोहित चाहते तो एक छोर में जडेजा से गेंदबाजी करा सकते थे और दूसरे छोर से तेज गेंदबाजों को तरोताजा रखते हुए अटैक कर सकते थे, लेकिन रोहित ने ऐसा नहीं किया और ऑस्ट्रेलिया को बड़ा स्कोर बनाने दिया। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने छोटे-छोटे स्पेल में अपने गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। इससे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की ऊर्जा बनी रही और वह नियमित अंतराल पर विकेट लेते रहे।

कैसा है रोहित का प्रदर्शन?

साल 2018 से भारतीय टीम ने रोहित की कप्तानी में भारत से बाहर 39 मैच खेले हैं। जिसमें वनडे और टी20 शामिल हैं। भारत ने 39 मैच में से 26 मैच में जीत हासिल की है और 13 में हार का सामना करना पड़ा है। रोहित ने अभी तक भारत में ही टेस्ट मैच में कप्तानी की है और सफल भी साबित हुए हैं। भारत में रोहित के नेतृत्व में टीम ने छह टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें से चार मैच जीता है और एक-एक मैच में हार और ड्रा का सामना किया है। रोहित शर्मा ने अब तक कुल 83 मैच में भारतीय टीम की कप्तानी की है। इनमें से 62 मैच में भारत को जीत मिली है, जबकि 20 में हार का सामना करना पड़ा है। एक मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ है।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज मैथ्यू हेडन ने बनाया टीम इंडिया का मजाक, कहा- राष्ट्रगान के समय सीना ठोकने से कुछ नहीं होता

इंग्लैंड के ओवल मैदान पर चल रहे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दो दिन का खेल हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 469 रन बनाए हैं। जवाब में दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने पांच विकेट गंवाकर 151 रन बना लिए हैं। भारतीय टीम अभी ऑस्ट्रेलिया 318 रन से पिछड़ रही है। भारत को फॉलोऑन बचाने के लिए 269 रन यानी अभी 118 रन और बनाने हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने भारत के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खराब प्रदर्शन पर आलोचना की है। हेडन का मानना है कि जब ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ बल्लेबाजी कर रहे थे तब भारतीय टीम को एकजुट होकर उन्हें आउट करना चाहिए था लेकिन, भारत की सभी रणनीति बेकार साबित हुईं और इन दोनों ने 285 रन की साझेदारी कर ली। मैच से पहले दोनों टीमों की ऊर्जा एक समान थी पर मैदान पर भारतीय टीम की ऊर्जा ऑस्ट्रेलिया से कम थी। इसी वजह से टीम इंडिया मैच में भी पिछड़ गई।

हेडन ने कहा- आप मैदान पर राष्ट्रगान गाने उतरे हैं, एक भारतीय के तौर पर आप गर्व से अपना सीना ठोक रहे हैं, वह हर खिलाड़ी के लिए ऊर्जा का एक स्रोत है और वही ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने भी किया। हालांकि, भारतीय टीम की तरफ से मैदान पर वह ऊर्जा देखने को नहीं मिली, वह ऊर्जा, वह जुनून कहीं भी नजर नहीं आया। ऑस्ट्रेलिया ने उन्हीं परिस्थितियों में बेहतर खेल दिखाया और उनकी ऊर्जा भी भारत के मुकाबले काफी ज्यादा थी।

शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट के नुकसान पर 76 रन था लेकिन, ट्रेविस हेड और स्मिथ की 285 रन की साझेदारी ने कंगारू टीम को मैच में काफी आगे कर दिया। हेडन ने कहा ऑस्ट्रेलिया को अब यहां से हराना आसान नहीं होगा, वह अब मैच नहीं हार सकती और भारत को भी वापसी करनी होगी। अगर भारत कोई कमाल नहीं कर पाता तो यहां से उनकी वापसी का सफर काफी मुश्किल होगा।

ओवल में सिराज की हरकत देख गुस्सा हुए रवि शास्त्री और सुनील गावस्कर, बोले- यह क्या हो रहा है?

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मैच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा है। इस मैच के दूसरे दिन एक दिलचस्प वाकया हुआ, जब सिराज ने गेंदबाजी करते समय गेंद स्टीव स्मिथ की तरफ जान बूझकर फेंक दिया। स्मिथ ने दूसरे दिन की शुरुआत 95 रन से की और दिन के पहले ही ओवर में सिराज की दो गेंदों पर लगातार दो चौके लगाकर अपना शतक पूरा किया।

सिराज अपने ओवर की चौथी गेंद करने के लिए तैयार थे, वह पूरा रन-अप लेकर गेंद डालने आए। हालांकि, उनके गेंद फेंकने से ठीक पहले स्मिथ हट गए। ऐसे में सिराज ने गुस्से में गेंद उनकी तरफ फेंक दी और पास जाकर कुछ शब्द भी कहे। स्मिथ ने भी उनका जवाब दिया। दरअसल स्मिथ को स्पाइडर कैमरे से थोड़ी परेशानी हो रही थी। इसी वजह से वह गेंद खेलने से ठीक पहले हट गए। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री ने इस मामले पर सिराज की कड़ी निंदा की है।

गावस्कर ने कहा- यह हो क्या रहा है, यह अभी दिन की बस दूसरी-तीसरी गेंद ही है और अभी से सिराज अपना आपा खो रहे हैं। भारत के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने भी इस वाकये पर स्टीव स्मिथ का पक्ष लेते हुए कहा,₹स्मिथ को पीछे हटने का पूरा अधिकार है, सिराज को यह अच्छा नहीं लगा तो क्या। यह उनकी पिछली दो गेंद पर चौके लगने की नाराजगी ज्यादा नजर आ रही है।

गेंद से पहले रोहित शर्मा भी सिराज से नाखुश थे। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने दूसरे दिन का खेल शुरु होने के बाद स्कोर में 142 रन की बढ़ोतरी की और 469 के स्कोर पर पारी को समाप्त किया। मोहम्मद सिराज ने चार विकेट लिए।

भारत ने टी ब्रेक से पहले 10 ओवर खेले, जिसमें उन्हें कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल के रूप में भारत को दो बड़े झटके लगे। इस मैच में दो दिन का खेल खत्म हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 469 रन बनाए हैं। जवाब में दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने पांच विकेट गंवाकर 151 रन बना लिए हैं। भारतीय टीम अभी ऑस्ट्रेलिया 318 रन से पिछड़ रही है। भारत को फॉलोऑन बचाने के लिए 269 रन यानी अभी 118 रन और बनाने हैं।

भारतीय टीम जूनियर एशिया कप महिला हॉकी के सेमीफाइनल में पहुंची

भारतीय महिला हॉकी टीम ने जूनियर एशिया कप में शानदार प्रदर्शन का क्रम जारी रखते हुए चीनी ताईपे को 11-0 से रौंद दिया। इस जीत के साथ टीम ने पूल ए में शीर्ष पर रहते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत की जीत में अनु और सुनेलिता टोप्पो ने दो-दो गोल किए।

भारत पूल में अविजित रहा। उसने तीन मुकाबले जीते और एक मुकाबला बराबरी पर छूटा। भारत के लिए गोल वैष्णवी विट्ठल फाल्के (1), दीपिका (3), अनु (10,52), रुतुजा पिसाल (12), नीलम (19), मंजू चौरसिया (33), सुनेलिता टोप्पो (43, 57), दीपिका सोरेंग (46) और मुमताज खान (55 मिनट) ने गोल किए। भारत ने शुरू से दबदबा बनाकर रखा और पहले क्वार्टर में ही 4-0 की बढ़ बना ली। दूसरे क्वार्टर में भारत की बढ़त 5-0 और तीसरे में 7-0 थी। भारत सेमीफाइनल में मेजबान जापान या फिर कजाखस्तान से खेलेगा।

रोनाल्डो और बेंजेमा के बाद मेसी ने भी यूरोप छोड़ा, बार्सिलोना में शामिल नहीं होने की वजह भी बताई

फुटबॉल स्टार लियोनल मेसी अब मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी के लिए खेलते नजर आएंगे। मेसी फ्री एजेंट के रूप में इस टीम के साथ जुड़े हैं। पीएसजी के साथ उनका अनुबंध खत्म होने के साथ ही मेसी ने साफ कर दिया था कि वह अब इस क्लब के लिए नहीं खेलेंगे। इसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि मेसी भी रोनाल्डो की तरह सऊदी अरब लीग में खेल सकते हैं। वह अल हिलाल क्लब के साथ जुड़ सकते हैं और सबसे ज्यादा सैलरी वाले फुटबॉल खिलाड़ी भी बन सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है।

मेसी ने अमेरिकी लीग में खेलने का फैसला किया है। उन्होंने अपने इस फैसले पर कहा कि पैसे के लिए वह ऐसा नहीं कर रहे हैं। यूरोपीय लीग में वह बार्सिलोना के लिए खेलना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। इसके बाद उन्होंने मेजर लीग सॉकर में खेलने का और नए नजरिए के साथ खेल का मजा लेने का फैसला किया है।

क्या कभी बार्सिलोना लौटेंगे मेसी

इंटर मियामी के साथ जुड़ने के बाद मेसी ने कहा कि वह बार्सिलोना के फैन हैं और अपना जीवन वहीं गुजारेंगे। वह बार्सिलोना में आना चाहते थे, लेकिन यह इतना आसान नहीं था। उन्हें क्लब की तरफ से कोई आधिकारिक ऑफर भी नहीं मिला था। अगर वह इस क्लब के साथ जुड़ते तो क्लब के अन्य लोगों को अपनी सैलरी कम करनी पड़ती। वहीं, कुछ खिलाड़ियों को क्लब से अलग भी किया जाता। इससे वह थक चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोगों को लगता है कि उनके आने से बार्सिलोना को नुकसान होगा। इसलिए वह नहीं चाहते हैं कि क्लब में मेसी की वापसी हो। इसी वजह से वह इस क्लब के साथ नहीं जुड़ रहे हैं।

अपनी सैलरी से जुड़े सवाल पर मेसी ने कहा कि पैसे के लिए वह मियामी के साथ नहीं जुड़े हैं। अगर पैसे की बात होती तो वह सऊदी लीग में खेलते। यूरोप में उनके पास और भी कई टीमों से ऑफर थे, लेकिन वह इस लीग में बार्सिलोना के अलावा किसी और क्लब के लिए नहीं खेलना चाहते थे। उनके साथ दो साल पहले जो हुआ था, उसके बाद वह बार्सिलोना के लिए इंतजार नहीं कर सकते थे। उन्हें अपने और परिवार के भविष्य का भी ध्यान रखना है और हर बार वह अपना करियर दूसरे के हाथ में नहीं छोड़ सकते।

मेसी छह महीने में यूरोप छोड़ने वाले तीसरे दिग्गज

पिछले छह महीने में तीन बैलन डीओर जीतने वाले खिलाड़ी यूरोप छोड़ चुके हैं। इसकी शुरुआत पुर्तगाल के स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने की थी। वह सऊदी लीग में अल नस्त्र के साथ जुड़े और सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले खिलाड़ी बने। रोनाल्डो के बाद करीम बेंजेमा ने भी इस लीग से दूरी बनाई और सऊदी लीग की टीम अल इत्तिहाद के साथ जुड़े। अब मेसी भी पीएसजी छोड़कर मेजर सॉकर लीग में इंटर मियामी के लिए खेलते दिखेंगे। इन दिग्गजों के जाने से यूरोपीय क्लब फुटबॉल की लोकप्रियता में कमी आना तय है।

यूरोप में मेसी का रिकॉर्ड

मेसी ने साल 2004 में यूरोपीय लीग में अपने क्लब करियर की शुरुआत की थी। यहां 853 मुकाबलों में उन्होंने 704 गोल किए और 300 गोल करने में अपने साथी खिलाड़ियों की मदद की। इस दौरान उन्होंने 12 लीग खिताब और चार बार चैंपियंस लीग भी जीती। इसके अलावा भी उन्होंने 22 अन्य ट्रॉफी अपने नाम की। मेसी ने कुल 38 ट्रॉफी जीती हैं।

अनिल कुंबले को किसने दिया 'जंबो' निकनेम? बेहद दिलचस्प है कहानी

पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले को 'जंबो' निकनेम से जाना जाता है. लोग अक्सर जानने को आतुर रहते हैं कि आखिर दिग्गज खिलाड़ी को यह निकनेम दिया किसने. बता दें कुंबले ने खुद इस सवाल का जवाब दिया है. भारतीय टीम के कोच बनने के बाद उन्होंने बताया था कि, 'मेरा निकनेम किसी और ने नहीं बल्कि नवजोत सिंह सिद्धू ने दिया था.'

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले को 'जंबो' निकनेम से जाना जाता है. लोग अक्सर जानने को आतुर रहते हैं कि आखिर दिग्गज खिलाड़ी को यह निकनेम दिया किसने. कुंबले ने खुद इस सवाल का जवाब दिया है. भारतीय टीम के कोच बनने के बाद उन्होंने बताया था कि, 'मेरा निकनेम किसी और ने नहीं बल्कि नवजोत सिंह सिद्धू ने दिया है.' उन्होंने बताया, 'ईरानी ट्रॉफी के तहत मैं कोटला में शेष भारत के लिए शिरकत कर रहा था. सिद्धू मिड-ऑन पर अपनी सामान्य स्थिति में खड़े थे. इस दौरान मेरी कुछ गेंदे आवश्यकता से ज्यादा उछल रही थीं. तभी सिद्धू ने कहा 'जंबो जेट.'' पूर्व क्रिकेटर ने बताया कि मेरी लंबाई दूसरे खिलाड़ियों से कुछ ज्यादा थी. इसलिए भी लोगों को लगा कि मेरे ऊपर ये नाम सूट करेगा और तब से मैं लोगों के लिए बीच 'जंबों' नाम से मशहूर हो गया.

कुंबले के अनुसार बाद में उनके साथियों ने उनके निकनेम से 'जेट' हटा दिया और केवल 'जंबो' नाम से पुकारते रहे. मौजूदा समय में भी फैंस अनिल कुंबले को उनके नाम के बजाय 'जंबो' से ही ज्यादा पहचानते हैं. बता दें अनिल कुंबले ने भारतीय टीम के लिए 1990 में टेस्ट और वनडे डेब्यू किया था. उन्होंने अपना अंतिम वनडे मुकाबला 2007 और अंतिम टेस्ट मुकाबला 2008 में खेला. अनिल कुंबले के नाम 132 टेस्ट मैचों में 2.7 की इकोनॉमी से 619 और 271 वनडे मैचों में 4.31 की इकोनॉमी से 337 विकेट दर्ज हैं. कुंबले भारत के लिए टेस्ट और वनडे में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले पहले गेंदबाज हैं.

सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआई के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका तत्काल सुनने से किया मना

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से शुक्रवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की अवकाशकालीन पीठ ने रजिस्ट्री की ओर से दायर रिपोर्ट का अवलोकन किया और कहा कि इस मामले में कोई अर्जेंसी (तात्कालिकता) नहीं है। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि गर्मियों की छुट्टियों के बाद मामले को मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के समक्ष रखा जाए।

याचिकाकर्ता ने कही ये बात

याचिकाकर्ता अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि शीर्ष अदालत इतने महत्वपूर्ण मामले पर विचार नहीं कर रही है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह अदालत है, सार्वजनिक मंच नहीं और इस मामले को कहीं न कहीं खत्म होना चाहिए। यह दूसरी बार है जब शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे पर तत्काल सुनवाई से इनकार किया है। शीर्ष अदालत ने एक जून को अधिसूचनाओं को चुनौती देने वाली उपाध्याय की याचिका पर तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया था और कहा था कि वह गर्मियों की छुट्टियों के दौरान ऐसी याचिकाओं पर सुनवाई नहीं करेगी। वकील ने पहले कहा था कि अपराधियों और आतंकवादियों की ओर से 2,000 रुपये के बैंक नोटों को बिना किसी मांग पर्ची और आधार जैसे आईडी प्रूफ के बदला जा रहा है।

मुख्य आर्थिक सलाहकार बोले, ठोस आर्थिक नीतियों की बदौलत लंबी अवधि तक तेज गति से विकास करेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंथ नागेश्वरण ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था लंबी अवधि तक तेजी के साथ विकास करता रहेगा. उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दशकों में जब भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ तेज गति से विकास करता नजर आ रहा होता है अचानक कोई ना कोई समस्या उसकी राह में रोड़ा बनकर खड़ी हो जाती है. लेकिन इस बार ठोस आर्थिक नीतियों, मजबूत आधारभूत ढांचा और अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण के चलते भारत बगैर किसी रुकावट के लंबी अवधि तक तेजी के साथ विकास करेगा।

2022-23 में 7.2% से ज्यादा रहेगा जीडीपी

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि जीडीपी के आंकड़े घोषित हुए हैं उसके मुताबिक 2022-23 में भारत का जीडीपी 7.2 फीसदी रहा है हालांकि इसके पूर्व वर्ष में कोरोना महामारी और लो बेस के चलते 9.1 फीसदी रहा था. कई लोगों का मानना था वित्त वर्ष 2022-23 में आर्थिक विकास दर 6.7 या 6.8 फीसदी के आसपास रह सकता है, लेकिन हकीकत में 7.2 फीसदी रहा है. उन्होंने कहा कि जीडीपी के आंकड़े की छह बार समीक्षा की जाती है. फाइनल आंकड़ा तीन साल बाद आएगा. और जब आंकड़े घोषित होंगे तो वो 7.2 फीसदी से ज्यादा होगा।

निजी खपत 16 सालों के हाई पर

मुख्य अर्थिक सलाहकार ने कहा कि चौथी तिमाही में दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले भारतीय अर्थव्यवस्था ने तेजी के साथ विकास किया है. उन्होंने कहा कि दूसरी और तीसरी तिमाही में महंगे कच्चे तेल और महंगे कर्ज के चलते स्लोडाउन देखने को मिला था. लेकिन सर्विसेज - कृषि समेत सभी सेक्टर्स ने बेहतर विकास किया है. मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते अर्थव्यवस्था को जो भी नुकसान हुआ था उसकी भरपाई की जा चुकी है. उन्होंने कहा कि बीते 16 सालों में जीडीपी के मुकाबले निजी खपत सबसे ज्यादा रहा है. उन्होंने कहा कि इकोनॉमी के सभी इंडिकेटर्स बेहतरी की ओर इशारा कर रहे हैं. जीएसटी कलेक्शन, बैंकों द्वारा दिये जाने वाले कर्ज में उछाल इस ओर इशारा करता है कि अर्थव्यवस्था पटरी पर है और 2023-24 में भी अर्थव्यवस्था तेज गति से विकास करेगा।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आएगी तेजी

उन्होंने कहा कि खाद्यान्न के रिकॉर्ड प्रोडक्शन और बेहतर सरकारी खरीद के चलते देश में खाद्यान्न का पर्याप्त भंडार है।

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए खुशखबरी

सैलरी में डबल बढ़ोतरी का मिलेगा तोहफा!

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय कर्मचारियों को महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का फायदा जुलाई में मिलने की उम्मीद है. एक जुलाई से कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाने का एलान किया जा सकता है. हालांकि अभी तक सरकार की ओर से डीए हाइक को लेकर कोई घोषणा नहीं की गई है. सरकार डीए में चालू वित्त वर्ष के दौरान पहली बार बढ़ोतरी करेगी. एआईसीपीआई के अप्रैल डाटा के मुताबिक, कर्मचारियों की सैलरी में 3 से 4 फीसदी महंगाई भत्ता बढ़ना लगभग तय है. हालांकि यह मई और जून के आंकड़े पर भी निर्भर करेगा. अगर मई और जून के एआईसीपीआई आंकड़े अच्छे रहते हैं तो 4 फीसदी महंगाई भत्ता और महंगाई राहत बढ़ सकता है।

कितना बढ़ जाएगा डीए

केंद्रीय कर्मचारियों को मौजूदा समय में 42 फीसदी महंगाई भत्ता दिया जा रहा है. 4 फीसदी डीए और बढ़ाया जाता है तो कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता 46 फीसदी हो जाएगा. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अप्रैल के एआईसीपीआई आंकड़ा 134.2 प्वाइंट पर है और डीए स्कोर 45.06 पर बना है. मई और जून के दौरान इंडेक्स 46.40 पर पहुंचने की संभावना है. इसका मतलब है कि 4 फीसदी डीए बढ़ोतरी लगभग तय है।

कितनी बढ़ जाएगी कर्मचारियों की सैलरी

किसी कर्मचारी की मंथली सैलरी 18 हजार रुपये है तो 42 फीसदी डीए के हिसाब से 7560 रुपये महंगाई भत्ता होगा. वहीं 46 फीसदी के हिसाब से डीए कैलकुलेशन देखें तो यह 8280 रुपये होगा यानी कि हर महीने वेतन में 720 रुपये बढ़ेंगे और सालाना 99,360 रुपये बढ़ेंगे।

भारत और अमेरिका के बीच बढ़ेगा व्यापार

राजदूत गार्सेटी बोले- वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए यह करना जरूरी

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका रक्षा क्षेत्र में सहयोग को मजबूत कर रहे हैं। अब दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार को भी बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। शुक्रवार को भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने बताया कि भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार, वैश्विक अर्थव्यवस्था की चुनौतियों से निपटने के लिए बेहद अहम है। एरिक गार्सेटी ने कहा कि हम दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर फोकस कर रहे हैं।

एरिक गार्सेटी और पीयूष गोयल के बीच हुई बैठक

एरिक गार्सेटी ने भारत के केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की। इस मुलाकात में विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने पर चर्चा हुई। हाल ही में दिल्ली स्थित यूएस मिशन में सातवां वार्षिक छात्र वीजा दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान अमेरिकी अधिकारियों ने

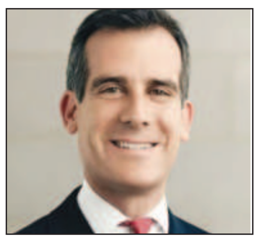

अमेरिका के वीजा के लिए आवेदन करने वाले छात्रों का इंटरव्यू किया। इस दौरान अमेरिकी दूतावास में मीडिया से बात करते हुए अमेरिकी राजदूत ने कहा कि किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे ज्यादा भारतीय छात्र पढ़ाई के लिए अमेरिका जाते हैं। गार्सेटी ने कहा कि यह देखना सुखद है कि भारत और अमेरिका के संबंध मजबूत हो रहे हैं। बीते साल भारत से सबसे ज्यादा छात्र पढ़ाई करने अमेरिका गए और आने वाले कुछ साल यह स्थिति नहीं बदलने वाली। गार्सेटी ने कहा कि साल 2022 में अमेरिका के हर पांचवें छात्र वीजा को एक भारतीय छात्र को जारी किया गया था।

मंदी का है असर? मई महीने में 7 फीसदी कम हुई नई हायरिंग

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। नई नौकरियों का सृजन किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अहम होता है। भारत में हायरिंग ट्रेंड को लेकर एक झटके वाली खबर आई है। फाउंडिट की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है मई में नई हायरिंग में पिछले साल की तुलना में करीब 7 फीसदी की कमी देखी गई है। फाउंडिट एक टैलेंट प्लेटफॉर्म है जिसने एशिया और मध्य पूर्व के कई हिस्सों में काम किया है। बिजनेस स्टैंडर्ड में छपी रिपोर्ट के अनुसार भले ही पिछले साल की तुलना में नई भर्तियों में 7 फीसदी की कमी दर्ज की गई है, लेकिन छोटे शहरों में नौकरियों की संख्या में बढ़त दर्ज की गई है। देश के टियर-2 शहर जैसे अहमदाबाद, जयपुर में हायरिंग में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि देश में महीने के हिसाब से इंडस्ट्रीज में 4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के पीछे मुख्य कारण है आर्थिक मंदी। वैश्विक मंदी के आसार के कारण देश की कई कंपनियों ने बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की है।

सप्ताह में तीन दिन दफ्तर से काम करने की बात नहीं मानने वालों पर गूगल सख्त

कंपनी ने कही ये बात

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। गूगल के कर्मचारी टेक दिग्गज उस आदेश की अवहेलना कर रहे हैं जिसमें उन्हें सप्ताह में कम से कम तीन दिन कार्यालय से काम करने को कहा गया है। गूगल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर क्रिस शिमट ने गुरुवार को अल्फाबेट वर्कर्स यूनियन की ओर से जारी एक बयान में कहा, रातोंरात, हमारे प्रदर्शन मूल्यांकन से जुड़े नियमों में परिवर्तन कर श्रमिकों के हितों की अवहेलना की गई है। अल्फाबेट के गूगल ने बुधवार को कर्मचारियों को एक ईमेल भेजकर कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि ज्यादातर कर्मचारी नियमित रूप से कार्यालय लौटेंगे। ब्लूमबर्ग की ओर से समीक्षा किए गए एक ईमेल में चीफ पीपल ऑफिसर फियोना सिक्कोनी ने लिखा, हर कोई 'जादुई हॉलवे वार्तालाप' में विश्वास नहीं करता है, लेकिन इसमें कोई सवाल नहीं है कि एक ही कमरे में एक साथ काम करने से सकारात्मक अंतर पड़ता है। सिकोनी ने कहा कि मई में टेक कंपनी के वार्षिक डेवलपर सम्मेलन गूगल आई/ओ और गूगल मार्केटिंग लाइव इवेंट में अनावरण किए गए कई उत्पादों की कल्पना, विकास और निर्माण पर टीमों की ओर से साथ-साथ काम किया गया था। सिक्कोनी ने कहा कि उपस्थिति अब कर्मचारियों के प्रदर्शन की समीक्षा में एक कारक होगा, और टीमें उन श्रमिकों को रिमाइंडर भेजना शुरू कर देंगी जो इस सप्ताह कनाडा और यूएस ईस्ट कोस्ट में वायु-गुणवत्ता-नियंत्रण चेतावनी जैसी विशेष परिस्थितियों को छोड़कर कार्यालय से लगातार अनुपस्थित हैं। उन्होंने कहा कि आगे बढ़ते हुए गूगल नए रिमोट अनुरोधों पर अपवाद के तौर पर ही विचार करेगा।

लापता कर्मी के परिजनों को पेंशन के लिए नहीं करना पड़ता 7 साल इंतजार मंत्री कानून पर ऐसा क्यों बोले?

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा पहले नियम था कि अगर कोई व्यक्ति लापता हो जाए तो उसके परिवार वालों को 7 साल तक कोई पारिवारिक पेंशन नहीं मिल पाता था, पेंशन के लिए या तो आपको उसके शरीर को बरामद होना होता था या साबित करना होता था कि उसकी मृत्यु हो गई है, या फिर पेंशन केलिए 7 साल तक इंतजार करना पड़ता था। इसलिए सरकार ने ऐसे मामलों में परिवारवालों को राहत देने के लिए उस नियम को खत्म कर दिया है। हमने शासन की सुगमता, जीवन में आसानी लाने की कोशिश की है। एक साल पहले तक सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाला पेंशन सीसीएस पेंशन रूल्स 1972 के तहत कवर होते थे। अगर कर्मचारी कहीं लापता हो जाए तो इसी रूल के तहत उसके परिवार को लाभ दिया जाता था। लापता होने के मामलों में परिवार वालों को पारिवारिक पेंशन के लिए कम से कम सात साल का इंतजार करना पड़ता था। लेकिन 28 अप्रैल 2022 को सरकार ने इस नियम में बदलाव कर दिया। नए नियम के अनुसार सरकारी कर्मचारी जो एनपीएस के तहत कवर हो, अगर लापता होता है तो उसके घरवालों को फैमिली पेंशन का लाभ तुरंत शुरू कर दिया जाएगा। इस नियम के तहत एक प्रावधान यह भी किया गया है कि सरकार की

एचएमए एग्रो का आ रहा है आईपीओ, तय हुआ प्राइस बैंड 480 करोड़ जुटाने की है योजना

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। अगर आप इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग में पैसे लगाना पसंद करते हैं तो आपके लिए खुशखबरी है. जल्द ही एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज आईपीओ के जरिए मार्केट से पैसे जुटाने वाली है. यह आईपीओ निवेशकों के लिए 20 जून को खुलेगा और 23 जून तक आप इसे सब्सक्राइब कर सकते हैं. वहीं एंकर निवेशकों के लिए यह 19 जून को ही खुल जाएगा. जिन लोगों को शेयर अलॉट नहीं किए जाएंगे उन्हें 30 जून से रिफंड मिलना शुरू हो जाएगा. वहीं 3 जुलाई को निवेशकों को इक्विटी शेयर्स डीमैट खाते में ट्रांसफर कर दिए जाएंगे.गौरतलब है कि एचएमए एग्रो आईपीओ का साइज 480 करोड़ रुपये है. इस आईपीओ में से 150 करोड़ रुपये के फ्रेश शेयर जारी किए जाएंगे. वहीं 330 करोड़ के शेयर ऑफर फॉर सेल के जरिए जारी किए जाएंगे. इस ऑफर फॉर सेल के द्वारा कंपनी के प्रमोटर्स और शेयरहोल्डर्स अपने शेयरों को बेचेंगे. जो प्रमोटर्स आईपीओ में अपनी हिस्सेदारी को बेचने वाले हैं उनमें वाजिद अहमद, गुलजार अहमद, मोहम्मद महमूद कुरैशी, मोहम्मद अशरफ कुरैशी, जुल्फिकार अहमद कुरैशी और परवेज आलम हैं. इस आईपीओ में शेयर का प्राइस बैंड 555 से 595 रुपये प्रति शेयर किया गया है।ध्यान देने वाली बात ये है फ्रेश शेयर के जरिए जुटाई गई राशि को कंपनी खुद के लिए इस्तेमाल करेगी. इसमें से 135 करोड़ रुपये कंपनी वर्किंग कैपिटल के लिए इस्तेमाल किया जाएगा. वहीं अगर सबसे अधिक प्राइस बैंड से कंपनी का आकलन किया जाता है तो कंपनी की कुल वैल्यूएन 2,780 करोड़ रुपये आंकी जाएगी।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

आईटी - एफएमसीजी स्टॉक्स में निवेशकों ने की मुनाफावसूली

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी और लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ है. अच्छे ग्लोबल संकेतों के बावजूद बाजार में निवेशकों ने मुनाफावसूली की. जिसके चलते आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 223 अंकों की गिरावट के साथ 62,625 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 71 अंकों की गिरावट के साथ 18,563 अंकों पर बंद हुआ है. आज के कारोबार में ऑटो, आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल्स, बैंकिंग, मीडिया, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर्स गिरावट के साथ बंद हुए. केवल इंफ्रा और निजी बैंकों के शेयरों के इंडेक्स में तेजी देखने को मिली है. मिड कैप और स्मॉल कैप शेयर्स में भी मुनाफासूली देखी गई. निफ्टी के 50 शेयरों में 16 शेयर तेजी के साथ तो 34 नीचे गिरकर बंद हुए. जबकि सेंसेक्स के 30 शेयरों में 11 स्टॉक्स तेजी के साथ तो 19 नीचे गिरकर बंद हुए. आज के कारोबार में इंडसइंड बैंक 2.12 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.25 फीसदी लार्सन 1 फीसदी, पावर ग्रिड 0.93 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.71 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.46 फीसदी, एनटीपीसी 0.36 फीसदी, बजाज फाइनैंस 0.28 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.25 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.10 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है जबकि टाटा स्टील 1.98 फीसदी, एसबीआई 1.68 फीसदी, एचयूएल 1.65 फीसदी, एचसीएल टेक 1.46 फीसदी, इंफोसिस 1.33 फीसदी, आईटीसी 0.99 फीसदी एशियन पेंट्स 0.95 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है. आज के ट्रेड में भी निवेशकों को बाजार में गिरावट के चलते नुकसान हुआ है. बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप घटकर 286.72 लाख करोड़ रुपये पर आ गया।

सोना और चांदी महंगे, जानें आपके शहर में कितने में मिल रहा है गोल्ड

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। अगर आप शुक्रवार यानी 9 जून, 2023 को सोना और चांदी खरीदने जा रहे हैं तो बता दें कि आज वायदा बाजार यानी मल्टी कमोटिडी एक्सचेंज पर दोनों हरे निशान पर कारोबार कर रहे हैं. सोना बाजार खुलने के साथ ही बढ़त के साथ 59,934 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था. इसके बाद सुबह 11.30 बजे तक इसमें कुछ गिरावट दर्ज की गई है और यह 59,909 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है. कल की बात करें तो गुरुवार को गोल्ड मल्टी कमोटिडी एक्सचेंज पर गोल्ड 59,891 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

क्या है चांदी के दाम?

सोने के अलावा चांदी भी आज हरे निशान पर कारोबार कर रही है. चांदी बाजार खुलने के साथ 73,860 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी. इसके बाद सुबह 11.30 बजे तक कीमत में मामूली गिरावट आई है और यह कल के मुकाबले 173 रुपये या 0.23 फीसदी बढ़त के साथ 73,843 रुपये प्रति किलोग्राम पर है. वहीं गुरुवार को सिल्वर 73,670 रुपये पर बंद हुई थी।

बड़े शहरों में क्या है गोल्ड-सिल्वर के

दाम- चेन्नई- 24 कैरेट सोना 61,100 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 79,700 रुपये प्रति किलोग्राम मुंबई- 24 कैरेट सोना 60,650 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,500 रुपये प्रति किलोग्राम दिल्ली- 24 कैरेट सोना 60,830 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,500 रुपये प्रति किलोग्राम कोलकाता- 24 कैरेट सोना 60,680 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,500 रुपये प्रति किलोग्राम पुणे- 24 कैरेट सोना 60,650 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,500 रुपये प्रति किलोग्राम जयपुर- 24 कैरेट सोना 60,830 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,500 रुपये प्रति किलोग्राम लखनऊ- 24 कैरेट सोना 60,830 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,500 रुपये प्रति किलोग्राम

पटना- 24 कैरेट सोना 60,730 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,500 रुपये प्रति किलोग्राम।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	वृष	में	मेष--	02-22	बजे
चंद्र-	कुंभ	में	वृष--	04-06	बजे
मंगल	कर्क	में	मिथुन..	06-06	बजे
बुध-	वृष	पें	कर्क...	08-20	बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह...	10-31	बजे
शुक्र-	कर्क	में	कन्या..	12-37	बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	14-43	बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	16-53	बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	19-06	बजे
			मकर..	21-12	बजे
			कुंभ...	23-03	बजे
			मीन ..	00-41	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय- 05-44
सूर्य अस्त- 18-46
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - 14 -02 तक उपरान्त अष्टमी
मास - आषाढ कृष्ण पक्ष , शनिवार June 10
नक्षत्र - शतभिषा - 15- 38 - तक उपरान्त पूर्वभाद्रपद
योग - विष्कुंभ - 12 - 48 - तक उप - प्रीति
करण- बव -14 -02 - तक उप- बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - पंचक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:59 से 10:37 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	05:44 - 07:21	अशुभ	लाभ.	18:46 - 20:10	शुभ
शुभ.	07:21 - 08:59	शुभ	उत्पात	20:10 - 21:32	अशुभ
रोग	08:59 - 10:37	अशुभ	शुभ.	21:32 - 22:54	शुभ
उत्पात	10:37 - 12:16	अशुभ	अमृत	22:54 - 00:16	शुभ
चंचल	12:16 - 13:54	शुभ	चंचल	00:16 - 01:37	शुभ
लाभ	13:54 - 15:32	शुभ	रोग	01:37 - 02:59	अशुभ
अमृत	15:32 - 17:10	शुभ	काल	02:59 - 04:21	अशुभ
काल	17:10 - 18:46	अशुभ	लाभ	04:21 - 05:44	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज आपको महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे- जो आपको तनावग्रस्त और अत्यधिक परेशान कर सकते हैं। बिन बुलाए मेहमान का आगमन आज अचानक आपके घर पर हो सकता है, जिससे आप अपना पैसा उन घरेलू सामानों पर ख़र्च कर सकते हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
कोई सुखद समाचार मिलने की संभावना है। दोस्तों के साथ किसी पार्टी में आज आपका अच्छा खासा पैसा खर्च हो सकता है लेकिन बावजूद इसके आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति आपकी ओर से लापरवाही खतरनाक हो सकती है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
अपने आप को उन गतिविधियों में शामिल रखें जो आपको शांत रखने में मदद करें। पैसों के लेन-देन पूरे दिन लगातार होते रहेंगे और दिन के ख़त्म होने के बाद आप पर्याप्त बचत कर पाएंगे। दिन के उत्तरार्ध में कोई पुराना मित्र सुखद मुलाकात करेगा।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
वाहन सावधानी से चलाएं, खासकर यदि आप देर रात यात्रा करते हैं। इलेक्ट्रॉनिक सामानों का कारोबार करने वाले इस राशि के जातकों को आज धन हानि हो सकती है। आप जिस बड़े सौदे का इंतजार कर रहे थे, वह रद्द हो सकता है। तनाव का दौर बना रह सकता है लेकिन परिवार का सहयोग आपके लिए मददगार रहेगा।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद स्वास्थ्य ठीक रहेगा। घर में किसी फंक्शन के आयोजन होने के कारण आज आपको अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ेगा। इससे आपकी आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। दोस्त और परिवार के सदस्य आपका सबसे ज्यादा समय लेते हैं।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
खासकर खुला हुआ खाना खाते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। लेकिन बेवजह का तनाव न लें क्योंकि इससे आपको मानसिक तनाव ही होगा। आज आपके माता-पिता में से कोई आपको पैसे बचाने के महत्व पर लेक्चर दे सकता है। आपको उनकी बातों को बहुत ही ध्यान से सुनने की जरूरत है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
घरेलू चिंताएं आपको चिंतित कर सकती हैं। हालांकि पैसा आपके लिए एक महत्वपूर्ण तत्व है, लेकिन इसके प्रति इतना संवेदनशील न हो जाएं कि यह आपके रिश्तों को खराब कर दे। घर के लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए अपने जीवनसाथी के साथ व्यवस्था करें।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और उन्नति निश्चित है। भाई-बहनों के सहयोग से आज आपको धन लाभ की प्राप्ति होगी। अपने भाई-बहनों से सलाह लें। बेटी की बीमारी आपका मूड खराब कर देगी। जब वह अपनी बीमारी पर काबू पाती है तो उसकी आत्मा को ऊपर उठाने के लिए उसे अपना प्यार दें।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
मानसिक शांति के लिए किसी दान-पुण्य के काम में खुद को शामिल करें। अतीत में आपने अपने भविष्य को समृद्ध बनाने के लिए जो पैसा लगाया था, आज उसका फल मिलेगा। परिवार के सदस्य आपके जीवन में एक विशेष स्थान रखेंगे। रोमांस आपके दिल और दिमाग पर राज करता है।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
आपकी सबसे बड़ी संपत्ति आपका सेंस ऑफ ह्यूमर है, इसे अपनी बीमारी को ठीक करने के लिए उपयोग करने का प्रयास करें। जो लोग अब तक बिना ज्यादा सोचे-समझे पैसे खर्च कर रहे थे, वे जीवन में इसके महत्व को समझ सकते हैं, कोई जरूरी काम आ सकता है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
आज आप तनावमुक्त महसूस कर रहे हैं और आनंद लेने के लिए सही मनोदशा में हैं। बिना किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह के आज कोई भी ऐसा कदम या कार्य न करें जिससे आर्थिक हानि हो सकती है। परिवार के लोग आपकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाएंगे।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
हर आदमी को ग़ौर से सुनिए शायद आपको अपनी समस्याओं का समाधान मिल जाए। आपको सबसे अप्रत्याशित स्रोतों से कमाई होने की संभावना है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके आस-पास के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

गजब की अंधेरगर्दी: शव लेने पिता पहुंचा तो कोई पहले ही बिहार ले गया

अब डीएनए बताएगा किसका दावा सही

बालासोर, 9 जून (एक्सक्लूसिव डेस्क)। ओडिशा के बालासोर में हुए ट्रिपल ट्रेन हादसे को 6 दिन गुजर चुके हैं। अभी भी लोग इन ट्रेनों में सफर कर रहे अपनों की तलाश कर रहे हैं। इसी कडी मेंशिवनाथ पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। उनका बेटा विपुल तिरुपति से बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस से लौट रहा था, जो दुर्घटना का शिकार हो गई। शिवनाथ ने बेटे का फोटो टीवी पर देखा और शव लेने ओडिशा पहुंच गए। शिवनाथ मुर्दाघर पहुंचे तो वहां विपुल का शव नहीं मिला। अधिकारियों ने पूछने पर बताया कि उस शव पर किसी दूसरे व्यक्ति ने दावा किया तो अधिकारियों ने शव को बिहार भेज दिया। देखा जाए तो शिवनाथ का मामला इकलौता नहीं हैं। इस हादसे में अपनों को खो चुके दर्जनों परिवार शवों को पाने के लिए भटक रहे हैं। ऐसी गफलत से बचने के लिए अधिकारियों ने शवों का डीएनए टेस्ट कराने का फैसला किया है।

ओडिशा ट्रेन हादसे में मारे गए कितने लोगों के शवों पर विवाद और डीएनए टेस्ट क्या है, जिससे इन दावों की सही पहचान हो सकेगी, की पडताल करती रिपोर्ट।

परेशान परिजनों की 3 कहानियां

1. ट्रेन हादसे में बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी अखिलेश राय की मौत हो गई। खबर मिलते ही अखिलेश के पिता गुलाम राय बालासोर पहुंचे और फोटो दिखाकर बेटे के शव की पहचान की। इसके बाद गुलाम बेटे के शव को लेने के लिए मॉर्चुरी पहुंचे। वहां उन्हें बताया गया कि उनके बेटे के शव पर बिहार के तीन और परिवारों ने दावा किया है।

2. एम्स भुवनेश्वर ने 42 साल के जहांगीर मिडडे नाम के एक शव की पहचानकर उसके भाई को सौंप दिया। मिडडे के शरीर में कई चोटें थीं और शव सड़ने की वजह से उसका चेहरा बिल्कुल पहचान में नहीं आ रहा था। इसी समय इस शव पर पश्चिम बंगाल के ही एक और परिवार ने दावा ठोंक दिया। इस परिवार का कहना था कि ये शरीर 41 साल के अंजारुल हक का है।

दरअसल, अंजारुल और जहांगीर ने एक जैसे कपड़े पहने थे। इसी वजह से शव को लेकर दोनों परिवार में कन्फ्यूजन है। इसके बाद प्रशासन ने जांच के बाद ही शव देने की बात कही है।

3. कुछ ऐसे ही दुविधा में बिहार का मोहम्मद इमाम उल हक भी फंसा है। उसके भाई का शव अभी भी लापता है, जबकि 12 वर्षीय भतीजे के शव पर दूसरे परिवार भी दावा कर रहे हैं। इमाम के परिवार को पहले प्रशासन ने शव सौंप दिया था, लेकिन घर निकलने से पहले शव पर दूसरे लोगों ने भी दावा कर दिया। इमाम का कहना है कि उसके यहां परंपरा है कि लड़कों के जन्म के समय उनका खतना किया जाता है। हालांकि शव इस स्थिति में नहीं है कि उसकी जांच की जा सके।

ओडिशा ट्रेन हादसे में 288 लोगों के मौत हुई है। इनमें 80 से ज्यादा शव ऐसे हैं, जिसकी पहचान नहीं हो पाई है। जैसे-जैसे दिन बीतते जा रहे हैं, अस्पताल और स्थानीय प्रशासन के लिए इन शवों को सुरक्षित रखना मुश्किल हो रहा है। एम्स भुवनेश्वर के डायरेक्टर आशुतोष विश्वास ने कहा है कि शवों की पहचान के लिए डीएनए जांच कराने का फैसला किया गया है। दिल्ली स्थित एम्स, लेडी हार्डिंग और राम मनोहर लोहिया जैसे टॉप संस्थानों से एनाटॉमी और फोरेंसिक विभाग के 20 डॉक्टर ओडिशा पहुंचे हैं। ये शवों की जांच करने और सुरक्षित रखने के लिए काम कर रहे हैं।

सीनियर पुलिस अधिकारी प्रतीक सिंह ने बताया कि ओडिशा के कई अस्पतालों से एक्सीडेंट में मारे गए लोगों के शवों से डीएनए सैंपल लेने का काम शुरू किया गया है। मंगलवार को 10 सैंपल लेकर विमान से दिल्ली भेजा गया। रिपोर्ट आने के बाद ही शवों की पहचान हो पाएगी।

डीएनए टेस्ट क्या है, कैसे काम करता है?

डीएनए यानी डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड। जैसे किसी इंसान की पहचान के लिए उसके आधार कार्ड में एक यूनीक नंबर दिया गया है। उसी तरह से हमारे शरीर में प्रोटीन का एक स्ट्रक्चर है, जो यूनीक है। इसकी वजह से एक इंसान पूरी दुनिया में अलग होता है और उसके जैसा कोई दूसरा नहीं होगा।

हालांकि डीएनए का कुछ हिस्सा माता-पिता, भाई-बहन और बच्चों से मिलता है। यह एक तरह से इंसानों के शरीर में मौजूद अणुओं का एक ग्रुप है, जो माता-पिता के वंशानुगत गुणों या जेनेटिक इन्फॉर्मेशन को संतानों तक ले जाता है। इसे ऐसे समझें- हमारा शरीर करोड़ों सेल्स से बना है। इन्हें हम आंखों से नहीं देख सकते हैं। हर सेल का अपना खास काम होता है। कोई सेल सुनने और कोई देखने में मदद करता है। करीब 200 तरह के सेल्स हमारे शरीर में हैं। इनमें से हर सेल का डीएनए ही बताता है कि उसे क्या और कैसे करना है।

डीएनए से क्या-क्या पता किया जा सकता है?

2008 में रोहित शेखर नाम का एक शख्स कोर्ट पहुंचा। रोहित ने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री नारायणदत्त तिवारी को अपना पिता बताते हुए डीएनए टेस्ट कराने की मांग की। 7 साल केस चला। आखिरकार डीएनए टेस्ट से रोहित का दावा सही साबित हुआ। 2014 में तिवारी ने रोहित को बेटा माना। साफ है कि डीएनए टेस्ट से माता-पिता और उनके बच्चों के आपसी संबंधों की पुष्टि होती है।

अपराधों की जांच में भी डीएनए टेस्टिंग होती है। दुष्कर्म से लेकर हत्या तक के केस में घटनास्थल से मिले सुरागों की डीएनए टेस्टिंग कर आरोपी का पता लगाया जा रहा है। इसके लिए वारदात की जगह से मिले बाल, नाखून, थूक, खून आदि से पता चलता है कि आरोपी उस जगह था या नहीं। इलाज में भी डीएनए टेस्टिंग की अहम भूमिका है। माता-पिता में से किसी को कोई आनुवांशिक बीमारी है तो डीएनए टेस्टिंग के जरिए यह पता चलता है कि बच्चे में वह पहुंची है या नहीं। पिछले कुछ समय से कई देशों में वैज्ञानिक डीएनए में बदलाव के तरीके तलाश रहे हैं, ताकि आनुवांशिक बीमारियों से बचाया जा सके।

शवों को सुरक्षित रखने के लिए क्या तरीके अपनाए जा रहे हैं?

एम्स भुवनेश्वर के डायरेक्टर आशुतोष विश्वास का कहना है कि स्थानीय प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती शवों को सुरक्षित रखने का है। तेज गर्मी की वजह से इन्हें सुरक्षित रखना काफी मुश्किल है। विश्वास के मुताबिक मौत के बाद 12 घंटे में शवों को सुरक्षित रखने के लिए अगर प्रोसेस शुरू नहीं किया जाता है, तो गर्मी की वजह से शव खराब होने लगते हैं। इसीलिए एम्स 5 डीप फ्रीजर खरीदे हैं, जिसमें 6 महीने तक शवों को सुरक्षित रखा जा सकता है। वहीं, एम्स भुवनेश्वर में एनाटॉमी विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर प्रभास रंजन त्रिपाठी ने बताया कि मौत के 6 से 12 घंटे के भीतर शव को सुरक्षित रखने के लिए उसमें लेप या केमिकल इंजेक्ट करना जरूरी है। देरी होने से शव खराब होने लगता है। इसलिए सबसे पहले शव मिलने के बाद ये प्रोसेस करके उसे फ्रीजर में रखा गया है। आमतौर पर शवों को सुरक्षित रखने के लिए सबसे पहले उसमें फॉर्मेलिन, स्प्रिट, ग्लिसरीन और कार्बोलिक एसिड जैसे केमिकल को इंजेक्ट किया जाता है। इससे शवों के अंदर मौजूद बैक्टीरिया, वायरस और फंगस मर जाते हैं और दोबारा पनप नहीं पाते हैं। इससे बॉडी अंदर से सड़ती नहीं है। इस तरह बॉडी को लंबे समय तक फ्रीजर में रखा जा सकता है।

सड़क हादसे में छात्रा की मौत

तेज रफ्तार कार की टक्कर से उछलकर दूर जा गिरी स्टूडेंट, बाल-बाल बची बहन

बिलासपुर, 9 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में तेज रफ्तार कार की टक्कर से 14 साल की छात्रा की मौत हो गई। हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें सड़क किनारे बहन के साथ पैदल जा रही स्टूडेंट को 100 से अधिक रफ्तार से आ रही कार ने टक्कर मार दी। इससे छात्रा उछलकर दूर जा गिरी। हादसे के बाद नाराज लोगों ने दो घंटे तक चक्काजाम भी किया था। पूरा मामला सीपत थाना क्षेत्र का है।

ग्राम गुड़ी निवासी राजमिस्त्री का काम करने वाले प्रमोद रात्रे की 14 साल की बेटी सिमरन उर्फ विमला रात्रे आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। गुरुवार की सुबह वह अपने चाचा की 12 साल की बेटी विद्या के साथ उचित मूल्य की दुकान गई थी, जहां से दोनों खाली बोरी लेकर घर लौट रही थीं। घटना सुबह करीब 11 बजे की है। दोनों मेन रोड के किनारे चल रही थीं। उसी समय बलौदा की ओर से बिलासपुर आ रही तेज रफ्तार कार ने सिमरन को टक्कर मार दी। इस हादसे में सिमरन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, इस घटना में बाल-बाल बची विद्या सदमे में हैं।

एक्सीडेंट की ये घटना दुकान में लगी सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि टक्कर के बाद सिमरन सड़क से दूर जा गिरी। उसे अंदरूनी चोटें आईं थीं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

गुस्साए लोगों ने दो घंटे तक किया चक्काजाम

इस हादसे के बाद गांव और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। नाराज लोगों ने पुलिस के पहुंचने से पहले ही शव रखकर चक्काजाम करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। घटनास्थल पहुंची पुलिस ने उन्हें समझाइश देने की कोशिश की। लेकिन, भीड़ आरोपी चालक को गिरफ्तार करने और छात्रा के परिजन को मुआवजा देने की मांग पर अड़े रहे। चक्काजाम के चलते करीब दो घंटे तक बिलासपुर-बलौदा मार्ग में आवागमन बाधित रहा। बाद में तहसीलदार ने आर्थिक सहायता राशि दी, जिसके बाद ग्रामीण शांत हुए और चक्काजाम खत्म किया। वहीं, पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी जानकारी जुटाकर तलाश शुरू कर दी है।

कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में लगी भीषण आग

पीएनबी एटीएम समेत 5 से 6 दुकानें खाक सामने खड़ी गाड़ियां भी चपेट में आईं

रायपुर, 9 जून (एजेंसियां)। रायपुर में इस वक्त बड़ी आगजनी की खबर सामने आ रही है। यहां मोतीबाग इलाके में स्थित एक कॉम्प्लेक्स में भीषण आग ली है, जिसमें पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम समेत 5-6 दुकानें चपेट में आ गई है। कॉम्प्लेक्स के बाहर खड़ी गाड़ियां भी जलकर खाक हो गई है।

कॉम्प्लेक्स के पहले माले में कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पा लिया है।

यहां एटीएम के अलावा बगल में पीएनबी का पूरा बैंक भी है। साथ ही ई-व्हीकल्स का आउटलेट भी बताया जा रहा है।

इसके अलावा कई और ऑफिस इसी कॉम्प्लेक्स में संचालित होते हैं, जिनमें रखा सामान जलकर खाक हो गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

मानसून ने केरल में दी दस्तक

झारखंड में 18 जून तक पहुंचेगा मानसून अभी राज्य में हिट वेब का खतरा अलर्ट जारी

रांची, 9 जून (एजेंसियां)। गर्मी से अब बहुत जल्द राहत मिलेगी। मानसून ने केरल में दस्तक दे दी है। आठ से 10 दिन बाद झारखंड में भी मानसून प्रवेश कर जायेगा। मानसून के आने से गर्मी से बड़ी राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने बताया है कि झारखंड में 18 जून को मानसून दस्तक देगा।

11 जून के बाद राज्य के कई हिस्सों में दिखेंगे बादल

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा है, राज्य में मानसून के प्रवेश करने से पहले तक अभी गर्मी परेशान करेगी। 11 जून के बाद थोड़ी राहत मिलेगी। दोपहर के बाद कई जगहों पर बादल नजर आयेंगे। केरल में मानसून 26 मई से 1 जून तक प्रवेश करता है, लेकिन इस बार केरल तट पहुंचने में मानसून को देरी हुई है इसका असर पूरे देश में पड़ा है। झारखंड में मानसून तीन दिनों के बाद दस्तक दे रहा है। सामान्य तौर पर झारखंड में 10 से 15 जून तक मानसून के प्रवेश करने का समय होता है।

झारखंड के कई जिलों में अभी गर्मी सता रही है। कई जिलों का तापमान बढ़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, नौ से 12 जून तक राज्य में लू चलने की संभावना है तापमान में भी बढ़त दर्ज की जा रही है पूर्वोत्तर भाग संताल परगना में सबसे पहले मौसम में बदलाव का असर नजर आयेगा। इन इलाकों में 11 तारीख के बाद आसमान में बादल नजर आ सकते हैं। झारखंड में 11 जून तक लू का अलर्ट था, लेकिन मौसम विभाग के ताजा अपडेट के मुताबिक 12 जून को भी पूरे राज्य में लू चलेगी. ऐसे में 9 से लेकर 12 जून के लिए विभाग ने पूरे झारखंड में लू का अलर्ट जारी किया है।

झारखंड में फिलहाल सबसे ज्यादा गर्मी संताल में पड़ रही है। गुरुवार को गोड्डा का अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री सेल्सियस रहा है। रांची का अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री और न्यूनतम 28.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मेदिनीनगर का तापमान 43.4 और जमशेदपुर का 41.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

एकतरफा प्यार में पागल थी युवती, युवक ने की हत्या

आरोपी बोला-फोन कर जंगल में मिलने बुलाकर करने लगी शादी की जिद, पत्थर से कुचला सिर

बलरामपुर-रामानुजगंज, 9 जून (एजेंसियां)। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में 4 दिन पहले मिली लापता युवती की लहूलुहान लाश के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। एकतरफा प्यार में युवती आरोपी पर शादी का दबाव बना रही थी, जिससे तंग आकर उसने युवती की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी। युवती का शव ग्राम पंचायत अमरपुर के आमादारा पाठ के जंगल में मिला था। मामला कुसमी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम पंचायत अमरपुर के आमादारा पाठ के जंगल में 4 जून की शाम एक 20 वर्षीय युवती की खून से लथपथ लाश मिली थी। अज्ञात आरोपी ने पत्थर से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी थी। मामले में एसपी लाल उमेद सिंह के निर्देशन और एसडीओपी रितेश चौधरी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम जांच में जुटी हुई थी। मृतका की शिनाख्त सरस्वती गोंड़ (20 वर्ष) के रूप में हुई।

जांच के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर ग्राम पंचायत अमरपुर के घुझरियापाठ निवासी 20 वर्षीय प्रदीप यादव को हिरासत में ले लिया। जब उससे कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि 2 जून को युवती ने ही उसे जंगल में मिलने के लिए बुलाया था। वो उससे एकतरफा प्रेम करती थी और कई बार समझाने के बाद भी शादी के लिए अड़ी हुई थी।

आरोपी ने बताया कि 2 जून की सुबह युवती ने उसे फोन कर कहा कि भुलसीकला हाईस्कूल में पढ़ाई करने के बाद तुम मुझे भूल गए हो। मैं गांव में अपने मामा के घर आई हूं और तुमसे मिलना चाहती हूं। फिर शाम करीब 7 बजे दोनों की आमादारा गढ़वा टोली क्षेत्र के जंगल में मुलाकात हुई। यहां बातचीत के दौरान युवती ने युवक से कहा कि तुम्हें पसंद करती हूं और शादी करना चाहती हूं। मैं तुम्हारे घर में रहने आई हूं।

इस पर प्रदीप ने कहा कि हमारी जाति अलग है, मैं तुमसे शादी नहीं कर सकता। ऐसा कहकर प्रदीप वहां से अपने घर की तरफ जाने लगा, लेकिन युवती पीछे से आकर दोबारा शादी के लिए जिद करने लगी। आरोपी ने बताया कि वो युवती से प्यार नहीं करता था, लेकिन उसकी बार-बार की जिद से वो आवेश में आ गया और बड़े पत्थर से सिर पर वार कर युवती को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद उसके चेहरे को भी पत्थर से कुचल दिया। युवती की लाश 4 जून को जंगल से मिली थी। आरोपी के जुर्म कबूल कर लेने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

अमित अग्रवाल और दिलीप घोष ईडी की रिमांड पर

घोटाला मामले में सामने आयेंगे कई राज, कोर्ट ने आरोपियों को 72 घंटे की रिमांड पर भेजा

रांची, 9 जून (एजेंसियां)। रांची में सेना की जमीन पर कब्जे के मामले में कारोबारी अमित अग्रवाल एवं जगत बंधु टी इस्टेट के मालिक दिलीप घोष को 72 घंटे के लिए ईडी की रिमांड पर भेजा गया है। ईडी अब इनसे पूछताछ करेगी। शुक्रवार को ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की कोर्ट ने ईडी को इन दोनों से पूछताछ के लिए 72 घंटे के रिमांड पर भेजने का आदेश दिया है। ईडी ने पांच दिनों की रिमांड मांगी थी लेकिन कोर्ट ने सिर्फ 72 घंटे की रिमांड दी है। 7 जून को देर रात कोलकाता से इन दोनों की गिरफ्तारी हुई थी। ईडी ने पहले भी इन दोनों से पूछताछ की थी लेकिन दोनों कई सवाल से बचते रहे। अब जब पुलिस ने इन्हें

गिरफ्तार कर लिया है और ईडी के पास भी कई अहम सबूत हैं ऐसे में सवालों को टालना इनके लिए मुश्किल होगा। ईडी ने दिलीप घोष को 10 मई को पूछताछ के लिए समन भेजा था। रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन और बड़गाई के राजस्व कर्मचारी सहित 18 लोगों के 22 ठिकानों पर 13 अप्रैल को ईडी ने छापेमारी की थी। इस दौरान बड़ी संख्या में जमीन के फर्जी डीड , मुहर सहित कई अहम दस्तावेज ईडी के हाथ लगे थे। 14 अप्रैल को ईडी ने सात लोगों को गिरफ्तार किया इसमें राजस्व कर्मचारी भानु प्रताप, प्रदीप बागची, अफसर अली, इम्तियाज खान तलहा खान, फैयाज खान एवं मोहम्मद सद्दाम शामिल था। अभी तक रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन सहित कुल दस गिरफ्तारियां हो गई हैं। फर्जी कागजात के आधार पर प्रदीप बागची नामक शख्स ने कोलकाता के जगतबंधु टी इस्टेट के मालिक दिलीप घोष को यह जमीन बेची थी।

इस कंपनी में अमित अग्रवाल भी सहयोगी हैं। ईडी ने इस घोटाले में अब रांची के बड़ागाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, सेना के कब्जे वाली जमीन के फर्जी रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान और मोहम्मद सद्दाम को गिरफ्तार किया था।

कोयले की अवैध खदान धंसी, तीन की मौत

रांची, 9 जून (एजेंसियां)। झारखंड में धनबाद के पास कोयले की एक अवैध खदान धंसने की खबर है। मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है।

इस दौरान तीन लोगों की मौत की भी खबर है। जानकारी के मुताबिक, धनबाद के पास शुक्रवार को अवैध रूप से संचालित खदान के ढह गई। घटना भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के भौरा कोलियरी क्षेत्र में सुबह 10.30 बजे हुई। सिंदरी पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अभिषेक कुमा ने बताया कि फंसे या घायल लोगों की संख्या अभी नहीं बताई जा सकती। बचाव दल ने मोर्चा संभाल लिया है।

एक चश्मदीद ने बताया कि जब खदान धंसी तो कई स्थानीय ग्रामीण अवैध खनन में लगे हुए थे। स्थानीय लोगों की मदद से तीन लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। भौरा थाने के इंस्पेक्टर बिनोद उरांव ने कहा कि बचाव कार्य जारी है।

इस बीच सरायकेला-खरसावां जिले में जमशेदपुर से लगभग 30 किलोमीटर दूर सहर्बेदा में एक बस और ट्रक के बीच टक्कर हो गई। इस दौरान दो यात्रियों की मौत हो गई और आधा दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, हादसा शुक्रवार को तड़के चार बजे के आसपास हुआ और इसकी वजह चालक को झपकी आना बताया जा रहा है। बस बिहार के नवादा से जमशेदपुर जा रही थी और इसमें 40 यात्री सवार थे। यह रांची-जमशेदपुर मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग-33 पर दुर्घटना की शिकार हो गई।

करंट से मौत पर जेई-लाइनमैन पर एफआईआर

बेमेतरा, 9 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा में करंट से महिला की मौत मामले में बिजली विभाग के जेई (जूनियर इंजीनियर) और लाइनमैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। महिला जमीन से चार फीट ऊपर लटकते तार की चपेट में आ गई थी। पुलिस जांच के दौरान सामने आया है कि इसमें बिजली कंपनी के कर्मचारियों की लापरवाही थी। बार-बार शिकायत करने के बाद भी कर्मचारियों की ओर से उसे ठीक करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया। मामला नवागढ़ थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, दो जून को ग्राम पडकीडीह निवासी लक्ष्मी साहू (21) पत्नी जलेश्वर साहू की करंट लगने से मौत हो गई थी। वह घटना वाले दिन सुबह खेत गई थी। इस दौरान वहां लटक रहे 11 केवी के तार की चपेट में आ गई। इसके बाद परिजनों ने इस मामले में पुलिस में शिकायत की। जांच के दौरान पता चला कि, तार जमीन से करीब चार फीट की ऊंचाई पर लटक रहा था। इस संबंध में ग्रामीणों ने नवागढ़ के जेई अनिल चंद्राकर और लाइनमैन शत्रुहन लाल चतुर्वेदी को जानकारी दी थी। आरोप है कि शिकायत के बाद भी दोनों कर्मचारियों ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। अगर तार की ऊंचाई को ठीक कर दिया जाता तो यह घटना नहीं होती। इस मामले में पुलिस ने जांच के बाद आरोपी जेई अनिल चंद्राकर और लाइनमैन शत्रुहन लाल चतुर्वेदी के खिलाफ धारा 304(ए) व 34 के तहत मामला दर्ज किया है। महिला की मौत होने के बाद दो जून को ग्रामीणों ने बिजली कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन भी किया था। तब प्रशासन ने पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए थे। अब जांच के बाद यह कार्रवाई हुई है।

जेएसएसयू और विभिन्न छात्र संगठनों से किया झारखंड बंद का एलान

सरकारी नौकरी में 100 फीसदी आरक्षण की मांग

रांची, 9 जून (एजेंसियां)। झारखंड राज्य छात्र यूनियन (जेएसएसयू) और अन्य विभिन्न संगठनों ने मिलकर शनिवार को 48 घंटे का झारखंड बंद का एलान किया है। यह बंद स्थानीय लोगों को सरकारी नौकरी में 100 फीसदी आरक्षण देने की मांग में रखा गया है। झारखंड के आदिवासी आइकन बिरसा मुंडा के पुण्यतिथि पर शुक्रवार की शाम को छात्र संगठन विभिन्न जिलों में टॉर्चलाइट जुलूस निकालेंगे। जेएसएसयू के नेता देवेंद्र महतो ने कहा- हम यह टॉर्चलाइट जुलूस राज्य सरकार को हमारे हिरो बिरसा मुंडा द्वारा झारखंड के लिए देखे गए सपने को याद दिलाने के लिए निकालेंगे। सरकारी नौकरी के लिए हमारी सरकार ने झारखंड के दरवाजे बाहरी लोगों के लिए खोल रखे हैं, जिसमें हमें अनुमति नहीं दी गई है। इसलिए हमने 48 घंटों के लिए झारखंड बंद बुलाया है जो कि

10 जून को शुरू होगा। इससे पहले जेएसएसयू ने इस मुद्दे पर अप्रैल में 72 घंटे का अभियान चलाया था और 19 अप्रैल को भी झारखंड बंद रखा गया था। महतो ने कहा कि उन्होंने झारखंड में ट्रांसपोर्ट और ट्रेडर्स संघों से भी इस बंद का समर्थन करने की अपील की है। उन्होंने कहा- यह केवल हमारी लड़ाई नहीं है, यह झारखंड के बच्चों का भविष्य सवारने का एक संघर्ष है, जिनके अधिकार बाहर वालों को दे दिया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि 60-40 के अनुपात में नौकरी के विज्ञापन जारी किए जा रहे हैं। महतो ने दावा किया कि सरकार ने 1932 के खतियान के आधार पर रोजगार नीति का वादा किया था, लेकिन उन्होंने 2016 से पहले एक रोजगार नीति पेश की जिसमें वंचित छात्रों के लिए 60 फीसदी सीटें आरक्षित रखी गई, जबकि 40 फीसदी सभी के लिए खुला रहेगा।

क्या है 'बांध युद्ध' जिसने एक झटके में यूक्रेन में मचाई तबाही

कैसे हुई थी इसकी शुरुआत?

कीव, 9 जून (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध को चलते 16 महीने से ज्यादा का समय हो चुका है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस युद्ध में अब तक 10 हजार से ज्यादा आम लोगों की मौत हो चुकी है। 20 हजार से ज्यादा लोग घायल हैं। करीब 70 हजार से ज्यादा जवान दोनों तरफ से मारे गए हैं। ये आंकड़े लगातार बढ़ रहे हैं।

इस बीच, छह जून को यूक्रेन के सबसे बड़े डैम यानी बांध में से एक नोवा कखोव्का पर हमला हुआ। बांध टूटने से 50 से ज्यादा गांव डूब गए हैं। इनमें रहने वाले 40 हजार से ज्यादा लोगों की जान खतरे में पड़ गई है। बांध के टूटने पर यूक्रेन और रूस एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं।

युद्ध में बांध तोड़कर दुश्मन को रोकने और युद्ध में जीत के लिए आगे बढ़ने का तरीका काफी पुराना है। ऐसे में आज हम डैम वॉर यानी बांध युद्ध की पूरी कहानी बताएंगे। कैसे इसकी शुरुआत हुई और इसका प्रयोग युद्ध में कैसे किया जाता है?

पहले समझिए यूक्रेन में क्या हुआ?

दक्षिणी यूक्रेन और क्रीमिया को पानी की आपूर्ति करने वाला कखोव्का बांध मंगलवार छह जून को तड़के टूट गया। सीमा से सटा यह बांध सीमा पर रूस के नियंत्रण वाले क्षेत्र में पड़ता है। बांध टूटने से आसपास के क्षेत्र में बाढ़ आ गई। इससे सबसे बड़ा खतरा पास के एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र को उत्पन्न हो गया है।

कखोव्का बांध के क्षतिग्रस्त होने से नजदीक में बसे एक शहर और 50 से ज्यादा गांवों में बाढ़ आ गई। वहीं, बाढ़ के कारण इन इलाकों से 25,000 लोगों को निकाल कर सुरक्षित जगह ले जाया गया है। करीब 15 हजार लोग अभी भी फंसे हुए हैं। अब रूस और यूक्रेन दोनों ही घटना के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

बांध पर रूसी सेना ने फरवरी 2022 में यूक्रेन के साथ युद्ध की शुरुआत में कब्जा कर लिया था। बांध दक्षिणी यूक्रेन के खेरसॉन क्षेत्र और रूस नियंत्रित क्रीमिया प्रायद्वीप के लिए एक रणनीतिक जल स्रोत है। बांध टूटने से परमाणु घटना की आशंका को बढ़ गई है, क्योंकि जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र पास में ही स्थित है।

कखोव्का बांध कब बना था?

कखोव्का पनबिजली संयंत्र के हिस्से के रूप में कखोव्का बांध को साल 1956 में सोवियत काल में नीप्रो नदी पर बनाया गया था। यह 30 मीटर (98 फीट) ऊंचा और 3.2 किमी (2 मील) लंबा है। यह बांध देश के दूर उत्तर से दक्षिण में समुद्र में फैला हुआ है। बांध में अमेरिकी राज्य यूटा में ग्रेट साल्ट लेक की मात्रा के बराबर पानी रखने की क्षमता है। स्थानीय लोग इसे कखोव्का सागर भी कहते हैं क्योंकि कुछ जगहों पर बांध का दूसरा किनारा नहीं दिखाई देता है।

अब जानिए डैम वॉरफेयर क्या होता है?

रक्षा मामलों के जानकार कर्नल (रिटायर्ड) आरसी मेहता कहते हैं, 'जंग में जीत के लिए लोग अलग-अलग तरह की युद्ध रणनीतियां बनती हैं। इसमें दुश्मन पर हमले से लेकर उन्हें रोकने तक की योजना होती है। डैम वॉरफेयर इसी का एक हिस्सा है। ये ऐसी जगहों पर होता है, जहां बांध, नदी या कोई नहर होती है।'

'बांध पर अचानक हमला करके उसे क्षतिग्रस्त किया जाता है, ताकि दुश्मन की सेना या तो पानी में बह जाए या फिर आगे की राह उसकी प्रभावित हो जाए। इसी तरह नदी और नहर के पानी का रूख भी मोड़कर जंग में फायदा उठाने की कोशिश होती है।'

बांध तोड़कर दुश्मन देशों को परास्त करने की रणनीति है पुरानी

इतिहासकार प्रो. किरण शर्मा बताती हैं कि बांधों को नष्ट करके युद्ध जीतने के कई उदाहरण मिलते हैं। युद्धों के इतिहास पर नजर डालें तो ईरान के राजा साइरस ने युफरेटस नदी की धार को बदलकर अपने सैनिकों को लिए रास्ता बनाया। ऐसा कर साइरस ने एक रात में बेबिलोन को जीत लिया था। तब से दुनिया में डैम वॉरफेयर (बांध युद्ध) की शुरुआत मानी जाती है।

शर्मा के मुताबिक, मंगोलों ने 1200 ईसवी में मध्य एशिया के गुरजांग शहर को एक बांध तोड़कर तबाह कर दिया था। इसमें 10 लाख लोगों की मौत हो गई थी। इसी तरह 1500 ईसवी से 2000 के बीच नीदरलैंड और दक्षिण पश्चिम यूरोप में ज्यादातर बाढ़ जंग के समय ही आई थी। ये बांध युद्ध का ही नतीजा था।

साल 1937 में जापान-चीन युद्ध के समय भी बांध युद्ध का प्रयोग हुआ था। उस दौरान जापान की सेना लगातार ताकतवर हो रही थी। सीमा को लेकर चीन से विवाद गहराता जा रहा था। जब मामला बढ़ा तो जापान ने चीन पर हमला कर दिया।

पेंटागन अधिकारियों को भरोसा

पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा नए मानदंड करेगी स्थापित

वाशिंगटन, 9 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने अमेरिका की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर जाने वाले हैं। इसे यात्रा से भारत और अमेरिका के लोगों को काफी उम्मीद है। गुरुवार को एक पेंटागन अधिकारी ने कहा पीएम मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों में नए मानदंड स्थापित करेगी। साथ ही उम्मीद जताई कि रक्षा औद्योगिक सहयोग और भारत के स्वदेशी सैन्य अड्डे को बढ़ावा देने के लिए बड़ी घोषणाएं हो सकती है। गौरतलब है, प्रधानमंत्री मोदी इस महीने राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन के निमंत्रण पर अमेरिका की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर जाएंगे। 21 जून से शुरू होने वाली अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति और प्रथम महिला 22 जून को मोदी के राजकीय रात्रि भोज की मेजबानी करेंगे।

इंडो-पैसिफिक सिक्योरिटी अफेयर्स के रक्षा सचिव एली रैटनर ने गुरुवार को सेंटर फॉर न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी में एक पैनल चर्चा के दौरान पीएम मोदी की अमेरिकी यात्रा पर बात की। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी यहां आएंगे, तो यह दोनों देशों के बीच संबंधों के लिए नए मानदंड स्थापित करने वाली एक ऐतिहासिक यात्रा होगी। उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कई द्विपक्षीय मुद्दों को आगे बढ़ाने और विशेष समझौतों व प्रस्तावों को अंतिम रूप देने के लिए भारत का दौरा किया था। इन समझौतों को लेकर जमीनी स्तर पर काम करने की तैयारी चल रही है। पीएम मोदी जब अमेरिका आएंगे तो इन पर अंतिम मुहर लगेगी।

रैटनर ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की संयुक्त राज्य अमेरिका की राजकीय यात्रा भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों में नए मानदंड स्थापित करेगी और दोनों को सह-उत्पादन और सह-विकास के मुद्दों पर अभूतपूर्व तरीकों से करीब लाएगी। उन्होंने बताया कि अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और उनके भारतीय भारतीय समकक्ष अजीत डोभाल ने जनवरी में अमेरिका और भारत के बीच प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ाने की कोशिश करने के लिए महत्वपूर्ण और उभरती हुई प्रौद्योगिकी (आईसीईटी) के लिए पहल की शुरुआत की थी। पेंटागन अधिकारी ने कहा कि इसका एक बहुत मजबूत रक्षा घटक है कि दो देश आगे बढ़ना चाह रहे हैं।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान में अपराधी बेखौफ

शिक्षण संस्थानों में बच्चे हो रहे ड्रग्स के आदी

इस्लामाबाद, 9 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कराची में पिछले पांच महीनों में 61 लोगों की मौत गोलीबारी और अन्य सड़क अपराधों (स्ट्रीट क्राइम) की वजह से हुई है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार मई महीने के दौरान कराची में स्ट्रीट क्राइम के 7843 मामले दर्ज किए गए।

दो दिन पहले गुलशन इकबाल में कामरान चौरंगी के पास कुछ साइकिल सवार लुटेरों ने एक यूनिवर्सिटी वाहन को रोककर उसमें बैठे छात्रों और टीचरों को लूटकर फरार हो गए।

कराची की बिगड़ती कानून व्यवस्था है चिंता का विषय

कराची में बिगड़ती कानून व्यवस्था सिंध सरकार और पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। प्रांत में स्ट्रीट क्राइम तेजी से बढ़ रहा है, जिस वजह से लोग दहशत में जीने लगे हैं। चोर लुटेरे बिना डरे अपराधों को अंजाम दे रहे हैं।

पाकिस्तान की वर्नाक्युलर मीडिया का मानना है कि सिंध के अधिकारियों को कराची में अराजकता रोकने के लिए इसपर जल्द से जल्द काम करने की जरूरत है, जिससे की कराची के लोग चैन से जी सके।

आर्थिक तंगी के बीच बढ़ने लगा अपराध

मीडिया के हवाले से बताया जा रहा है कि पाकिस्तान फिलहाल आर्थिक तंगी से जूझ रहा है, जिस वजह से देश में अपराध तेजी से बढ़ने लगा है। आर्थिक तंगी के कारण देश के नागरिक रोजमर्रा की जरूरत की चीजों का इंतजाम करने में असमर्थ हैं। यहां भुखमरी तेजी से बढ़ रही है, खाने की किल्लत की वजह से लोगों में निराशा छा रहा है।

शिक्षण संस्थानों में बच्चे दुखी और निराशा की वजह से ड्रग्स के आदी हो रहे हैं। पाकिस्तान में 1200 बच्चे रोजाना सिगरेट पीने के आदी हो चुके हैं और ऐसे में हर साल एक लाख लोगों की मौत हो रही है। मौजूदा समय में पाकिस्तान अपने सबसे खराब दौर से गुजर रहा है, जहां लोगों को खाने की किल्लत, रुपये में गिरावट और बिजली में कटौती का सामना करना पड़ रहा है।

बैंकों में जमा रकम डूबने के अंदेशे से श्रीलंका के लोगों में फैली बेचैनी

कोलंबो, 9 जून (एजेंसियां)। जिस समय श्रीलंका सरकार विदेशी कर्जदाताओं से कर्ज चुकाने में रियायत पाने के लिए हाथ-पांव मार रही है, उसी समय देश के अंदर की कर्ज समस्या ने गंभीर रूप ले लिया है। इससे देशवासियों में बेचैनी बढ़ रही है। खबरों के मुताबिक रानिल विक्रमसिंघे सरकार ने उम्मीद की थी कि वह देशी कर्ज के बारे में मई के अंत तक एक योजना तैयार कर लेगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ज्यादातर मामलों में ये कर्ज बैंकों और अन्य संस्थागत निवेशकों ने सरकार को दिए हैं। अब बैंकों ने सरकारी योजना के बारे में स्पष्टीकरण मांगा है। जबकि जमाकर्ताओं में इस संकट के नतीजों को लेकर आशंकाएं गहरा गई हैं। जिन लोगों ने बैंकों में अपने पैसे जमा करा रखे हैं, वे लगातार बैंकों से संपर्क कर रहे हैं। जमाकर्ताओं को डर है कि उनकी जमा राशि डूब सकती है। एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल बैंकर्स ऑफ श्रीलंका के अध्यक्ष बीएएचएस प्रीना ने कहा है कि अलग-अलग मकसद रखने वाले लोग स्थिति को और गंभीर बना रहे हैं।

आतंकरोधी अदालत ने इमरान समर्थक 13 महिलाओं को जेल भेजा

हाउस पर हमले का मामला

इस्लामाबाद, 9 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान की एक आतंकवाद निरोधक अदालत ने जिन्ना हाउस पर हमले से जुड़े एक मामले में फैशन डिजाइनर खदीजा शाह समेत 13 पीटीआई समर्थक महिलाओं के लिए पुलिस हिरासत के अनुरोध को खारिज कर दिया और उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

देश के एक प्रमुख समाचार पत्र ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से जुड़ी महिलाओं को जब उनकी छह दिन की हिरासत की अवधि समाप्त होने पर अदालत के सामने पेश किया गया तो जांच अधिकारी (आईओ) ने कहा कि जिन्ना हाउस पर नौ मई को हुए हमले के दौरान इस्तेमाल किए गए क्लब और पेट्रोल बम बरामद करने के लिए संदिग्धों के लिए और हिरासत की जरूरत है।

इन महिलाओं को न्यायिक हिरासत में भेजा गया जेल

न्यायाधीश अबेर गुल खान ने कहा कि जांच अधिकारी ने संदिग्धों की रिमांड के लिए पिछले आवेदन में पेट्रोल बमों की बरामदगी का जिक्र नहीं किया था और आगे की शारीरिक हिरासत के पुलिस के अनुरोध को खारिज कर दिया। इसके बाद खदीजा शाह, सनम जावेद और तैय्यबा राजा के अलावा संसद की पूर्व सदस्य आलिया हमजा, मरियम मजारी, साबुही इनाम, हुमा सईद, आयशा मसूद, महा मसूद और खदीजा नदीम सहित महिलाओं को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

अल-कादिर ट्रस्ट मामले में राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के परिसर से पूर्व प्रधानमंत्री खान को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद हिंसा भड़क उठी थी, जिसमें कम से कम दस लोग मारे गए थे और एक हजार से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

20 से ज्यादा सैन्य प्रतिष्ठानों पर हुआ था हमला

प्रदर्शनकारियों ने 9 मई को लाहौर कोर कमांडर हाउस, मियांवाली एयरबेस और आईएसआई की इमारत समेत 20 से ज्यादा सैन्य प्रतिष्ठानों और सरकारी इमारतों पर हमला किया था। रावलपिंडी में सेना मुख्यालय (जीएचक्यू) पर भी पहली बार भीड़ ने हमला किया। खान को बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने पूरे पाकिस्तान से खान की पार्टी के 10,000 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है, जिनमें से 4,000 पंजाब प्रांत से हैं।

उधर, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि उनके कोर्ट मार्शल के लिए स्टेज तैयार हो गया है। खान की यह टिप्पणी तब आई है जब एक दिन पहले गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह ने उन पर नौ मई को हुई हिंसा का मास्टरमाइंड और साजिशकर्ता होने का आरोप लगाया है।

दस मामलों में उच्च न्यायालय में पेश हुए पीटीआई प्रमुख

खान, गुरुवार को दो मौजूदा याचिकाओं और आठ नई जमानत याचिकाओं सहित 10 अलग-अलग मामलों के सिलसिले में इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के समक्ष पेश हुए। इसके बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह जानते हैं कि उनके खिलाफ सैन्य अदालत में मुकदमा चलाया जाएगा।

फर्जी मामलों में मेरी दोषसिद्धि की कोई संभावना नहीं

उन्होंने सैन्य अदालत में एक नागरिक के मुकदमे को लोकतंत्र का अंत और पाकिस्तान में न्याय का अंत करार दिया। 'डॉन' अखबार ने उनके हवाले से कहा कि सैन्य अदालत में मुकदमा गैरकानूनी होगा।

खान ने कहा, वे जानते थे कि मेरे खिलाफ दर्ज 150 से अधिक मामले निराधार हैं और इन फर्जी मामलों में मेरी दोषसिद्धि की कोई संभावना नहीं है, इसलिए उन्होंने सैन्य अदालत में मेरा मुकदमा चलाने का फैसला किया है।

बांग्लादेश गिरता रहा टका तो डूब जाएगी बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था!

ढाका, 9 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश की मुद्रा की कीमत में लगातार हो रही गिरावट से देश की वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा पैदा हो गया है। यह बात खुद वित्त मंत्रालय के एक दस्तावेज में कही गई है। साल 2023-24 से 2025-26 के लिए सरकार की वित्तीय नीति संबंधी इस दस्तावेज में कई ऐसे पहलुओं का जिक्र है, जिनको लेकर आगाह किया गया है। बांग्लादेश में जो वित्तीय समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, उनमें एक बिजली सब्सिडी से जुड़ी है। सरकारी वक्तव्य में चेतावनी दी गई है कि अगर अमेरिकी डॉलर एक टका और महंगा हुआ, तो बिजली पर सरकार का सब्सिडी खर्च 474 करोड़ टका बढ़ जाएगा। अगर टका के मूल्य में इस वित्त वर्ष में दस फीसदी और गिरावट आई, तो सरकारी पर मौजूद ऋण में 3,800 करोड़ टका की बढ़ोतरी हो जाएगी।

अन्य देशों की तरह बांग्लादेश ने भी ज्यादातर ऋण डॉलर में ले रखे हैं। इसलिए डॉलर के महंगा होने के साथ बिना नया कर्ज लिए भी विभिन्न देशों पर कर्ज का बोझ बढ़ता चला गया है। अब यह समस्या बांग्लादेश में भी गंभीर रूप ले रही है। डॉलर के मुकाबले टका के सस्ता होने से सब्सिडी खर्च, ऋण भुगतान और परियोजनाओं पर अमल की लागत में भारी बढ़ोतरी होने का अंदेशा है। टका के मूल्य में हाल में आई तेज गिरावट के कारण बांग्लादेश के लिए आयात करना महंगा हो गया है। इसके अलावा पहले लिए गए ऋण (मूल धन और ब्याज) को चुकाने पर उसे अधिक रकम खर्च करनी पड़ रही है। यही हाल देश में चल रही विकास परियोजनाओं का भी है।

सरकारी वक्तव्य में कहा गया है- 'मुद्रा अवमूल्यन से सरकारी परियोजनाओं पर सरकारी खर्च में भारी इजाफा हो सकता है। सरकारी परियोजनाओं की आयात पर भारी निर्भरता है।

पाकिस्तान में पड़े खाने के लाले

आटे की चोरी रोकने के लिए लागू हुई धारा 144

इस्लामाबाद, 9 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान में जहां एक तरफ राजनीतिक अस्थिरता का दौर चल रहा है, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान कंगाली के कगार पर पहुंच गया है। हालात ऐसे हैं कि वहां खाने के लिए आटा नहीं मिल रहा है और अब वहां आटे की तस्करी शुरू हो गई है! अब खबर आई है कि आटे की चोरी रोकने के लिए पाकिस्तान के ब्लूचिस्तान प्रांत में धारा 144 लागू कर दी गई है। सरकार ने इसके लिए बाकायदा सरकारी आदेश जारी कर जानकारी दी है।

आटे की चोरी रोकने को धारा 144 लागू

पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, ब्लूचिस्तान में गेहूं की पैदावार होती है। चूंकि पाकिस्तान में आटे की किल्लत है, ऐसे में ब्लूचिस्तान की सरकार के खाद्य विभाग ने राज्य में पैदा हुए गेहूं या आटे की तस्करी रोकने के लिए पूरे राज्य में धारा 144 लागू करने का आदेश दिया है। सरकार का कहना है कि अगले गेहूं की पैदावार के मौसम तक राज्य में आटे की किल्लत ना हो, इसके लिए सरकार ने यह फैसला किया है।

चीनी-आटे के भाव आसमान छू रहे

पाकिस्तान में हालात इतने खराब हैं कि वहां खाने पीने के आधारभूत सामान की भी भारी किल्लत हो रही है। पाकिस्तान में आटे और चीनी के भाव आसमान छू रहे हैं। बढ़ती महंगाई पाकिस्तान की गरीब जनता के मुंह का निवाला छीन रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ब्लूचिस्तान में चीनी का भाव 130-200 पाकिस्तानी रुपए प्रति किलो तक पहुंच गया है। वहीं 20 किलो आटे की कीमत 2600-4000 रुपए तक पहुंच गई है। पाकिस्तान में रमजान के महीने से ही आटे की किल्लत बनी हुई है। पाकिस्तान में आटे की मिल्स ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का एलान किया है, जिसकी वजह से पाकिस्तान में आटे की भारी कमी हो गई है।

हिन्दू बंटा तो देश घटा : वीरेश शांडिल्य

पूरे विश्व के सनातनियों को एकजुट करना ही मेरा लक्ष्य

अयोध्या, 9 जून (एजेंसियां)। विश्व हिन्दू तख्त के श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष स्वामी महंत नृत्य गोपाल दास द्वारा उद्घाटन के पश्चात विश्व हिन्दू तख्त के प्रमुख वीरेश शांडिल्य द्वारा अयोध्या के पावन माता सरयू घाट जहाँ श्री राम ने जल समाधि ली उस जगह से महाआरती कर विश्व हिन्दू तख्त का कार्य आरंभ किया। महा आरती में अयोध्या के प्रमुख संत एवं विशेष रूप से विश्व हिन्दू तख़्त के महा आरती कार्यक्रम में कैसरगंज के सांसद बृज भूषण शरण सिंह मौजूद रहे। वीरेश शांडिल्य ने सरयू घाट से भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया और कहा कि उनका लक्ष्य अब आतंकवाद के खिलाफ मुहिम के साथ ही देश के सनातनियों को एकजुट करना होगा उन्होंने जहा अगर हिन्दू बटा तो देश बटा इसलिए सनातनियों का एक मंच पर आना बेहद जरूरी है। अयोध्या व हनुमानगढ़ी के संत समाज ने विश्व हिन्दू तख़्त के प्रमुख वीरेश शांडिल्य को भगवा दोशाला व पुष्पमालाएं पहनाकार विश्व हिन्दू तख्त का शुभारम्भ करने पर आशीर्वाद दिया और संतो ने कहा कि वीरेश शांडिल्य निर्भीक एवं राष्ट्रवादी है और उनके नेतृत्व में निश्चित तौर पर सनातन धर्म मजबूत होगा और संत समाज हिन्दू राष्ट्र बनाने के उनके महायज्ञ में सदैव साथ है। अयोध्या सरयू घाट पर भारत माता की जय और सनातन धर्म की सदैव जय के जयघोष भी लगाए गए। सांसद बृज भूषण शरण सिंह ने भी महाआरती में शिरकत कर विश्व हिन्दू तख्त प्रमुख प्रमुख वीरेश शांडिल्य को बधाई दी और कहा कि विश्व हिन्दू तख्त के साथ वह देश के तमाम संत समाज को जोड़ने के लिए उनकी मदद करेंगे। विश्व हिन्दू तख्त के प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने बताया कि अयोध्या में सरयू माता घाट पर जहाँ भगवान राम ने जल समाधी ली वहाँ हजारों लोगों के बीच महाआरती कर विश्व हिन्दू तख्त देश में सनातन धर्म को मजबूत करने की भूमिका में आ गया है और अब सबसे पहले भारत के संविधान में जो अनुच्छेद व धाराएं सनातन व हिन्दू विरोधी है उनमे बदलाव के लिए संतों के आह्वान पर काम किया जाएगा और देश के हर राज्य में विश्व हिन्दू तख्त चिंतन शिविर करेगा और सनातनियों को आने वाली समस्याओं को खत्म करने का काम करेगा। इस अवसर पर संत शिरोमणि महंत राज कुमार दास, हनुमान गड़ी के महाराज संजय दास, हनुमान गढ़ी के वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास, बलराम दास महाराज, महंत शशिकांत दास, महंत इश्वर दास त्यागी, विश्व हिन्दू तख्त के अंकुश उप्पल, एडवोकेट वासु रंजन शांडिल्य, महेंद्र कुमार त्रिपाठी, स्वप्निल सिंह, अनूप द्विवेदी समेत हजारों लोग सरयू माता नदी पर मौजूद रहे।

उठते सवालों से बेफिक्र इमरान की पार्टी को नष्ट करने में जुटा है एस्टेब्लिशमेंट

इस्लामाबाद, 9 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से निकले नेता जहांगीर खान तरीन ने अपनी नई पार्टी बना ली है। इसका नाम इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान (आईपीपी) रखा गया है। पर्यवेक्षकों की राय में यह पार्टी 'एस्टेब्लिशमेंट' (सेना+खुफिया नेतृत्व) की शह पर बनाई गई है। इसका मकसद इमरान खान को राजनीति से अलग-थलग करना और पाकिस्तान में एस्टेब्लिशमेंट की मन-माफिक विपक्षी पार्टी का गठन है। आईपीपी में कई ऐसे नेता शामिल हुए हैं, जिन्होंने पिछले एक महीने के दौरान पीटीआई छोड़ी है।

पाकिस्तानी मीडिया में आई खबरों के मुताबिक एस्टेब्लिशमेंट पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के नेतृत्व में पार्टी बनवाना चाहता था। समझा जाता है कि इसीलिए जब उन्हें लाहौर हाई कोर्ट से जमानत मिली, तो उन्हें इस हफ्ते जेल से रिहा कर दिया गया। लेकिन कुरैशी ने अभी तक जो कहा है, उसका संकेत है कि वे इमरान खान का साथ नहीं छोड़ेंगे। जेल से रिहा होते ही उन्होंने कहा कि वे खान से मिलने उनके निवास स्थान पर जाएंगे। कुरैशी पीटीआई के उप प्रमुख हैं और इमरान खान ने कहा था कि अगर उन्हें जेल में डाला गया, तो कुरैशी ही पार्टी का नेतृत्व करेंगे।

इस बीच पीटीआई को तोडने की एस्टेब्लिशमेंट और शहबाज शरीफ सरकार की कोशिशों को लेकर सिविल सोसायटी और मीडिया के एक हिस्से में बेचैनी बढ़ने के संकेत हैं। इस घटनाक्रम के खिलाफ पाकिस्तान के मशहूर अखबार द डॉन ने सख्त भाषा में संपादकीय लिखा है।

पाकिस्तान में पेश होगा 4 लाख करोड़ का बजट

इस्लामाबाद, 9 जून (एजेंसियां)। आर्थिक तंगी और राजनीतिक उठा पटक से जूझ रही शाहबाज सरकार आज 4 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश करेगी। वित्त मंत्री इशाक डार संसद में बजट स्पीच देंगे। जियो न्यूज के मुताबिक प्रधानमंत्री ने कहा है कि बजट में आईएमएफ के मापदंडों का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। बजट से जुड़ी कुछ जानकारी पहले ही रिलीज की गई है। इसमें पाकिस्तान का ग्रोथ टारगेट 3.5% रखा गया है, जो भारत के ग्रोथ टारगेट 6.5% से आधा है। वहीं, पाकिस्तान की सरकार ने विकास कार्यों पर 32 हजार करोड़ रुपए खर्च करने की बात कही है। महंगाई का टारगेट 21% रखा गया है।

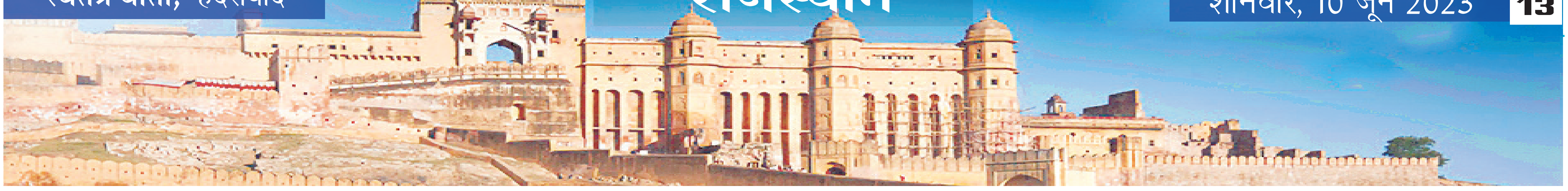

मंत्री महेश जोशी के नाम पर 50 लाख ठगे

निगम चेयरमैन बनाने के नाम पर लिए रुपए, खुद को समधी बताकर मंत्री से मिलवाया

जयपुर, 9 जून (एजेंसिया)। कैबिनेट मंत्री महेश जोशी के नाम से एक पार्षद को निगम चेयरमैन बनाने का झांसा देकर 50 लाख रुपए ठगी का मामला सामने आया है। झोटवाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। फतेहपुर सीकर निवासी विकायत हुसैन (34) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जो झोटवाड़ा स्थित 200 फीट बाईपास के पास परिवार सहित रहता है।

पीड़ित ने बताया- उसके परिवारिक दोस्त सिराज के भाई की जयपुर चुंगी नाका दिल्ली रोड पर दरगाह है। उस दरगाह की कमेटी के मसले को लेकर साल 2019 में सिराज ने नितम शर्मा नाम के व्यक्ति से मिलने भेजा था। नितम शर्मा से जान पहचान हो गई। उस मामले को लेकर नितम शर्मा ने कई बार उसे कैबिनेट मंत्री महेश जोशी के पास भी भेजा। महेश जोशी को नितम शर्मा अपना समधी बताता था। उस मामले में करीब 2 साल तक नितम शर्मा के संपर्क में रहा था।

बार्ड या निगम चेयरमैन बनाने की हुई डील शिकायत में पीड़ित ने बताया- उसने बातचीत के दौरान आरोपी नितम शर्मा को कहा कि आप मेरे बुआ के लड़के आबिद

अली परिहार को किसी बोर्ड या निगम का चेयरमैन बना दो। वो फतेहपुर से 5-6 बार पार्षद है। नितम शर्मा ने कहा कि मैं बात करता हूं। सितम्बर-2021 में नितम शर्मा ने जयपुर के बनीपार्क स्थित होटल उम्मेद पैलेस में कॉल कर बुलाया।

पीड़ित अपने बुआ के लड़के आबिद अली परिहार और 5 लोग होटल में नितम शर्मा से मिले। नितम शर्मा के साथ रेलवे स्टेशन के पास स्थित महेश जोशी के घर गए। नितम ने महेश जोशी से मिलवाया। आबिद का परिचय करवाकर उसका राजनीतिक बायोडाटा महेश जोशी को दिया। नितम शर्मा ने महेश जोशी को आबिद के लिए कहा कि इनके लिए कोई बोर्ड या निगम का चेयरमैन का पद देखो। मंत्री महेश जोशी ने बायोडाटा लेकर कहा- यह सीएम तक पहुंचा दूंगा। फिर वहां से चले गए।

बोला- 1 करोड़ तक आएगा खर्च

महेश जोशी के घर से वापस होटल जाने के दौरान रास्ते में नितम ने उसके साथ चाय पी। चाय पीते समय नितम ने कहा- आबिद को बोर्ड का चेयरमैन बनाने में 70 लाख से 1 करोड़ रुपए का खर्चा आएगा। तुम्हारा काम हो जाएगा। महेश जोशी मेरी कही बात नहीं टालते। काम कराने के पहले 50 लाख रुपए लगेंगे। बाकी काम होने के बाद देने है। इनमें मैं कम भी करवा दूंगा।

दो बार मिलने पर लिए 50 लाख

दिसंबर 2021 में नितम शर्मा ने फोन किया। 50 लाख रुपए लेकर देहरादून बुलाया। देहरादून मिलने जाने पर 35 लाख रुपए नितम शर्मा को दिए। नितम शर्मा ने 15 लाख रुपए ओर मांगते हुए कहा कि आपके काम में 6 महीने लगेंगे। जून 2022 में नितम शर्मा जयपुर के झोटवाड़ा स्थित उसके घर पर आया। घर मिलने आने पर बाकी के 15 लाख रुपए दिए। उसके बाद वह लगातार उसे आश्वासन देता रहा। बोर्ड, निगमों की चेयरमैन नियुक्तियों की 2-3 लिस्ट आने पर भी आबिद अली का नाम नहीं आया।

कैबिनेट मंत्री महेश जोशी से कहा- पुलिस में शिकायत करो

काम नहीं होने पर नितम शर्मा को कॉल किया। उसने फोन पर भी बात करना बंद कर दिया। धोखाधड़ी की आंशका होने पर परेशान होकर 26 मई 2023 को महेश जोशी के बंगले पर गया। वहां पर महेश जोशी को कहा- नितम शर्मा जो आपके समधी है तो उन्होंने पहचाना नहीं। जिस पर मैंने उनसे कहा- उत्तराखण्ड वाले नितम की बात कर रहा हूं। महेश जोशी ने कहा- वो मेरे समधी नहीं। मुझे नहीं पता तुम या तो नितम शर्मा से बात करो या पुलिस में शिकायत करो। आखिर पीड़ित ने 2 जून को मामला दर्ज करवाया।

पूरे मामले पर महेश जोशी ने कहा- मेरा कोई समधी नहीं है। मैंने उसे मामले में FIR दर्ज करवाने की भी कहा था।

मां की लाश से कुछ दूर सो रहे थे बच्चे

बेटा होने पर बाइक नहीं मिली तो पत्नी का मर्डर ससुरालवालों ने मिलकर नहलाया लाश को

भरतपुर,9 जून (एजेंसिया)। भरतपुर के इखनाका गांव में बुधवार रात एक पति ने पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। मर्डर को एक्सीडेंट दिखाने के लिए उसने पत्नी की लाश को नहलाया और कपड़े बदले। इस घिनौनी हरकत में हत्यारे के मां-बाप और उसकी बहनों ने भी उसका साथ दिया। इसके बाद जुर्म नहीं छिपा तो हत्यारे और उसके परिवार ने मामले को रफा-दफा करने के लिए पंचायत बुलाई और लड़की के घरवालों को मुंह बंद रखने के लिए 20 लाख रुपए का ऑफर दिया।

आरोपी वाहिद और उसका पूरा परिवार फरार है। शहनाज और वाहिद के तीन बच्चे हैं। जिनमें 2 इतने छोटे हैं कि उन्हें इस बात का आभास भी नहीं है कि पिता ने उनकी मां को उनसे हमेश के लिए दूर कर दिया। फिलहाल तीनों बच्चे अपने नाना के पास हैं। इस घटना से गांव में हर कोई हैरान है। सबके मन में एक ही सवाल है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि वाहिद ने अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। सच जानने के लिए भास्कर टीम इखनाका गांव पहुंची। हमने शहनाज के भाई वसीम से बात कर मामले से जुड़ा हर सच जानने की कोशिश की।

बेटे के जन्म पर 13 महीने पहले शुरू हुआ था विवाद

शहनाज के भाई वसीम ने बताया कि 'मेरी बहन और वाहिद की शादी दिसंबर 2016 में हुई थी। वाहिद किराए की बोलेरो चलाता है। दोनों के तीन बच्चे हैं। 5 साल की बेटी अलसीजा, 3 साल का बेटा अल्फेज और 13 महीने का सबसे छोटा अवनेश। अवनेश के जन्म के बाद से ही वाहिद और शहनाज के बीच विवाद शुरू हो गया था। जब अवनेश हुआ तो बहन के ससुराल वालों ने हमसे छोछक (बेटा होने पर तोहफा देना) की डिमांड की। किसी कारण हम ये कार्यक्रम नहीं कर पाए। इसी लेकर वाहिद और उसके घरवाले मेरी बहन को ताने मारते।'

'कुछ समय बाद उन्होंने हमने छोछक में बाइक और कुछ कहने मांगे। हम ये भी नहीं दे पाए तो वाहिद ने मेरी बहन से मारपीट शुरू कर दी। 3 महीने पहले भी वाहिद ने शहनाज को बुरी तरह से पीटा था। इसके बाद वह घर आई। समाज के कुछ लोगों ने दोनों परिवारों में सुलह कराई। मेरे पिता ने शहनाज को समझाकर 6 दिन बार दोबारा ससुराल छोड़ दिया।'

'बुधवार सुबह मुझे पता चला कि मेरी बहन की मौत हो गई है। मैं उसके ससुराल पहुंचा। वहां जाकर पता लगा कि हत्या वाले दिन शहनाज का वाहिद की बहनों अरसीना और अंजीना से विवाद हो गया था। वो दोनों जब भी अपने ससुराल से आती तो मेरी बहन से झगड़ा करती। पूरे दिन मेरी बहन घर का काम करती थी। जब वाहिद की बहनों को काम के लिए बोलती तो वे झगड़ने लग जाती।

5 मिनट में मौत, क्या साइलेंट अटैक से दम तोड़ा

कोटा,9 जून (एजेंसिया)। कोटा में 18 साल के कोचिंग स्टूडेंट की अचानक रूम पर ही मौत हो गई। कारण सामने नहीं आने से परिजन भी कंफ्यूजन में है। परिजनों का कहना है कि परितोष के कोई बीमारी नहीं थी। डॉक्टर के टिकट में हार्ट रिपॉन्स नहीं करना बताया है। परिजनों का कहना है कि कम उम्र में साइलेंट अटैक के चांस कम ही रहते है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सही कारण बताए जाएं। कोटा मेडिकल कॉलेज के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. भंवर रणवा का कहना है कि 20 साल की कम उम्र में साइलेंट अटैक की संभावना कम रहती है। अभी एक भी केस रिपोर्ट नहीं हुआ। हो सकता है जन्मजात इशू रहा होगा। पैथोलॉजी सेंपल से ही पता चल सकेगा। 18 साल के स्टूडेंट के दिल में जन्मजात विकार हो। टेस्ट नहीं करवाया हो इसलिए पता नहीं चला हो। जब दिल काम करना बंद कर देता है तो ब्रेन इंजरी हो जाती है और 2 मिनट में ब्रेन डेड कम्प्लीट हो जाता है। ये टेम्प्रेचर व कंडीशन पर डिपेंड करता है।

बुधवार को हादसे के बाद मौके पर गए डीएसपी हर्षराज खरेड़ा ने बताया- घटना 7 बजकर 45 मिनट के आसपास की है। परितोष फर्स्ट फ्लोर पर रूम पार्टनर के साथ रहता था। उसके दोस्त आंनद ने परिजन आए थे,आनंद नीचे परिजनों से मिलने गया था। कुछ मिनट बाद ऊपर आया तो परितोष गेट पर अचेत पड़ा मिला था।

खरेड़ा ने बताया कि परितोष के हाथ में मग्गा (नहाने के लिए) था। 5 मिनट में ही वो अचेत होकर गिर गया। हादसे के बाद उसके रूम की तलाशी ली। रूम में किसी भी तरह का अज्ञात विषाक्त नहीं मिला। उसके शरीर पर चोट के निशान भी नही थे।सम्भवतयाः साइलेंट अटैक आने से उसकी मौत हुई। वैसे पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का असली पता लग पाएगा।

कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. भंवर रणवा ने कहा बदलती लाइफ स्टाइल में पूरी नींद नही लेना, स्ट्रेसफूल लाइन व खानपान गड़बड़ाने के कारण ऐसी स्थिति बन रही है। ई कॉमर्स सुविधा व बेड ईटिंग हेबिट बढ़ना भी एक बड़ा कारण है। पहले लोग रात 8-9 बजे तक सो जाते थे। अब देर रात तक सोशल मीडिया पर ज्यादा वक्त गुजारते है।

ग्लैमरस शो में दिखा टी-20 क्रिकेट का अंदाज

15 मॉडल्स ने 20 मिनट में 30 डिजाइन किए शोकेस

जयपुर, 9 जून (एजेंसिया)। क्रिकेट में टी-20 ने रोमांच को दौगुना कर दिया है। हर कोई अब इस फॉर्मेट को सबसे ज्यादा एन्जॉय करता है। यही कारण रहा है कि आइपीएल ने पूरी दुनिया में अपनी जगह बना ली है। अब ऐसा ही फॉर्मेट फैशन की दुनिया में आ गया है, जहां दो-तीन घंटे के फैशन शो अब टी-20 की तरह 20 मिनट में सिमट गए है। ऐसी ही गुरुवार देर रात जयपुर में देखने को मिली। एलीट मिस राजस्थान की 15 नेशनल-इंटरनेशल मॉडल्स ने रैंप पर 20 मिनट में 30 गारमेंट्स शोकेस कर ट्रंक शो की खूबसूरती का अहसास करवाया। यह फैशन शो द ट्रंक ट्रीसर शो-2023 सी-स्कीम डायब्लो जयपुर की ओर से आयोजित किया।

एलीट मिस राजस्थान की 15 नेशनल-इंटरनेशल मॉडल्स ने रैंप पर 20 मिनट में 30 गारमेंट्स शोकेस कर ट्रंक शो की खूबसूरती का अहसास करवाया।

एलीट मिस राजस्थान की 15 नेशनल-इंटरनेशल मॉडल्स ने रैंप पर 20 मिनट में 30 गारमेंट्स शोकेस कर ट्रंक शो की खूबसूरती का अहसास करवाया।

ये अनूठा डायब्लो शो टी-20 फॉर्मेट में डिजाइन किया गया था। आयोजक रवि पारीक ने बताया कि शो में दिल्ली की डिजाइनर स्निग्धा खोहर ने 30 डिजाइन शोकेस किए, जिसमें समर और फ्यूजन कलेक्शन खास था। उन्होंने क्लब और वेस्टन वीयर के लेटेस्ट कलेक्शन को सभी के सामने प्रस्तुत किया। इस शो को एलीट मिस राजस्थान के फाउंडर गौरव गौड़ ने डिजाइन किया है। उन्होंने बताया कि ट्रंक शो में इस तरह के कलेक्शन अब तक शोकेस नहीं किए गए है।

ट्रंक शो का ये फॉर्मेट जयपुर में लॉन्च किया गया है, जो बिल्कुल नया है, क्योंकि अब 3 घंटे लोगों के पास नहीं हैं। फैशन लवर्स रैंप के सामने बहुत समय तक बैठकर कलेक्शन को न जज करते हैं और नहीं देखना चाहते हैं, क्योंकि टाइम की कमी है। इसको देखते हुए टी-20 का अनूठा तरीका फैशन शो में आए हैं। ये फटाफट फैशन शो आईपीएल की तरह हिट करने के प्रयास हैं। गौरव गौड़ व शुभम ने बताया, नया फॉर्मेट होने के कारण इसे स्पेशली डिजाइन करना एक चैलेंज था, जिसे हमने पूरा किया।

गौरव गौड़ व शुभम ने बताया, नया फॉर्मेट होने के कारण इसे स्पेशली डिजाइन करना एक चैलेंज था, जिसे हमने पूरा किया।

गौरव गौड़ व शुभम ने बताया, नया फॉर्मेट होने के कारण इसे स्पेशली डिजाइन करना एक चैलेंज था, जिसे हमने पूरा किया।

इसके लिए स्पेशल रैंप तैयार किया और मॉडल्स को उसी रूप में ढाला। मॉडल्स को स्पेशल ट्रेनिंग दी गई, जिसमें उनको फॉर्मेट के अनुसार रैंप पर कलेक्शन शोकेस करने के लिए ट्रेंड किया गया। हालाकि सभी मॉडल्स एक्सपीरियंस थीं, जिन्होंने देश-दुनिया में वॉक किया है।

मॉडल्स को स्पेशल ट्रेनिंग दी गई, जिसमें उनको फॉर्मेट के अनुसार रैंप पर कलेक्शन शोकेस करने के लिए ट्रेंड किया गया।

मॉडल्स को स्पेशल ट्रेनिंग दी गई, जिसमें उनको फॉर्मेट के अनुसार रैंप पर कलेक्शन शोकेस करने के लिए ट्रेंड किया गया।

इन मॉडल्स ने की वॉक

शो में एलीट मिस राजस्थान की विनर श्वेता राजे, फर्स्टरनरअप देवश्री हाड़ा, शीना पाराशर, सुपर मॉडल श्रृष्टि खत्री, आकांक्षा भल्ला, तनु चौधरी और सोनी कुमारी ने अपनी रैम्पवॉक से खूब सुर्खिंया बटोरी।

अलवर की कॉलोनी में दिखा टाइगर

अलवर,9 जून (एजेंसिया)। अलवर के सरिस्का जंगल से सटी कॉलोनियों में टाइगर का मूवमेंट बढ़ने लगा है। एक महीने पहले भी जंगल से सटे एक मंदिर में टाइगर देखा गया था। और, अब आज सुबह आबादी एरिया में टाइगर का मूवमेंट देखा गया है। वह घरों के पीछे बनी दीवार पर टहलता रहा। मामला शहर के वार्ड नंबर 28 के भूरा सिद्ध स्थित चेतन एनक्लेव एरिया का है। यहां करीब 600 घरों की आबादी है। टाइगर के मूवमेंट के बाद लोग दहशत में हैं। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची।

कुत्ता भौंकने लगा तो पता चला

चेतन एनक्लेव में रहने वाली साक्षी ने बताया कि सुबह करीब 6 बजे का समय था। उनका पालतू कुत्ता घर की छत पर लगातार भौंक रहा था। पहले तो ध्यान नहीं दिया, लेकिन जब वह रुका नहीं तो छत पर गई। बार-बार वह छत की रेलिंग की तरफ जाकर भौंकने लगा।

कुत्ते के पीछे रेलिंग तक गई तो झाड़ियों में कुछ चहल-कदमी हो रही थी। कुछ ही देर में घर के पीछे बनी नहर की दीवार पर टाइगर टहलते हुए दिखाई दिया। वह बार-बार दीवार पर एक से दूसरे छोर की तरफ टहल रहा था।

इस पर मैं नीचे आई और घरवालों को जगाया। आस-पड़ोस के लोगों को भी फोन कर बताया कि कॉलोनी में टाइगर घूम रहा है। कुछ ही देर में आस-पड़ोस के लोग अपने-अपने घर की छत पर जा पहुंचे। यहां करीब 4 मिनट तक टाइगर आराम से टहल रहा था। लोगों ने आवाज करना शुरू किया तो टाइगर जंगल की तरफ भाग गया।

करीब 1 महीने पहले भी भूरा सिद्ध मंदिर के आस-पास टाइगर देखा गया था। मंदिर के बगल में पानी की होद में टाइगर के शावक देखे गए। अब ये शावक बड़े हो चुके हैं। ऐसे में अब ये शहर में आने लगे हैं। दरअसल, अलवर शहर से केवल 2 KM दूर सरिस्का का बफर जोन है। यहां पहले भी कई बार साइटिंग हो चुकी है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जो टाइगर कॉलोनी में देखा गया वह टाइग्रेस ST-19 का शावक है। इस टाइग्रेस के दो शावक हैं, लेकिन एक की साइटिंग अधिक होती है। जो शहर की आबादी के आस-पास ही देखा जाता है। बाला किला के पास बफर जोन में एसटी-18 व एसटी-19 पहले से हैं।

जयपुर में स्टूडेंट का किडनैप कर मांगी फिरौती

जयपुर, 9 जून (एजेंसिया)। जयपुर में एक स्टूडेंट को किडनैप कर फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने किडनैप कर स्टूडेंट को एक होटल में बंधक बना रखा था। धमकाया- रुपए मांगवा नहीं तो जान से मार देंगे। प्रताप नगर थाना पुलिस ने चाकसू के होटल में दबिश देकर चार बदमाशों को भी अरेस्ट किया है। पुलिस ने बदमाशों के चुंगल से किडनैप स्टूडेंट को छुड़वा लिया। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

एसआई मुकेश कुमार ने बताया कि लालसोट दौसा निवासी रामकेश मालिया ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। प्रताप नगर सेक्टर-19 में उनका बेटा लेखराज किराए से रहकर पढ़ाई कर रहा है। 7 जून को बदमाशों ने लेखराज का किडनैप कर लिया। दोपहर करीब 2 बजे लेखराज के मोबाइल से कॉल आने पर उसे पता चला। किडनैपर्स ने लेखराज से कॉल करवाया था।

लेखराज ने बताया कि कुछ लोगों ने उसका किडनैप कर लिया है। अज्ञात जगह पर बंधक बनाकर रखा है। बोल रहे है कि घरवालों से 50 हजार रुपए मंगवाले नहीं तो जान से मार देंगे।

कांग्रेस नेताओं को फील्ड में उतरने का टास्क

जयपुर, 9 जून (एजेंसिया)। कांग्रेस इस बार प्रदेश में कर्नाटक मॉडल पर चुनाव लड़ने जा रही है। पार्टी ने नेताओं को फील्ड में उतरकर अभी से काम शुरू करने का टास्क दिया है। फील्ड सर्वे का काम भी चल रहा है। गुरुवार को सीएम हाउस पर दिन भर रणनीति तय करने के लिए बैठकों का दौर चलता रहा। प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, सीएम अशोक गहलोत, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और राजस्थान के तीनों सह प्रभारी सचिवों ने ग्राउंड से मिले फीडबैक के बाद अगली रणनीति पर चर्चा की। इस बैठक में चुनावी कमेटियां बनाने से पहले मंत्री और प्रमुख नेताओं को फील्ड में उतारने की रणनीति पर चर्चा की गई। तीनों सहप्रभारियों ने अपने-अपने प्रभार वाले नेताओं,विधायकों से वन-टू-वन मुलाकात की। खासा कोठी में सहप्रभारी सचिव अमृता धवन, काजी निजामुद्दीन और वीरेंद्र सिंह राठौड़ से मिलने कई टिकटार्थी भी पहुंचे। कई नेता अपने कामकाज की प्रोफाइल बनाकर लाए थे। कुछ नेता ऐसे भी थे जो अपने बायोडेटा के साथ सिफारिशी लेटर भी साथ लाए। सहप्रभारी जिलों में जाकर फीडबैक ले चुके हैं।

सह प्रभारी अमृता धवन पूर्वी राजस्थान के जिलों की जिम्मेदारी है। धवन ने कहा कि कि पूर्वी राजस्थान के लोगों ने दिल्ली की मीटिंग के बाद की तस्वीरें देखी हैं। उनका सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। ऐसे में अब वहां के कार्यकर्ता संतुष्ट हैं और वहां बहुत बड़ा वर्ग है जो यह चाहता है कि सब नेता हमारे मिलकर काम करें। उस पूरे इलाके के अंदर लोग अब बहुत संतुष्ट हैं। कार्यकर्ताओं में अब इकट्ठा होकर काम करने की चाहत है। धवन ने कहा - जब सब लोग इकट्ठा होकर काम करने का संकल्प लेते हैं और वह संकल्प नीचे कार्यकर्ता तक पहुंचता है तो यह सकारात्मक है।

नेता प्रतिपक्ष राठौड़ की हत्या की साजिश

जयपुर, 9 जून (एजेंसिया)। रोहित गोदारा से गैंगस्टर राजू ठेहट की हत्या का बदला लेने के लिए विधायकों को धमकाने वाले बदमाशों ने कई खुलासे किए हैं। आरोपियों ने दो नहीं बल्कि चार विधायकों सहित कई लोगों को धमकी दी थी। इनमें बीजेपी के कद्दावर नेता व राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ भी शामिल हैं।

इसके अलावा सुजानगढ़ एमएलए मनोज मेघवाल और श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को भी जान से मारने की धमकी दी थी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को भी धमकी दी गई थी। हालांकि मुकदमा केवल लाडनूं एमएलए मुकेश भाकर और रतनगढ़ एमएलए अभिनेष महर्षि ने ही दर्ज करवाया। पुलिस पड़ताल में ये भी खुलासा हुआ है कि इस साजिश के मास्टरमाइंड संजय चौधरी और पवन गोदारा की ठेहट गैंग से नजदीकियां कोई बहुत ज्यादा पुरानी

नहीं थी। पवन गोदारा तो गैंगस्टर ठेहट का महज एक फेसबुक फॉलोअर ही था। वही, संजय भी राजू ठेहट के भाई ओमा के जेल जाने के बाद ही उसके ज्यादा करीब पहुंचा था। ठेहट मर्डर से महीने भर पहले तक संजय हर समय उसके साथ नजर आ रहा था।25 मार्च को पवन राजस्थान से कुवैत के लिए रवाना हो गया था। वहां पहुंचने के बाद उसे संजय चौधरी ने विधायकों और बड़ी शख्सियतों के नंबर भेज दिए। 3 अप्रैल को लाडनूं एमएलए मुकेश भाकर और 12 अप्रैल को रतनगढ़ एमएलए अभिनेष महर्षि को गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से जान से मारने की धमकी दी।

इस बीच 11 अप्रैल को पवन ने राजस्थान बीजेपी के कद्दावर नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ को भी उनके लैंडलाइन नंबर पर कॉल करके धमकाया था। हालांकि तब प्रतिपक्ष नेता राठौड़ ने गोपनीय तरीके से डीजीपी को शिकायत भेज दी और कोई मामला दर्ज नहीं करवाया था। भास्कर ने प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र राठौड़ से बात की तो उन्होंने माना कि ये सही है कि 11 अप्रैल को दोपहर 12 बजकर 40 मिनट पर मेरे लैंडलाइन नंबर पर एक कॉल आया था। उसने मेरे पीए प्रदीप जांगिड़ से बात करते हुए कहा कि 'राजेंद्र राठौड़ से बोल देना कि उसे जान से खत्म कर देंगे।'उसने आगे कहा- आज से पहले जो भी धमकी दी थी, वो भी मैंने ही दी थी। पहले तो वो बच गया, इस बार ध्यान से रहना। आजकल बहुत रैलियां कर रहा है। तू जब से नेता प्रतिपक्ष बना है, ज्यादा पंख लग गए हैं। ये बोल देना उसे।

राठौड़ ने बताया कि मेरे पीए जांगिड़ ने जब धमकी दे रहे शख्स से उसका नाम पूछा तो उसने कहा कि 'नाम जानकार क्या कर लोगे? पहले भी मेरे द्वारा धमकी दी गई थी, क्या कर लिया तूने? तू और तेरा साहब क्या बिगाड़ लोगे मेरा?'

धमकी मिलने के तुरंत बाद राजेंद्र राठौड़ ने जीजीपी डीजीपी को चिट्ठी लिखकर जानकारी दी। उन्हें अवगत कराया कि इससे पहले भी उन्हें धमकी भरे कॉल्स मिले थे। हालांकि उन्होंने इसे लेकर कोई मामला दर्ज नहीं करवाया था। वह इसे ज्यादा सीरियस नहीं मान इग्नोर कर गए थे।

अमेरिकी लोगों को रूल्स तोड़ने पर हजारों डॉलर पेनल्टी का डर दिखाते, हर महीने 1 करोड़ की ठगी

जयपुर, 9 जून (एजेंसिया)। राजस्थान में अमेरिकी लोगों को ठगने वाले कॉल सेंटर चल रहे थे। जयपुर में चार अलग-अलग जगहों पर रात के समय ये कॉल सेंटर ऑपरेट किए जा रहे थे।

जयपुर के कॉल सेंटर में बैठा 10वीं फेल एक लड़का किसी अमेरिकन सिटीजन को फोन कर खुद को अमेरिकन गवर्नमेंट का ऑफिसर जेम्स बताकर टैक्स नहीं भरने और ट्रैफिक रूल्स तोड़ने पर हजारों डॉलर की पेनल्टी लगाने और एसएसएन (अमेरिकन आधार कार्ड) ब्लॉक करने की धमकी देता। कुछ देर बाद उसी कॉल से अमेरिकन सिटीजन के पास एक और फोन जाता। फोन करने वाला अपना नाम माइकल बताता और कहता कि वह जेम्स से बड़ा अधिकारी है। वह 100 डॉलर में मामला निपटाने का झांसा देता। घबराया अमेरिकन सिटीजन बातों में आ जाता और 100 डॉलर ट्रांसफर कर देता है।

पुलिस की इंटेलिजेंस टीम को जयपुर की कुछ जगहों से हर दिन अमेरिका कॉल जाने की जानकारी मिली। पुलिस ने लोकेशन ट्रेस करके दबिश दी और चारों फर्जी कॉल सेंटर से 40 लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों से पूछताछ में पता लगा कि यह लोग हर महीने अमेरिकन सिटीजन से 1 करोड़ रुपए की ठगी कर रहे थे। ठगी के ये फर्जी कॉल सेंटर 3-4 साल से चल रहे थे। एडीजी इंटेलिजेंस एस.सिंगाथिर ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से इंटेलिजेंस को सूचना मिल रही थी कि जयपुर से रात को कुछ इलाकों से इंटरनेट और सामान्य कॉल अमेरिका जा रही है। इस पर कॉल को ट्रेस कर लोकेशन देखी गई तो पता चला कि इन जगहों पर कॉल सेंटर चलते हैं।

इंडिक इंटरनेशनल स्कूल का भविष्य उज्ज्वल : डॉ. गिरीश संघी

कोमपल्ली में इंडिक इंटरनेशनल स्कूल का शुभारंभ

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कोमपल्ली में स्कूल परिसर में आयोजित एक भव्य समारोह में इंडिक इंटरनेशनल स्कूल की लॉन्च किया गया। समारोह का शुभारंभ इंडिक एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष विनय कुमार नरेडी के माता-पिता स्व. रामावतार अग्रवाल और स्व. श्रीमती सरस्वती बाई नरेडी के आशीर्वाद का आह्वान करके की गई। इस अवसर पर बोलते हुए इंडिक एजुकेशन सोसाइटी की उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा नरेडी ने कहा कि स्व. रामावतार अग्रवाल के आशीर्वाद के बिना स्कूल संभव नहीं था। स्कूल की प्रिंसिपल सुश्री मिठू नाग ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों का मंच पर स्वागत किया, जिनमें मुख्य अतिथि डॉ. गिरीश कुमार संघी, विशिष्ट अतिथि उस्मानिया विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. तिरुपति राव, जी. नारायणम्मा इंजीनियरिंग कॉलेज फॉर वुमेन के अध्यक्ष पी. सुब्बा रेड्डी शामिल थे। सभी गणमान्यों ने एक अद्भुत संस्थान के निर्माण के लिए नरेडी परिवार को बधाई दी। समारोह में लगभग 500 लोगों ने भाग लिया और वे सभी न केवल स्कूल के शीर्ष स्तर के बुनियादी ढाचे के लिए, बल्कि भारतीय ज्ञान प्रणाली और हमारी समृद्ध संस्कृति के आधार पर स्कूल द्वारा अपनाए गए उच्च दर्शन और पाठ्यक्रम के लिए भी उच्च प्रशंसा के पात्र हैं।

मुख्य अतिथ डॉ. गिरीश संघी ने स्कूल में इंडिक शब्द का अर्थ समझाया और कहा कि अगर दूरी नहीं होती, तो वह अपने पोते-पोतियों के लिए इस स्कूल को चुनते। उन्होंने कहा कि इंडिक इंटरनेशनल स्कूल जिस मकसद के साथ आगे बढ रहा है, जरूर इस स्कूल का भविष्य उज्ज्वल है। सुब्बा रेड्डी ने नरेडी परिवार के साथ अपने सौहार्दपूर्ण संबंधों के बारे में बात की और विद्यालय के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। प्रोफेसर तिरुपति राव ने चेयरमैन आशीष नरेडी के साथ अपने जुड़ाव के बारे में बात की और कहा कि उन्हें विश्वास है कि स्कूल हैदराबाद में एक मील का पत्थर बन जाएगा।

प्रेमी ने कर दी थी अप्सरा की हत्या, जांच में खुलासा

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। इस सप्ताह की शुरुआत में शमशाबाद में अप्सरा (30) के लापता होने का मामला एक हत्या का निकला, जिसमें उसके प्रेमी ने कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी और उसके शरीर को मैनहोल में फेंक दिया। पुलिस ने कहा कि विवाहेतर संबंध के कारण हत्या हुई।

संदिग्ध वेंकट सूर्य साईकृष्णा, जो सरूरनगर में एक मंदिर में पुजारी के रूप में काम करता है, शादीशुदा है और उसका एक बच्चा भी है। हालाँकि, उनका अप्सरा के साथ विवाहेतर संबंध जारी था। आखिरकार, अप्सरा ने कथित तौर पर साईं कृष्णा पर उससे शादी करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि 4 जून को वेंकटेश्वर कॉलोनी की रहने वाली अप्सरा को साईं कृष्णा सुल्तानपल्ली स्थित गोशाला जाने के बहाने शमशाबाद ग्रामीण के बाहरी इलाके में नरकुड़ा गांव लाया और उसके सिर पर पत्थर से हमला कर कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी। फिर उसने शव को एक बैग में भरकर एमआरओ कार्यालय सरूरनगर के पास एक मैनहोल में फेंक दिया।

बाद में वह आरजीआईए पुलिस में आया, उसने 5 जून को शिकायत दर्ज कराई कि अप्सरा, उसकी भतीजी जिसे वह शमशाबाद बस स्टैंड पर छोड़ गया था, 3 जून को लापता हो गई। गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया और सीसीटीवी फुटेज और कॉल डेटा रिकॉर्ड की जांच की गई और साईं कृष्णा को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया गया।

पुलिस ने कहा कि शक के आधार पर जब उससे पूछताछ की गई और उसने उसे मारने की बात कबूल की क्योंकि वह उससे शादी करने के लिए उसे परेशान कर रही थी। पुलिस ने कहा कि चूंकि वह पहले से ही शादीशुदा था और उससे अधिक दबाव नहीं ले पा रहा था, इसलिए उसने उसे बेहोश कर दिया और उसके सिर पर एक बोल्डर से हमला कर दिया और उसकी मौत हो गई। उसने शव को मैनहोल में फेंक दिया और उसे कंक्रीट के मिश्रण से दबा दिया। शव की बरामदगी और जांच के बाद लापता मामले को हत्या के मामले में बदल दिया गया है।

अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन सत्र आयोजित

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज), राजेन्द्रनागर में नराकास-4, दक्षिण मध्य रेलवे के तत्वावधान में केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र में महानिदेशक, मैनेज ने देश भर में अनुवादकों की कमी पर प्रकाश डालते हुए केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो के प्रशिक्षण प्रयासों की सराहना की। उन्होंने एक साथ लंबी अवधि के प्रशिक्षणों की तुलना में काम समय वाली प्रशिक्षणों को अधिक प्रभावशाली बताया। प्रशिक्षण संस्थान होने के नाते मैनेज में उपलब्ध सुविधाओं के मद्दे नजर उन्होंने आश्वासन दिया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए मैनेज हमेशा आगे रहेगा। केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो के उपनिदेशक नरेश कुमार ने उनके कार्यालय द्वारा आयोजित होनेवाली सभी प्रशिक्षणों का सविस्तार ब्यौरा दिया। समापन सत्र से पहले नरेश कुमार ने देश, काल, परिस्थिति अनुसार शब्दों का अनुवाद और अनेकार्थी शब्दों के अनुवाद पर प्रतिभागियों से चर्चा की। कार्यक्रम में सहायक निदेशक गण जगत सिंह रोहिल्ला, जनवारियुस तिर्की ने पांचों दिन अनुवाद संबंधी विभिन्न विषय पढ़ाए है। डॉ. श्याम सुंदर साहू, डीजीएम (राजभाषा), दक्षिण मध्य रेलवे, श्रीधर खिस्ते, उपनिदेशक (प्रशासन), मैनेज, डॉ. के. श्रीवल्ली, सहायक निदेशक (राजभाषा), मैनेज, एमके नागराजू, राजभाषा अधिकारी, दक्षिण मध्य रेलवे और अन्य अधिकारी शामिल रहे।

श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ के अंतर्गत पोथी यात्रा आज

कई महानुभावों से कथा में भाग लने का निवेदन

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गुजराती प्रगति समाज, हैदराबाद द्वारा 10 जून से 16 जून तक आयोजित होने वाले श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ के अंतर्गत कल विशाल पोथी यात्रा का आयोजन काचीगुडा स्थित पटेल घनश्याम भवन से किया जाएग। समाज के अध्यक्ष महेश पटेल, मानद्मंत्री घनश्याम पटेल, भारतीबेन पटेल तथा लव फॉर काउ फाउंडेशन के चेयरमेन जसमत पटेल ने आज विभिन्न समाजो के पदाधिकारीयो को कथा में भाग लेने हेतु निवेदन किया गया। आज महेश बैंक के चेयरमैन रमेशकुमार बंग, गोवत्स फाउंडेशन के अध्यक्ष मुरली मनोहर पलोड, गोपाल सारडा, बद्रीविशाल लोया, पूज्य रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला के अध्यक्ष मनसुख पटेल, वसंत पटेल, भरत पटेल, आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट के वाईस चेयरमेन रिद्धीश जागीरदार, सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश गोसर, भारतीय जैन संघठना महिला शाखा की रंजना शाह, बेगमबाजार पार्षद शंकर यादव, पूर्व पार्षद वैकुंठम, भा.ज.पा. नेता गोविंद राठी, समाजसेवी नंदगोपाल भट्टड, डॉ. मोहन गुप्ता, उषा गुप्ता, वर्षा गुप्ता, जायसवाल समाज के मनोज जायसवाल, समाजसेवी आनंद शर्मा, गुजराती महिला मंडल की धर्मिष्ठा पटेल, स्नेहा पटेल, मीनल पटेल, समाजसेवी राजुभाई पटेल (शमशाबाद), पटेल समाज शमशाबाद के प्रफुल पटेल, मालतीबेन पटेल तथा कनकबेन पटेल, तारा स्वीट्स के जुगल देडिया, गोविन्दभाई बीरादर तथा वल्लभ युथ ओर्गनाईजेशन के सदस्यो को तथा अनेक धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारीयो से भेंटकर उन्हे भागवत कथा में अवश्य भाग लेने का निवेदन किया गया।

परमपूज्य सुधांशुजी महाराज का साप्ताहिक वीडियो सत्संग कल

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के तत्वावधान में परमपूज्य सद्गुरुदेव श्री सुधांशुजी महाराज का साप्ताहिक वीडियो सत्संग का आयोजन रविवार 11 जून को दोपहर 2बजे से आबिड्स स्थित हीरा-हॉल में आयोजित किया जाएगा। जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में मिशन के सत्संग एवं मीडिया प्रभारी राजकुमार दायमा नें बताया सत्संग की इस श्रृंखला में किशनगढ राजस्थान में आयोजित विराट भक्ति सत्संग की अंतिम विशेष सीडी दिखाई जाएगी। अत: समस्त सत्संग धर्म प्रेमी सज्जन, गुरू भाई-बहन सहपरीवार, अपने ईष्ट मित्रों सहित समयानुसार इस महत्वपूर्ण साप्ताहिक सत्संग में उपस्थित रहने का निवेदन मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौर ने किया है। मिशन के महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल ने बताया कि मिशन के समस्त पुरूष और महिला कार्यकर्त्ताओं का साप्ताहिक सत्संग में उपस्थित होना अनिवार्य रहेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कर्नाटक में हेडगेवार...

बेंगलुरू में नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया में शिक्षा के सार्वभौमीकरण की प्रमुख प्रोफेसर वीपी निरंजन आराध्या के साथ मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की एक बैठक हुई। इस दौरान एक प्रस्ताव लाया गया कि नई मुद्रित पाठ्यपुस्तकों में परिवर्तित अध्यायों को शिक्षण और मूल्यांकन से बाहर रखा जा सकता है। बता दें कि राज्य में शैक्षिक सत्र 2023-24 के लिए छात्रों को पुस्तकें पहले ही वितरित की जा चुकी हैं।

मंगलवार को कर्नाटक के नए प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने संकेत दिए थे कि आने वाले दिनों में स्कूली पाठ्यपुस्तकों में संशोधन किया जा सकता है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा था कि भाजपा सरकार के दौरान पाठ्यपुस्तकों में बदलाव किए गए थे। कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणा-पत्र में पाठ्यपुस्तकों में किए गए बदलावों को रद्द करने का वादा किया था। पार्टी ने एनईपी को खत्म करने का भी वादा किया था। बंगारप्पा ने कहा था कि हम नहीं चाहते कि छात्रों का दिमाग प्रदूषित हो। एक जून से स्कूल शुरू होने के लिए पाठ्यपुस्तकों को कुछ हद तक भेज दिया गया है। अब हमारे सामने चुनौती यह है कि हम छात्रों और उनकी पढ़ाई को प्रभावित किए बिना इसे कैसे करेंगे। हम विभाग में चीजों को आगे बढ़ाने के लिए एक टीम भी बनाएंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को कहा था कि ग्रंथों और पाठों के जरिए बच्चों के दिमाग को प्रदूषित करने के कृत्य को माफ नहीं किया जा सकता है।

भाजपा ने क्या कहा :

भाजपा ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए माफी की मांग की है। पार्टी ने कहा कि कांग्रेस इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने फैसले को भारतीय इतिहास की सेंसरिंग करार दिया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में स्कूल की पाठ्यपुस्तकों से हेडगेवार के पाठों को हटाना युवाओं के खिलाफ जुर्म होगा।

वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि ने इस कदम को असहिष्णुता करार दिया है। रवि ने कहा कि कांग्रेस को वैचारिक रूप से विरोध करने का अधिकार है, लेकिन उन्हें हेडगेवार की देशभक्ति पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है।

मार्क्स और माओ तो इस देश से नहीं हैं और लोकतंत्र के खिलाफ भी हैं, फिर भी पाठ्यपुस्तक में हो सकते हैं, लेकिन हेडगेवार जैसे देशभक्तों पर पाठ नहीं हो सकते। यह असहिष्णुता है, देखते हैं कि वे क्या करते हैं और हमारी पार्टी तय करेगी कि क्या करना है।

धर्म मात्र उपासना नहीं, इसे जीवन व्यवहार में उतारें : साध्वी मंगलप्रज्ञा

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चातुर्मास पूर्व अध्यात्म जागरण यात्रा के दौरान साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञाजी अपनी सहवर्तनी साध्वियों के साथ आज बोइनपल्ली पधारी। यहां बिदासर निवासी जीतमलजी बेगानी के प्रवास स्थान पर प्रवचन करते हुए साध्वीजी ने कहा कि हर दर्शन धर्म की अलग-अलग परिभाषा करता है। सत्य समाधान प्राप्त हुआ- धर्म दो प्रकार का है- उपासना और आचरण। धर्म का शरीर पक्ष उपासना और आत्मिक पक्ष आचरण है। उपासना का महत्व है पर मात्र उपासना ही पूर्ण रूप से धर्म नहीं है। धर्म का मूल रूप समता है। जिंदगी के धरातल पर उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, इससे विचलित होकर व्यथित बनना, असंतुलित बन जाना धर्म नहीं है। धार्मिक वह होता है जो संतुलन नहीं खोता, साम्ययोग की साधना करता है।

बैंगानी परिवार की बहनों ने साध्वीवृंद के स्वागत में भावपूर्ण गीत का संगान किया। तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष विरेंद्र घोषाल ने स्वागत स्वर प्रस्तुत करते हुए कहा इस बार परम पावन गुरुदेव ने हैदराबाद वासियों को प्रबद्ध विचारक साध्वी श्री डा.मंगलप्रज्ञाजी का चातुर्मास प्रदान किया है। साध्वी सुदर्शनप्रभाजी ने आगमवाणी का रसास्वादन करवाया। साध्वीश्री का क्रमशः एक दिवसीय प्रवास संजय संचेती, संजय दुगड़ एवं हेमंत संचेती के निवास स्थान पर है।

श्री अक्कन्ना मदन्ना महाकाली मंदिर में चंडी होमम आयोजित

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री अक्कन्ना मदन्ना महाकाली मंदिर, हरीबोली में शुक्रवार को वज्रोत्सव पूजा के 45वें दिन के अवसर पर सुबह-सुबह महाभिषेकम, विशेष अलंकार, अर्चना पूजा की गई। मंदिर समिति के आयोजन सचिव एस.पी.क्रांति कुमार और उनकी पत्नी एस. शैलजा ने चंडी होमम किया। बाद में भक्तों के लिए महाआरती व अन्न प्रसादम किया गया, जिसमें लगभग 500 श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर समिति के प्रतिनिधि ए. सतीश कुमार, एम.कृष्णा, जगमोहन कपूर, एम. विनोद, राम सिंह, पी. महेश, साईनाथ, पी. शेखर यादव, ए. रजत, अरुण, अजय जैन व अन्य का विशेष सहयोग रहा।

न्यू बोइनपल्ली बापूजीनगर में श्री पोचम्मा मंदिर की 13वीं वर्षगांठ समारोह में बतौर अतिथि भाग लेते हुए बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप, मंदिर समिति के सदस्य शंकर, रामू, संपत, राजू व अन्य।

राजस्थान के पूर्व शिक्षा मंत्री के नगरागमन पर आज होगा स्वागत

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री तथा जाट समाज के वरिष्ठ नेता गोविंद सिंह (जाट) डोटासरा का कल 10 जून को 1 बजे शमशाबाद एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया जायेगा।

तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक गोविंद सिंह (जाट) डोटासरा के स्वागत के लिए जाट समाज तेलंगाना की सभी संस्थाओं को आमंत्रित किया गया है। इसमें तेलंगाना जाट एकता मंच, जाट समाज तेलंगाना, सेखावटी जाट समाज, जाट समाज ट्रस्ट तेलंगाना, वीर तेजा मंडल भवनगिरी, जाट सभा हैदराबाद, नीलकंठ महादेव जाट समाज कोतुर, जाट सेवा संघ तेलंगाना, अखिल भारतीय जाट महासभा हैदराबाद, जाट समाज मंडल बाड़मेर, आदर्श जाट महासभा हैदराबाद, अखिल भारतीय आदर्श जाट महासभा, राजस्थान जाट समाज कर्टनस एंड डिजाईन एसोसिएशन हैदराबाद शामिल होंगे।

डुंडीगल एसआई प्रभाकर रेड्डी का हृदयाघात से निधन

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। डुंडीगल पुलिस स्टेशन में तैनात एक सब-इंस्पेक्टर की गुरुवार रात कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। गंडी मैसम्मा निवासी एसआई प्रभाकर रेड्डी ने रात करीब नौ बजे सीने में दर्द की शिकायत अपने परिजनों से की थी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रभाकर रेड्डी 2014 बैच के एसआई थे और उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं।

उत्तर भारती नागरिक संघ द्वारा बत्तिनी परिवार द्वारा प्रदर्शनी मैदान में आयोजित मछली प्रसाद में भाग लेने आये अस्थमा मरीजों व परिजनों के लिए निःशुल्क भोजन सेवा दी गई। इसमें भाग लेते हुए संघ के युवा अध्यक्ष अमरजीत सिंह व रघुनंदन गोप, पद्मा अग्रवाल, रजनी मोहिते, सुमित, निखिल कुमार, प्रशांत, कपिल और अन्य।

हेमस्टेक फैशन मेंटर नीता लुल्ला कान्स फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर अवार्ड पाने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसके लिए एफटीसीसीआई लकड़ीकापुल में हैमस्टेक की छात्राएं व जेएनएएफएयू की कुलपति डॉ. कविता दरयानी राव ने उनका सम्मान किया।

मेगा जॉब मेले में 419 युवाओं को मिला ऑफर लेटर

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष मन्ने कृशांक की अध्यक्षता में शुक्रवार को मोडफोर्ट सरकारी स्कूल में मेगा जॉब मेले का आयोजन किया गया। जॉब मेले में छावनी के युवाओं पर विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों में नौकरियों की बौछार की गई। कुल 1437 बेरोजगारों ने भाग लिया, जिनमें से 419 लोगों को ऑफर लेटर दिया गया। छावनी बोर्ड के सीईओ मधुकर नाइक, उत्तर क्षेत्र डीसीपी चंदना दीप्ति, तेलंगाना राज्य शिक्षा और कल्याण अवसंरचना विकास निगम के अध्यक्ष रावुला श्रीधर रेड्डी, बीआरएस छावनी प्रभारी मर्री राजशेखर रेड्डी ने इस मेगा नौकरी मेले में भाग लिया और प्रस्ताव पत्र सौंपे। तत्पश्चात जॉब फेयर में आने वालों के लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई। कृशांक ने जॉब फेयर में भाग लेने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया और सहयोग किया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

फैंस के लिए खुशखबरी! यहां देख सकेंगे एशिया कप और वर्ल्ड कप 2023 की फ्री लाइव स्ट्रीमिंग

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 से पहले रिलायंस कंपनी ने घोषणा की थी कि उनका खुद का ऐप जियो सिनेमा इंडियन प्रीमियर लीग का लाइव प्रसारण फ्री में करेगा. बेशक फैंस ने पूरे 2 महीने फ्री स्ट्रीमिंग के खूब मजे लिए. जियो ने भी करोड़ो में व्यूअरशिप कमाई. जियो सिनेमा को टक्कर देने के लिए अब हॉटस्टार ने भी उसी का पैंतरा अपनाया है.

जी हां, हॉटस्टार ने यह घोषणा की है कि वह एशिया कप और वर्ल्ड कप 2023 के सभी मैचों का लाइव प्रसारण फ्री में करेगा. डिज्नी प्लस हॉटस्टार के मलिक ने कहा, "डिजनी प्लस हॉटस्टार भारत में ओटीटी इंडस्ट्री में काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है. हमने जो भी

शुरुआत की थी. हम उसे हमारे यूजर के लिए बनाए रखना चाहते हैं. एशिया कप और आईसीसी मेंस वर्ल्ड कप को ज्यादा लोगों तक पहुंचाने से हमें लगता है कि हम ओवरऑल इकोसिस्टम को तेजी से बढ़ा सकते हैं."

कंपनी ने जारी की प्रेस रिलीज

कंपनी ने एक रिलीज जारी करते हुए बताया कि 50 करोड़ से भी ज्यादा स्मार्टफोन के पास यह मौका होगा कि वह एशिया कप और वर्ल्ड कप की लाइव स्ट्रीमिंग फ्री में देख सकेगा." बता दें कि यह सेवा सिर्फ फोन यूजर्स को ही दी जाएगी. आप लैपटॉप पर इसका मजा नहीं उठा सकेंगे.

रिलायंस ने जीती थी इंडियन प्रीमियर लीग की बिड

बता दें कि रिलायंस ने साल 2023 से 2027 तक के आईपीएल स्ट्रीमिंग की बिड को जीत लिया है. जो पहले हॉटस्टार के पास हुआ करती थी. रिलायंस ने इसे करीब 20000 करोड़ रुपए से भी ज्यादा में खरीदा था.

हॉटस्टार ने इसे देखते हुए एशिया कप और वर्ल्ड कप की फ्री लाइव स्ट्रीमिंग करने की घोषणा की है. देखना दिलचस्प होगा कि वह इसमें कितनी कामयाब होती है और आईपीएल के मुकाबले इसमें व्यूअरशिप कितनी आती है।

एशिया के बाद पाकिस्तान को लगा एक और झटका

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी भी छिनेगा

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अभी एशिया कप की मेजबानी को लेकर फंसा हुआ है. उसे टूर्नामेंट की मेजबानी मिली हुई है, लेकिन बीसीसीआई ने टीम को पाकिस्तान से भेजने से मना कर दिया है. इसके बाद पीसीबी के चेयरमैन नजम सेठी ने हाईब्रिड मॉडल पर टूर्नामेंट कराने का प्रस्ताव एशियन क्रिकेट काउंसिल को दिया. बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड हाईब्रिड मॉडल को नकार चुके हैं. इस बीच अब खबर आ रही है कि आईसीसी 2025 में पाकिस्तान में होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी को भी शिफ्ट कर सकता है. यह पाकिस्तान के लिए बड़े झटके से कम नहीं होगा. एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की जगह 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी संयुक्त रूप से वेस्टइंडीज और अमेरिका को दी जा

सकती है. इससे पहले 2024 में होने वाले वेस्टइंडीज-अमेरिका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप को इंग्लैंड शिफ्ट किए जाने की बात सामने आई थी. अमेरिका में अभी क्रिकेट के मैदान आईसीसी के स्टैंडर्ड के लिए फिट नहीं हैं. टी20 वर्ल्ड कप के अमेरिका से शिफ्ट होने से उसे चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए एक साल का समय मिल जाएगा. पाकिस्तान को आईसीसी इवेंट हटने के बदले में कुछ मुआवजा मिल सकता है।

बोर्ड के बीच चल रही है चर्चा

रिपोर्ट के अनुसार, टी20 वर्ल्ड और चैंपियंस ट्रॉफी के वेन्यू में बदलाव को लेकर अभी विभिन्न बोर्ड के बीच चर्चा चल रही है. इसमें आईसीसी भी शामिल है. आईसीसी के अगले ब्रॉडकॉस्टर भी इससे सहमत हैं. वेस्टइंडीज में 2007 में वनडे वर्ल्ड कप के मुकाबले खेले गए थे. टीम इंडिया तब पहले राउंड में बाहर हो गई थी और आईसीसी को बड़ा नुकसान हुआ था. लेकिन ब्रॉडकॉस्टर इंडियन प्राइम टाइम को प्राथमिकता चाहते हैं. मालूम हो कि 1996 वर्ल्ड कप के बाद पाकिस्तान में किसी आईसीसी टूर्नामेंट के मुकाबले नहीं खेले गए हैं।

जुलाई में होनी है बैठक

जिन देशों को आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिली है, उन देशों ने अब तक मेजबानी के समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं. डरबन में जुलाई में होने वाली वार्षिक बैठक पर इस प्रक्रिया को शुरू किया जा सकता है. आईसीसी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को इसके लिए तैयार कर सकता है. इसके बदले उसे मुआवजा दिया जा सकता है.

वह मंत्र जिससे कपिल ने जीता वर्ल्ड कप, द्रविड़ का तो फाइनल से पहले ही फूला था दम

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां। टी20 वर्ल्ड कप 2021 को देखें, तो टीम इंडिया का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था. इसके बाद पूर्व भारतीय दिग्गज राहुल द्रविड़ को भारतीय टीम का नया कोच बनाया गया. उनसे काफी उम्मीद थी, क्योंकि इससे पहले वे लंबे समय तक जूनियर टीम के साथ काम कर चुके थे और एनसीए में भी समय बिताया. भारतीय टीम अभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेल रही है. मैच में अभी 2 ही दिन हुए हैं और टीम काफी पिछड़ गई है. ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 469 रन बनाए. जवाब में भारत ने 151 रन पर 5 विकेट खो दिए हैं. टीम पहली पारी के आधार पर अभी भी 318 रन से पीछे है.

राहुल द्रविड़ से फाइनल से

पहले सवाल पूछा गया था, क्या पिछले 10 साल से आईसीसी ट्रॉफी जीतने का दबाव तो टीम पर नहीं है? द्रविड़ ने इसका सीधा जवाब देते हुए कहा था कि ऐसा नहीं है. टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है. भले ही हम आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत सके हों. वहीं फिल्म 83 में आपको पूर्व कप्तान कपिल देव का सीन जरूर याद होगा, जब वे सवाल का जवाब देते हुए कहते हैं- हम यहां जीतने आए हैं. इस पर सभी हंसने लगते हैं, लेकिन कपिल की कप्तानी में टीम ने 1983 का वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचा था. भारतीय टीम पिछले 10 साल में आईसीसी टूर्नामेंट के 3 फाइनल हार चुकी है. चौथे फाइनल में भी टीम बेहद खराब स्थिति में है. टीम के खिलाड़ियों पर दबाव साफ देखा जा सकता है.

पहले दिन सिर्फ 3 विकेट मिले

द ओवल में खेले जा रहे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की बात करें, तो कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीता और गेंदबाजी का फैसला किया. कंगारू टीम के कप्तान पैट कमिंस ने भी कहा था कि वे भी टॉस जीतते तो गेंदबाजी करते. पिच पर घास थी और बादल भी छाए हुए थे. भारतीय टीम 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतरी, लेकिन पहले दिन सिर्फ 3 ही विकेट ले सकी. इसे एक तरह से मैच का टर्निंग प्वाइंट माना जा सकता है. तेज गेंदबाजों की मददगार पिच पर पहले दिन ऑस्ट्रेलिया ने 327 रन बनाकर खुद को मैच में काफी आगे कर लिया था.

सरफराज को मौका ही नहीं

पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में हुए टी20 वर्ल्ड कप की बात करें, तो टीम इंडिया सेमीफाइनल में हार गई थी. उसे इंग्लिश टीम ने 10 विकेट से मात दी थी. अब बात टेस्ट क्रिकेट की करें, तो फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी में सरफराज खान पिछले 3 सीजन से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन वे टीम इंडिया में जगह नहीं बना सके. उनसे पहले टी20 स्पेशलिस्ट सूर्यकुमार को मौका किया. इतना ही नहीं एक टेस्ट खेलकर वे बाहर भी हो गए.

किदांबी श्रीकांत सिंगापुर ओपन से बाहर प्रियांशु की हार के साथ भारतीय चुनौती समाप्त

सिंगापुर, 9 जून (एजेंसियां)। किदांबी श्रीकांत और प्रियांशु राजावत की हार के साथ सिंगापुर ओपन मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। श्रीकांत को चीनी ताईपे के चिया हाओ ली ने और प्रियांशु को दूसरी वरीय जापान के कोडाई नरोका ने सीधे गेमों में पराजित किया। पहले दौर में थाईलैंड के केंटाफोन को 21-15, 21-19 से हराने वाले श्रीकांत को चिया हाओ ली ने 15-21, 19-21 से हार मिली। पहले दौर में कांते सुनेयामा को हराने वाले प्रियांशु कोडाई नरोका के समक्ष चुनौती पेश नहीं कर पाए। उन्हें 17-21, 16-21 से हार मिली। पुरुष युगल के दूसरे दौर में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला को इंग्लैंड के बेन लेन और सीन वेंडी ने 21-15, 21-19 से हराया।

वेस्टइंडीज की टीम में वर्ल्ड चैंपियन खिलाड़ी की अचानक हुई एंट्री

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज ने क्रिकेट वर्ल्डकप क्वालिफायर की टीम में चोटिल स्पिनर गुडाकेश मोती की जगह जोरदार फॉर्म में चल रहे ओपनर जॉनसन चार्ल्स को स्थान दिया है. चार्ल्स उस वेस्टइंडीज XI का हिस्सा थे, जो 2016 में आईसीसी में T20 वर्ल्डकप चैंपियन बनी थी. इस साल, बल्ले से अपने जोरदार प्रदर्शन से उन्होंने हर किसी का ध्यान आकर्षित किया है. चार्ल्स ने मार्च में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 46 गेंदों पर 118 रन की जोरदार पारी खेली थी जिसमें 11 छक्के और 10 चौके शामिल थे.

डेवोन थॉमस के निलंबन के बाद उन्हें संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ तीन वनडे मैचों के लिए इंडीज टीम में स्थान मिला.इस मौके को उन्होंने दोनों हाथों से लपका और दूसरे वनडे में 47 गेंदों पर 63 रन की पारी खेलते हुए टीम को जीत दिलाई. पहले वनडे में भी चार्ल्स ने 24 रनों की तेज पारी खेली थी.चार्ल्स, इंडीज की 15 सदस्यीय टीम में स्पिनर गुडाकेश मोती की जगह लेंगे जो अब तक लोअर बैक इंजुरी से उबर नहीं पाए हैं.

वनडे में दो शतक जड़ चुके चार्ल्स

जॉनसन चार्ल्स ने वेस्टइंडीज के लिए अब 50 वनडे खेले हैं और 27.40 के औसत और 85.78 के स्ट्राइक रेट से 1370 रन बनाए हैं. वनडे में दो शतक और पांच अर्धशतक वे जड़ चुके हैं. 41 टी20 मैचों में 24.27 के औसत और 130.86 के औसत से 971 रन (एक शतक)भी उनके नाम हैं. वेस्टइंडीज के व्हाइट बॉल के अच्छे बैटर्स में उन्हें शुमार किया जाता है. वेस्टइंडीज के चीफ सिलेक्टर डेसमंड हेंस ने कहा, 'चार्ल्स को इंटरनेशनल क्रिकेट में अनुभव है और वे इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में टीम के लिए उपयोगी साबित होंगे.'

18 जून से होंगे क्रिकेट वर्ल्डकप क्वालिफायर मुकाबले

क्रिकेट वर्ल्डकप क्वालिफायर मुकाबले जिम्बाब्वे में 18 जून से खेले जाएंगे, इसी दिन इंडीज टीम को USA का मुकाबला करना है. इंडीज टीम को 22 जून को नेपाल, 24 जून को जिम्बाब्वे और 26 जून को नीदरलैंड्स का सामना करना है.वर्ल्डकप क्वालिफायर की दो शीर्ष टीमों को इसी वर्ष भारत में होने वाले वर्ल्डकप में भाग लेने का मौका मिलेगा. वेस्टइंडीज टीम : शाई होप (कप्तान), रोवमैन पावेल, एस. ब्रुक्स, यानिक कारिह, केसी कार्टी, जोनाथन चार्ल्स, रोस्टन चेस, जेसन होल्डर, अकील हुसैन, अल्जारी जोसेफ, ब्रेंडन किंग, काइले मेयर्स, कीमो पॉल, निकोलस पूरन और रोमारियो शेफर्ड.

अजिंक्य रहाणे की शान से हुई रॉयल क्लब में एंट्री, भारत के लिए चुनिंदा खिलाड़ियों ने किया है यह कारनामा

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां। द ओवल में अंजिक्या रहाणे का बल्ला जमकर चल रहा है. वह भारतीय टीम के लिए पहली पारी में 122 गेंद में 89 रन बनाकर मैदान में जमे हुए हैं. स्टार बल्लेबाज ने अपनी इस उम्दा पारी के दौरान एक खास उपलब्धि भी अपने नाम की है.

वह देश के लिए टेस्ट क्रिकेट में 5000 हजार रन बनाने वाले खास क्लब में शामिल हो गए हैं. अंजिक्या रहाणे से पहले देश के लिए इस खास उपलब्धि को केवल 12 बल्लेबाजों ने अपने नाम किया था. इस लिस्ट में अब उनका नाम भी शामिल हो गया है. रहाणे भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट में 5000 हजार से अधिक रन बनाने वाले 13वें बल्लेबाज हैं.

13वें टेस्ट शतक के करीब आउट हुए रहाणे

अंजिक्या रहाणे अपने 13वें टेस्ट शतक के बेहद करीब हैं. लंच के बाद अगर उनके बल्ले से 11 रन और निकलते हैं तो वह इस खास उपलब्धि को भी प्राप्त कर लेंगे. फिलहाल वह अपनी टीम के लिए 122 गेंद में 72.95 की स्ट्राइक रेट से 89 रन बनाकर खेल रहे हैं. इस दौरान उनके बल्ले से 11 चौके एवं एक बेहतरीन छक्का निकला है.

भारत के लिए टेस्ट में 5000 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजः

सचिन तेंदुलकर (15921)
राहुल द्रविड़ (13265)
सुनील गावस्कर (10122)
वीवीएस लक्ष्मण (8781)
वीरेंद्र सहवाग (8503)
विराट कोहली (8430)
सौरव गांगुली (7212)
चेतेश्वर पुजारा (7168)
दिलीप वेंगसरकर (6868)
मोहम्मद अजहरुद्दीन (6215)
गुंडप्पा विश्वनाथ (6080)
कपिल देव (5248)
अंजिक्या रहाणे (5011*)

टीम इंडिया से बाहर होने पर आईपीएल फ्रेंचाइजी ने भी छोड़ा था साथ

फिर धोनी ने ऐसे बदली रहाणे की किस्मत

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल इंग्लैंड के ओवल में खेला जा रहा है। मैच के तीसरे दिन शुक्रवार (नौ जून) को टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने शानदार अर्धशतक लगाया। पिछले साल टीम से बाहर होने वाले इस बल्लेबाज ने वापसी मैच में 89 रन की लाजवाब पारी खेली। रहाणे ने भारत को संकट से बाहर निकालने का काम किया है। उन्होंने 129 गेंद की पारी में 89 रन बनाए। इस दौरान 11 चौके और एक छक्का लगाया। वह दिसंबर 2020 के बाद शतक लगाने से 11 रन दूर रह गए।

फाइनल में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीता और गेंदबाजी चुनी। उनका यह फैसला गलत साबित हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 469 रन बना दिए। जवाब में भारतीय टीम की शुरुआत पहली पारी में निराशाजनक हुई। टीम के शीर्ष चार बल्लेबाज 71 रन के अंदर पवेलियन लौट गए। कप्तान रोहित शर्मा 15, शुभमन गिल 13, चेतेश्वर पुजारा 14 और विराट कोहली 14 रन बनाकर आउट हुए। यहां से रहाणे ने रवींद्र जडेजा के साथ मिलकर पारी को संभाला और अर्धशतकीय साझेदारी की। जडेजा 48 रन बनाकर आउट हुए। रहाणे ने फिर शार्दुल ठाकुर के साथ मिलकर टीम को 200 के पार पहुंचाया।

16 महीने बाद टेस्ट में अर्धशतक

रहाणे ने 16 महीने बाद टेस्ट क्रिकेट में अर्धशतक लगाया है। उन्होंने पिछली बार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जनवरी 2022 में अर्धशतकीय पारी खेली थी। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान टेस्ट क्रिकेट में पांच हजार रन भी पूरे कर लिए। रहाणे ऐसा करने वाले भारत के 13वें बल्लेबाज हैं। मौजूदा टीम में उनके अलावा विराट कोहली और चेतेश्वर पुजारा ऐसा कर चुके हैं।

अंगूठे में चोट के बावजूद खेली शानदार पारी

रहाणे जब बल्लेबाजी के लिए उतरे तो उनके अंगूठे में चोट लग गई। वह अंगूठे में पट्टी लगाकर बल्लेबाजी कर रहे थे। रहाणे ने चोट के बावजूद खेलना जारी रखा और टीम इंडिया को मुश्किल से बाहर निकाला। उन्होंने आईपीएल फाइनल के बाद कहा था कि उनका बेस्ट प्रदर्शन आना अभी बाकी है। रहाणे एक समय विराट कोहली के बाद कप्तान बनने के दौर में सबसे आगे थे, लेकिन कुछ खराब पारियों ने उन्हें टीम से ही बाहर कर दिया। रहाणे ने धोनी के साथ रहकर खुद को मानसिक रूप से ज्यादा मजबूत किया।

आसान नहीं रहा रहाणे के लिए पिछला एक साल

साल 2022 की शुरुआत में जब टेस्ट टीम से बाहर हुए तो वह काफी दबाव में थे। उनका आईपीएल 2022 में भी प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। रहाणे को कोलकाता नाइटराइडर्स ने भी टीम से बाहर कर दिया था। आईपीएल में उन्होंने अपना बेस प्राइस घटाया और 50 लाख के ग्रुप में खुद को शामिल किया। आईपीएल के लिए खिलाड़ियों की नीलामी हुई तो रहाणे पर चेन्नई सुपरकिंग्स के अलावा किसी ने बोली नहीं लगाई।

सीएसके ने उन्हें 50 लाख रुपये में खरीद लिया। रहाणे के लिए चेन्नई ने नीलामी से पहले ही प्लान बना लिया था। टीम के सीईओ काशी विश्वानाथन की इस बारे में कोच स्टीफन फ्लेमिंग और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से बात भी हुई थी।

रहाणे के साथ फ्लेमिंग राइजिंग पुणे सुपर जाएंट्स में काम कर चुके थे। वह उनके अनुशासन के फैन थे। वहीं, धोनी की कप्तानी में रहाणे ने टीम इंडिया में काफी खेला था। कोच और कप्तान की जोड़ी को रहाणे पसंद थे।

मुंबई के खिलाफ पारी ने सबकुछ बदला

रहाणे ने मुंबई के खिलाफ 27 गेंद पर 61 रन की पारी खेली। यह उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। उन्होंने 2020 के बाद आईपीएल में अर्धशतक लगाया। इस पारी के बाद अचानक से रहाणे को टीम इंडिया में लेने की बात होने लगी। हालांकि, सिर्फ यही पारी इसके पीछे वजह नहीं थी। रहाणे ने रणजी ट्रॉफी के पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था। रहाणे ने मुंबई के लिए दो शतकों की मदद से 57.63 की औसत से 634 रन बनाए थे। रणजी में शानदार प्रदर्शन के बाद भी रहाणे लाइमलाइट में नहीं आए थे। उन्हें आईपीएल की सफलता ने फिर से सबकी नजरों में ला दिया।

जब चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम चैंपियन बनी थी तो रहाणे से उनके बदलाव के बारे में पूछा गया था। रहाणे ने तब कहा था, "मैं सीएसके मैनजमेंट और माही भाई (धोनी) को धन्यवाद कहना चाहूंगा।

'ब्रजभूषण सिंह को उसके बगल में खड़े देखा था, उसने खुद को छुड़ाया था..' इंटरनेशनल रेफरी ने की आरोपों की पुष्टि

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों का धरना भले ही खत्म हो गया है. पर विवाद पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है. साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया अपनी नौकरी पर वापस लौट चुके हैं. पर बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दर्ज एफआईआर से जो बातें निकलकर सामने आ रही हैं, वो बेहद चौंकाने वाली हैं.

बृजभूषण शरण सिंह के कथित यौन उत्पीड़न की घटनाओं का विवरण देते हुए 6 व्यस्क पहलवानों में से एक महिला रेसलर ओर से दर्ज की गई एफआईआर में सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं. शिकायत में कहा गया है कि पिछले साल मार्च में जब लखनऊ में ट्रायल के आखिर में एशियन चैंपियनशिप के लिए फोटो खिंचवा रही थी, तब उसने "मेरे नितंबों पर हाथ रखा" जिसके बाद उसने दूर जाने का प्रयास किया था. बृज भूषण और शिकायतकर्ता से कुछ फीट दूर खड़े इंटरनेशनल कुश्ती रेफरी जगबीर सिंह ने दिल्ली पुलिस के समक्ष गवाही में इस रेसलर के आरोपों की पुष्टि की है.

जगबीर ने टीम के ग्रुप फोटो का हवाला देते हुए बताया कि दिल्ली पुलिस ने उनसे इसके बारे में पूछा था. जगबीर 4 राज्यों के उन 125 से अधिक संभावित गवाहों का हिस्सा हैं, जो केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के बुधवार के बयान के अनुसार पुलिस जांच का हिस्सा हैं. जांच 15 जून को खत्म होने की उम्मीद है.

एक रिपोर्ट के अनुसार, एक ओलिंपियन, एक कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड मेडलिस्ट, एक इंटरनेशनल रेफरी और एक राज्य स्तर के कोच ने कम से कम तीन महिला पहलवानों के आरोपों की पुष्टि की है.

जगबीर ने कहा, "मैंने उसे (बृजभूषण) रेसलर के बगल में खड़े देखा था. उसने खुद को छुड़ाया, धक्का दिया, कुछ बुदबुदाई और फिर दूर चली गई. वह अध्यक्ष के बगल में खड़ी थीं, लेकिन फिर सामने आ गई. मैंने देखा कि यह महिला पहलवान रिएक्ट कर रही थी और असहज थी. उसके साथ कुछ गलत हुआ. मैंने उसे कुछ करते हुए नहीं देखा, लेकिन उसके हाथ पैर खूब चलते थे. वह रेसलर को छूकर कहता था- इधर आ जा. इधर आकर खड़ी हो जाओ. उसके (शिकायतकर्ता के) व्यवहार से स्पष्ट था कि उस दिन (फोटो सेशनके दौरान) कुछ गलत हुआ था." एफआईआर के अनुसार, बृजभूषण सिंह ने जबरन उसे कंधे

से पकड़ लिया. इसके बाद वह खुद को छुड़ाकर फोटो के लिए आगे की कतार में चली गई.

एफआईआर में कहा गया है, "चूंकि मैं सबसे लंबे पहलवानों में से थी, ऐसे में मुझे अंतिम पंक्ति में खड़ा होना था. जब मैं आखिरी पंक्ति में खड़ी थी और दूसरे पहलवानों के पोज़ीशन लेने का इंतज़ार कर रही थी, तभी आरोपी मेरे पास आकर खड़ा हो गया. मैंने अचानक अपने कमर के नीचे के हिस्से पर हाथ महसूस किया. जब मैंने पीछे मुड़कर देखा तो हैरानी हुई, आरोपी ने अपने हाथ वहां रख दिए थे आरोपी के अनुचित स्पर्श से खुद को बचाने के लिए मैंने तुरंत उस जगह से दूर जाने की कोशिश की. जब मैंने वहां से जाने का प्रयास किया तो आरोपी ने जबरन मेरा कंधा पकड़ लिया. मैंने किसी तरह आरोपी के चंगुल से बचाया. चूंकि मैं टीम की फोटो खिंचाने से नहीं बच सकती थी, ऐसे में मैंने आरोपी से दूर जाकर पहली पंक्ति में बैठने का फैसला किया."

एफआईआर में कहा गया है कि ब्रजभूषण शरण सिंह के 'बेहद अभद्र' और 'आपत्तिजनक' कार्य से महिला रेसलर स्तब्ध रह गई थी. जगबीर दूसरे गवाह हैं, जिनसे इस अखबार ने बात की है. दूसरी 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट अनीता हैं. इन दोनों ने कम से कम दो रेसलर की ओर से किए गए दावों की पुष्टि की है.

दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज की गई दो एफआईआर में, एक नाबालिग सहित सात महिला पहलवानों की शिकायतों के आधार पर, WFI प्रमुख के पेशेवर मदद के बदले 'सेक्सुअल फेवर' की डिमांड करने के दो मामलों का जिक्र है.

बता दें, प्रदर्शनकारी रेसलर और सरकार के बीच लंबे समय से जारी गतिरोध बुधवार को टूटा था, ओलिंपिक पदक विजेता बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक ने खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात की और पहलवान 15 जून तक अपना विरोध प्रदर्शन रोकने पर सहमत हो गए हैं. खेल मंत्री ठाकुर ने कहा कि दिल्ली पुलिस इस तारीख तक चार्जशीट दाखिल करेगी.

अग्रवाल समाज ने प्रदर्शनी मैदान में दी निःशुल्क सेवाएं

मंत्री तलसानी ने समाज की सेवाओं को सराहा

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन, मत्स्य पालन, डेयरी विकास और छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि अग्रवाल समाज, तेलंगाना की सेवाएं जैसे अपने परिवार के सदस्यों के लिए मछली की दवा प्रसाद के लिए आने वाले अस्थमा रोगियों को 24 घंटे मुफ्त नाश्ता, भोजन सुविधा और चिकित्सा शिविर प्रदान करना सराहनीय है। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने मछली प्रसाद वितरण कार्यक्रम के दौरान अग्रवाल समाज, तेलंगाना के तत्वावधान में 24 घंटे के खाद्य वितरण केंद्र का उद्घाटन मृगशिरा करते के अवसर पर हैदराबाद के नामपल्ली स्थित प्रदर्शनी मैदान में किया। इस मौके पर दमा के कई मरीजों को उनके परिजनों को मुफ्त नाश्ता कराया गया। बाद में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि यह सराहनीय है कि अग्रवाल समाज, तेलंगाना ने दो दिनों के लिए प्रतिदिन 50 हजार लोगों को मुफ्त नाश्ता, भोजन सुविधा और पीने का पानी उपलब्ध कराया है ताकि दूर-दूर से आने वाले अस्थमा रोगियों को खाद्य असुरक्षा का अनुभव न हो।

तेलंगाना सरकार के गृह विभाग के प्रधान सचिव, आईपीएस, जितेंदर ने कहा कि अगर आप उनकी मदद करना चाहते हैं, तो उम्र या आय की नहीं, बल्कि मदद करने की गुणवत्ता की जरूरत है, वह है तेलंगाना अग्रवाल समाज। जितेंदर ने गरीबों से दूर शिक्षा और चिकित्सा मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने वाले मुफ्त स्कूलों, अस्पतालों और चिकित्सा शिविरों का आयोजन करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज, तेलंगाना अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष दिलीप कुमार पसारी, सचिव कपूर चंद गुप्ता, सहायक सचिव सतीश कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार जालान, अन्नदान शिविर सह संयोजक संजय गुप्ता, नवीन कुमार अग्रवाल सहित अन्य शामिल हुए।

सिकंदराबाद और नागरसोल के बीच विशेष गाड़ियां

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को क्लियर करने के लिए दमरे सिकंदराबाद और नागरसोल के बीच छह साप्ताहिक विशेष ट्रेनें चलाएगी। ट्रेन नंबर 07517 सिकंदराबाद-नागरसोल स्पेशल 14, 21 और 28 जून (बुधवार) को सिकंदराबाद से सायं 5 बजे रवाना होकर अगले दिन प्रातः 8 बजे नागरसोल पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 07518 नागरसोल-सिकंदराबाद स्पेशल 15, 22 और 29 जून (गुरुवार) को नागरसोल से रात्रि 10 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 10.50 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी।

नाव पलटने से पानी में फंसे मंत्री गंगुला कमलाकर, बचाया गया

करीमनगर, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण और नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर एक गांव के जल निकाय में नाव के एक तरफ झुके होने के कारण पानी में फंस गये, जिन्हें सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत उन्हें पकड़ लिया और सुरक्षित किनारे पर ले आए। मंत्री गुरुवार को कोत्तापल्ली मंडल के आसिफनगर में तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह के तहत आयोजित चेरुवुला पंडुगा में भाग ले रहे थे।

समारोह में भाग लेने के दौरान, कमलाकर ने एक देशी नाव में गाँव जल निकाय में पानी में भ्रमण करने का प्रयास किया। हालाँकि, नाव एक तरफ झुक गई। सतर्क सुरक्षाकर्मियों ने उस तक पहुंचने में कामयाबी हासिल की और उसे तट पर ले गए। मंत्री के पानी में गिरने का एक वीडियो शुक्रवार को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया।

कुछ साल पहले, कमलाकर करीमनगर शहर के बाहरी इलाके में लोअर मनैर बांध में स्पीड बोट सेवा का उद्घाटन करने के बाद पानी में गिर गए थे।

स्थापना दिवस समारोह के दौरान मृतक व्यक्ति के लिए सीएम ने की 5 लाख अनुग्रह राशि की घोषणा

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने गुरुवार को नलगोंडा जिले के दासारी नेमिलीपुर गांव में तेलंगाना राज्य गठन के दशक समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित चेरुवुला पंडुगा के दौरान वदित्य पांडु के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने देवराकोंडा के विधायक रवींद्र नाइक के अनुरोध के बाद शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और उन्हें 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

चुनाव कर्मचारियों के सही प्रशिक्षण पर निर्भर करता चुनाव की सफलता : विकास राज

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी आम चुनाव 2024 के संबंध में, भारतीय चुनाव आयोग द्वारा आईआईडीएम, नई दिल्ली (इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट) के माध्यम से तेलंगाना के राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनरों (एसएलएमटी) के लिए एमसीएचआरडी में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। तेलंगाना के सभी जिलों का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न विभागों से लिए गए राज्य सरकार के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में चुनाव संचालन से संबंधित सभी विषयों को शामिल किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में योग्यता और अयोग्यता, नामांकन, नामांकन की जांच, उम्मीदवारी की वापसी और प्रतीक का आवंटन, जिला चुनाव प्रबंधन योजना, भेद्यता मानचित्रण, मतदान दल और मतदान दिवस की व्यवस्था, मतदान केंद्र, मीडिया शिकायतें, एमसीएमसी-पेड न्यूज, आदर्श आचार संहिता, भारतीय चुनाव और सोशल मीडिया, व्यय निगरानी, एरो-नेट, आईटी एप्लीकेशन, ई-रोल, स्वीप, ईवीएम-वीवीपीएटी, मतगणना और परिणाम की घोषणा, डाक मतपत्र, मतपत्र और ईटीपीबीएस आदि पर विचार मंथन किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षित एसएलएमटी प्रत्येक जिला स्तर पर जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर (डीएलएमटी) को प्रशिक्षण देंगे, जो बारी-बारी से बीएलओ, सेक्टर अधिकारी, उड़नदस्ते, आदर्श आचार संहिता कार्यान्वयन, विभिन्न चुनाव कर्तव्यों में शामिल सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षित करेंगे।

तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने आज प्रतिभागियों को संबोधित कियाऔर दोहराया कि चुनाव का सफल संचालन उचित योजना और चुनाव कर्मचारियों के सावधानीपूर्वक प्रशिक्षण पर निर्भर करता है और सूचित किया कि सभी अद्यतन प्रशिक्षण सामग्री सभी एसएलएमटी के साथ साझा की जाएगी।

बैद्यनाथ
असली आयुर्वेद
कब्ज़ एवं पाईल्स की चिकित्सा में सहायक
सिड्पाईल्स
टैबलेट
बवासीर, फिस्टुला, कब्ज़, गुदा मार्ग की सूजन, जलन, चुभन, खुजली, असहनीय वेदना आदि तकलीफें दूर करने में सहायक।
SIDPILES TABLET For Piles
अभयामृत
पुराने से पुराने कब्ज़ को दूर कर पाचन ठीक रखने में सहायक।
वैद्यकीय सलाह : 8448444935
www.baidyanath.co

ESTD: 1994
ANNIE BESANT WOMEN'S COLLEGE
(JUNIOR & DEGREE)
MPC, BPC
MEC, CEC
NEET/EAMCET
CA-CPT
B.C.A., B.B.A., B.Com (Comp.App)
B.A. (Psychology, Mass Comm. & Jour., Pd.Sci.)
B.Sc. (Nutrition, Bio-Tech, Micro-Bio, Botany, Zool., Chem)
B.Sc. (Data Sci, Comp. Sci., Maths, Stats, Physics)
@Chaitanyapuri Metro Station
KOTHAPET Ph: 9515008563 7702215469 DOST CODE 12100
Gaddiannaram Road
DILSUKHNAGAR Ph: 9618854875 040-24061172, 24062846 DOST CODE 11060

॥ जय गौ माता ॥
गौ सेवा मित्र मण्डल
रिकाबगंज, भाग्यनगर
के तत्वावधान में एवं श्री प्रभुदत्तजी महाराज के सान्निध्य में
स्थान
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
जियागुड़ा, पुरानापुल, भाग्यनगर
सब्जी एवं घाँस सेवा
श्री प्रभुदत्तजी महाराज
श्री गोपाल-श्रीमती मंजू बल्दवा
गौ सेवा मित्र मण्डल
मनोज कुमार अग्रवाल 9299356750 8686955455
9866061810 9293929312 8374696200
उमेश अग्रवाल 9393387165 अभिषेक अग्रवाल 8790312000 9989391402 9246579702
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

सर्वे भवन्तु सुखिनः | मानव सेवा-माधव सेवा
AGARWAL SAMAJ (Regd.) TELANGANA
301, Raghav Ratna Towers, Chirag Ali Lane, Abids, Hyderabad - 500 001 (TS)
Email : agarwalsamajtelangana.gmail.com | Website : www.agarwalsamajtelangana.com

ELECTION NOTICE / NOTIFICATION

In conformity to the articles of the Constitution of Agarwal Samaj – Telangana and powers conferred thereby, Nominations are hereby invited for the posts of Office bearers of Kendriya Samiti of Agarwal Samaj – Telangana i.e. President, Vice-President, Hon Secretary, Joint Secretary and Treasurer for the years 2023-2025 from the eligible members.

The elections, if required, will be held at **Agrasen Garden (Agrasen Bhavan)** Secunderabad on **Sunday, 25-06-2023 from 11.00 AM to 03.00 PM.** The voting will be by way of Secret Ballot.

The office of Agarwal Samaj – Telangana, 301, Raghava Ratna Towers, Chirag Ali Lane, Abids, Hyderabad-500001 will function as election office for all the preliminary processes of the elections.

ELECTION SCHEDULE

1. **Issuance of prescribed Nomination forms :** Between 02.00 PM to 05.00 PM on Monday, 12-06-2023 and Tuesday, 13-06-2023 (on payment of a non-refundable amount of Rs 5,000/- (Rupees Five thousands only) to candidates in person.
2. **Submission of duly filled and signed Nomination Forms by candidates :** Between 11.00 AM to 03.00 PM on Thursday, 15-06-2023.
3. **Display of List of Nomination received on notice board :** At 05.00 PM on Thursday, 15-06-2023.
4. **Display of list of Valid Candidates on notice board after due Scrutiny of Nomination Forms received :** At 03.00 PM on Friday, 16-06-2023.
5. **Withdrawal of Nomination :** Between 01.00 PM and 04.00 PM on Wednesday, 21-06-2023.
6. **Display of final list of Candidates after withdrawals :** At 05.00 PM on Wednesday, 21-06-2023
7. **Elections / Casting of votes, if necessary :** By Secret Ballot between 11.00 AM and 03.00 PM on Sunday, 25-06-2023 at Agrasen Garden (Agrasen Bhavan) Secunderabad.
8. **Counting of votes :** At 05.00 PM on Sunday, 25-06-2023 at Agrasen Garden (Agrasen Bhavan) Secunderabad. Results will be declared immediately after the counting is completed.

NOTE

i. The amount of Rs 5,000/- (Rupees Five thousands only) will not be refunded once nomination form is issued to the candidate.

ii. Nomination forms duly filled, proposed & seconded by the valid voters in Kendriya Samiti Office Bearers Elections only and signed by the candidate IN THE FORM PRESCRIBED BY THE ELECTION OFFICER along with the desired documents shall be submitted in a sealed cover to the election officer. A copy of the nomination form with all the enclosures shall also be submitted in a sealed cover to the Appellate Authority.

iii. Sri Mohan Lal Agarwal has been nominated as Appellate Authority for these elections. Sri Ram Goel and Sri Rajesh Kumar Agarwal will be the members of the Advisory Committee.

iv. List of valid voters and eligible candidates, as submitted to the election commission by the Hon Secretary of Kendriya Samiti of Agarwal Samaj – Telangana will be available at the office of Agarwal Samaj – Telangana. Those desirous to view the list are requested to contact Sri Pavan Dokaniya, Office in charge on +91 9030680525.

v. Advertisements and paid news of any kind in Print, Electronic or any other such media is not permitted.

vi. The candidates may print and circulate, individually or in group, their bio-data / Achievements / Future Plans or manifesto etc, or may use the Social media platforms for the purpose while strictly refraining from any mud-slinging or unwarranted comments about any individual, group or institutions.

vii. Eligible voters will be allowed to cast their votes between 11.00 AM and 03.00 PM only. Gates of scheduled polling premises will be closed at 03.00 PM and thereafter no one will be allowed to cast his/her vote irrespective of any reason. However the eligible voters already entered the scheduled premises before 03.00 PM will be allowed to cast their vote.

viii. Ballot Paper will be issued to the eligible Voters only after due identification and on presentation of any one of the following PHOTO identification cards IN ORIGINAL : Aadhar Card / Passport / Driving Licence / Voter ID card / Privilege Card issued by Agarwal Samaj – Telangana

ix. Proxy vote is not allowed

x. Separate counter will be arranged for voters from Mahila and Youth Shakhas.

xi. Candidate can nominate one representative each to observe election proceedings and counting process. All legal restrictions on campaigning within the voting station area such as on communication with voters, distribution of partisan material, wearing of badges will be strictly and equitably enforced for representatives

xii. Eligible voters will be allowed in polling areas only for casting their votes. Candidates / representatives will not be allowed in the Polling booth areas.

xiii. The election officer reserves the right to disqualify any candidate even after scrutiny if he/ she violates the bylaws of constitution.

For **AGARWAL SAMAJ, TELANGANA**

Dr. Mohan Gupta
Election Officer

Sunil Kumar Patodia
Member, Election Committee

Mukund Lal Agarwal
Member, Election Committee

Date : 09-06-2023
Place : HYDERABAD

सड़क हादसे में भाई-बहन की मौत

हनामकोंडा, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। करूणापुरम और रामपुर के बीच आउटर रिंग रोड पर शुक्रवार को हुए एक सड़क हादसे में दो सगे भाई-बहनों की मौत हो गई। पीड़ितों की पहचान हसनपर्ती मंडल के नगरम गांव के रहने वाले सुमित रेड्डी और उनकी बहन पुजिता रेड्डी के रूप में हुई है, जब वे जिस बाइक पर सवार थे, वह पीछे से एक लॉरी से टकरा गई। सुमित और पुजिता दोनों लॉरी के नीचे फंस गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। धर्मसागर पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए एमजीएम शवगृह में रखवा दिया।

नकली कपास के बीजों का भंडारण करने के आरोप में 10 गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कपास के नकली बीजों पर अंकुश लगाने की दिशा में एक सक्रिय दृष्टिकोण के रूप में, विशेष अभियान दल, मेडचल ज़ोन, राजेंद्रनगर ज़ोन के साथ-साथ कृषि विभाग, मेडचल और चेवेल्ला पुलिस स्टेशनों के अधिकारियों ने सयुक्त अभियान चलाया और 10 लोगों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने भोले-भाले किसानों को बेचने के लिए नकली कपास के बीजों का भंडारण किया था। उन्होंने 3.35 टन नकली (बीजी-III/एचटी) कपास के बीज और 14,850 खाली पाउच जब्त किए, जिन पर राज्य सरकार ने 95 लाख रुपये मूल्य का प्रतिबंध लगा दिया था।

ट्रैक्टर कुएं में गिरा, चालक डूबा

वरंगल, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के चेन्नारावपेट मंडल के लिंगापुरम गांव में शुक्रवार को एक दुखद घटना में एक ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई, जब उसका वाहन खेत की जुताई के दौरान दुर्घटनावश कुएं में गिर गया। पीड़ित अजमेरा कीमा ट्रैक्टर को उल्टा चला रहा था, तभी ट्रैक्टर कुएं में गिर गया। ट्रैक्टर के साथ कुएं में डूबने से कीमा की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ट्रैक्टर के साथ ही शव को बाहर निकालने का प्रयास कर रही थी। एक मामला दर्ज किया गया है, और एक जांच जारी है।

ચાલો... પધારો... પ્રેમ અને ભાવથી...
શ્રી ગુજરાતી પ્રગતિ સમાજ હૈદરાબાદ દ્વારા પહેલી વાર
પ.પૂ.સદ્. શાસ્ત્રી સ્વામી સત્યપ્રકાશ દાસજી
શ્રી ઘનશ્યામ મહારાજ
વક્તા : પૂ. હરિદર્શન સ્વામી
શ્રીમદ્ ભાગવત કથા જ્ઞાન યજ્ઞ
તા. ૧૦-૦૬-૨૦૨૩ થી ૧૬-૦૬-૨૦૨૩
સાંજે ૫-૦૦ વાગ્યા થી ૮-૦૦ વાગ્યા સુધી (કથા બાદ મહાપ્રસાદની વ્યવસ્થા રાખેલ છે)
સ્થળ :- પટેલ ઘનશ્યામ ભવન, લિંગમપલ્લી, નૃપતુંગા કૉલેજ ની પાસે, હૈદરાબાદ.
પોથી યાત્રા ૧૦૮ કળશ ૧૦-૦૬-૨૦૨૩ સાંજે ૪ વાગ્યા થી રાઘવેન્દ્ર સ્વામી મંદિર, લિંગમપલ્લી થી પટેલ ઘનશ્યામ ભવ
* सहयोगी संस्थाएँ *
LOVE FOR COW FOUNDATION | SHRI HYD-SEC LOHANA MAHAJAN
SHRI GUJARATI SEVA MANDAL | SHRI KUTCH KADWA PATIDAR SAMAJ HYD-SEC
SHRI STHANAK VASI JAIN SANGH | SHRI KUTCHI MITRA MANDAL
SHRI VALLABH YOUTH ORGANISATION (VYO) | SHRI PATIDAR SAMAJ
SHRI RAMCHANDRA DONGAREJI MAHARAJ GAUSHALA
SHRI UMIYA GARBI MANDAL | SHRI SUBMERSIBLE PUMP ASSOCIATION
SHRI ACHALGACH JAIN SANGH | SHRI VISHAMODH GOWBHUJA SAMAJ
SHRI GUJARATI BHIGINI SAMAJ (MAHILA MANDAL)
SHRI GUJARATI BRAMHA SAMAJ HYD-SEC

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.